डाक पंजीयन नं. 99/2021-23

E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com

website:www.aadhuniksamachar.com

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

आधुनिक समाचार

हिन्दी साप्ताहिक संस्थापकः- श्री महेन्द्र अरोरा

वर्ष-11 अंक-19 | प्रयागराज, रविवार 08 मई 2022 से शनिवार 14 मई 2022 तक | पृष्ठ- 8 | मूल्यः 3 रूपये

सिनेमाः राष्ट्रभाषा विवाद में कूदे जावेद जाफरी...8)

संक्षिप्त समाचार

केंद्रीय स्वास्थ्य परिषद ने कोरोना पर डब्लूयूएचओ की रिपोर्ट खारिज की

केवडिया। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण परिषद (सीसीएचएफडब्लूयू) ने भारत में कोरोना की वजह से होने वाली मौतों पर विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लूयूएचओ) की रिपोर्ट को खारिज कर दिया है। सीसीएचएफडब्लूयू के सम्मेलन के दूसरे दिन शुक्रवार को पारित प्रस्ताव में भारत में कोरोना से 47 लाख मौतों के डब्लूयूएचओ के अनुमान पर आपत्ति जताई गई। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि प्रस्ताव में कहा गया है कि डब्लूयूएचओ द्वारा भारत में कोरोना के चलते मौतों के इस अनुमान तक पहुंचने के लिए पद्धति का इस्तेमाल किया गया है, वही गलत है। डब्लूयूएचओ का अनुमान अस्वीकार्य है, क्योंकि देश में पारदर्शी और कानूनी प्रक्रिया का पालन करते हुए कोरोना के चलते होने वाली मौतों को व्यवस्थित तरीके से दर्ज किया जाता है। गुजरात के केवड़िया में चल रहे सम्मेलन में दूसरे दिन लगभग 20 राज्यों के स्वास्थ्य मंत्रियों ने एक सुर में डब्लूयूएचओ की रिपोर्ट को खारिज किया। साथ ही केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया से देश की इस भावना से डब्लूयूएचओ को अवगत कराने और शीर्ष अंतरराष्ट्रीय मंचों पर इसे उठाने का आग्रह किया। इनमें कर्नाटक, मध्य प्रदेश, बिहार, पंजाब, दिल्ली, उत्तराखंड, झारखंड, सिक्किम और महाराष्ट्र के स्वास्थ्य मंत्री शामिल थे।बता दें कि गुरुवार को जारी अपनी रिपोर्ट में डब्लूयूएचओ ने अनुमान लगाया है कि कोरोना के चलते पिछले दो वर्षों में विश्व में 1.5 करोड़ और भारत में 47 लाख मौतें हुई हैं। विश्व में कोरोना के चलते मौतों का आधिकारिक आंकड़ा 62 लाख और भारत में पांच लाख से कुछ अधिक है।

दिल्ली में प्रशासनिक सेवाओं पर नियंत्रण का मामला संविधान पीठ के हवाले

नई दिल्ली। संविधान पीठ तय करेगी कि दिल्ली में नौकरशाहों पर किसका नियंत्रण होगा। अधिकारियों की पोस्टिंग और ट्रांसफर के मामले में केंद्र सरकार की चलेगी या दिल्ली सरकार की। सुप्रीम कोर्ट की तीन न्यायाधीशों की पीठ ने शुक्रवार को दिल्ली में प्रशासनिक सेवाओं पर नियंत्रण का मामला विचार के लिए पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ को भेज दिया है। कोर्ट ने संविधान पीठ को सिर्फ सेवाओं पर नियंत्रण के मसले का सीमित मुद्दा विचार के लिए भेजा है। मामले पर 11 मई को सुनवाई होगा ये फैसला शुक्रवार

को प्रधान न्यायाधीश एनवी रमणा, सूर्यकांत और हिमा कोहली की तीन सदस्यीय पीठ ने सुनाया। दिल्ली सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल कर प्रशासनिक सेवाओं पर नियंत्रण मांगा है जबकि केंद्र का कहना है कि दिल्ली केंद्र शासित प्रदेश है वहां सेवाओं पर केंद्र का नियंत्रण होगा। केंद्र सरकार ने यह भी कहा था कि प्रशासनिक सेवाओं में नियंत्रण का मुद्दा पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ को विचार के लिए भेजा जाना चाहिए क्योंकि इसमें अनुच्छेद 239एए(3)(ए) के संवैधानिक प्रावधानों की समग्र व्याख्या किये जाने की जरूरत है। हालांकि दिल्ली की आम आदमी पार्टी की सरकार की ओर से मामला संविधान पीठ को भेजने की केंद्र सरकार की मांग का जोरदार विरोध किया गया था। दिल्ली सरकार का कहना था कि संविधान पीठ अपने पूर्व फैसले में सारे पहलू स्पष्ट कर चुकी है और अब जो विवाद बचा है उसे तीन न्यायाधीशों की पीठ ही निपटा सकती है।

संजय राउत का निशाना, कहा महाराष्ट्र में शांति, माहौल बिगाड़ने वालों को जनता ने दिया जवाब

मुंबई। महाराष्ट्र में धार्मिक स्थलों पर लाउडस्पीकर को लेकर जारी विवाद के बीच शिवसेना नेता संजय राउत ने विरोधियों पर करारा हमला बोला है। संजय राउत ने शनिवार को कहा कि महाराष्ट्र में शांति है। कुछ लोग राज्य के हालात बिगाड़ने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन लोगों ने उन्हें करारा जवाब दिया। संजय राउत ने ये भी कहा कि लाउडस्पीकर को लेकर एक नीति बनाई जानी चाहिए। संजय राउत ने भाजपा पर भी निशाना साधा। राउत ने कहा, 'महंगाई देश में सबसे बड़ा मुद्दा है। इस पर न तो प्रधानमंत्री और न ही वित्त मंत्री या राज्य और देश के भाजपा नेता बोल रहे हैं। उन्हें बस इस बात की चिंता है कि पंजाब और महाराष्ट्र की पुलिस क्या कर रही है। वहीं, मनसे प्रमुख राज ठाकरे ने नई धमकी दी है। राज ठाकरे ने पुणे के पुलिस आयुवत को एक पत्र लिखा है। इस पत्र में उन्होंने कहा कि सभी मौलवी इस बात का लिखित तौर पर बयान दें कि वो लाउडस्पीकर से अजान नहीं करेंगे। उन्होंने अपने पत्र में एक बार फिर कहा है कि यदि उन्होंने इसको नहीं माना तो वो इस बार पुलिस स्टेशनों के सामने ही उडस्पीकरों से हनुमान चालीसा का पाठ करेंगे। बता दें कि राज ठाकरे ने लाउडस्पीकर से अजान को लेकर अल्टीमेटम दिया था। ठाकरे की तरफ से 3 अप्रैल तक की समय सीमा दी गई थी। इसमें कहा गया था कि यदि 4 अप्रैल को किसी भी मस्जिद से लाउडस्पीकर पर अजान हुई तो वो इसका जवाब वहां पर हनुमान चालीसा का पाठ कर देंगे। उन्होंने राज्य के सीएम उद्धव ठाकरे के घर के बाहर हनुमान चालिसा का पाठ करने का भी एलान किया था।

लाउडस्पीकर से अजान न करने का सभी मौलवी दें लिखित आश्वासनः राज ठाकरे.........

मुंबई । महाराष्ट्र से उपजे लाउडस्पीकर विवाद में अब मनसे प्रमुख राज ठाकरे ने पुणे के पुलिस आयुक्त को एक पत्र लिखा है। इस पत्र में महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के प्रमुख ने कहा है कि सभी मौलवी इस बात का लिखित तौर पर बयान दें कि वो लाउडस्पीकर से अजान नहीं करेंगे। उन्होंने अपने पत्र में एक बार फिर कहा है कि यदि उन्होंने इसको नहीं माना तो वो इस बार पुलिस स्टेशनों के सामने ही उडस्पीकरों से हनुमान चालिसा का पाठ करेंगे। बता दें कि महाराष्ट्र से उपजा लाउडस्पीकर विवाद अब देश के दूसरे राज्यों में भी पहुंच चुका है। महाराष्ट्र में ही इस मुद्दे पर काफी कुछ हो चुका है। इससे पहले राज ठाकरे की तरफ से 3 अप्रैल तक की समय सीमा दी गई थी। इसमें कहा गया था कि यदि 4 अप्रैल को किसी भी मस्जिद से लाउड स्पीकर पर अजान हुई तो वो इसका जवाब वहां पर हनुमान चालिसा का पाठ कर देंगे। उन्होंने राज्य के सीएम उद्धव ठाकरे के घर के बाहर हनुमान चालिसा का पाठ करने का भी एलान किया था। मनसे प्रमुख के इस अल्टीमेटम को देखते हुए राज्य में सभी धार्मिक स्थलों पर सुरक्षा व्यवस्था को चाक चौबंद किया गया था। साथ ही मनसे प्रमुख और राज्य के सीएम के घर के बाहर सुरक्षा कड़ी की गई थी। राज ठाकरे ने इस संबंध में पिछले दिनों एक ओपन लेटर भी लोगों को लिखा था जिसमें कहा गया था कि कानून सभी के लिए एक समान होना चाहिए। इसमें आरोप लगाया गया था कि मुस्लिम बड़े मौकों पर सड़कों पर नमाज अदा करते हैं।

डीजीसीए ने कंफर्म टिकट के बावजूद यात्रा से रोकने पर एयरलाइंस को चेताय

नई दिल्ली। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने शुक्रवार को उन सभी एयरलाइंस को चेतावनी दी जो कंफर्म टिकट होने के बाद भी यात्रियों को विमान में बोर्डिंग करने से रोक रही हैं। डीजीसीए ने कहा कि इसे गंभीरता से लिया जाएगा और नियमों के अनुसार अर्थ दंड लगाने के साथ ही दोषी एयरलाइन के खिलाफ सख्त कार्रवाई भी शुरू की जाएगी। डीजीसीए ने सभी एयरलाइंस से कहा कि वे सिविल एविएशन रेगुलेशन (सीएआर) के प्रविधानों का पालन करें। निदेशालय ने कहा कि उसके संज्ञान में आया है कि कंफर्म टिकट होने और निर्धारित समय पर पहुंचने के बावजूद यात्रियों को विमान में चढ़ने नहीं दिया जा रहा है। यह प्रथा यात्रियों के साथ बहुत ही अनुचित है और उड्डयन उद्योग का नाम खराब करती है। डीजीसीए ने कहा कि इस तरह की स्थिति से निपटने के लिए उसने सीएआर की धारा तीन, श्रेणी एम, भाग चार जारी किए थे। इसके तहत यात्रा से रोकने, उड़ान रद होने और उड़ान में देरी होने पर संबंधित एयरलाइंस को यात्रियों को न्यूनतम मुआवजा और सुविधाएं मुहैया कराने का प्रविधान है। सभी एयरलाइंस को इसका पालन करना होगा। सिविल एविएशन रेगुलेशन एक यात्री को उस स्थिति में प्रदान किए जाने वाले न्यूनतम मुआवजे और सुविधाओं को निर्धारित करता है, जब उन्हें बोर्डिंग, रद्दीकरण या उड़ान में देरी से वंचित किया जाता है।

कर्नाटक के स्वास्थ्य मंत्री ने भारत में हुई कोरोना से मौतों के आंकड़ों पर उठाए सवाल

बेंगलुरू। वैश्विक स्वास्थ्य निकाय विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लूयूएचओ) की एक रिपोर्ट पिछले दिनों आयी, जिसमें भारत में कोरोना से हुए मौतों का आंकड़ा 47 लाख बताया गया है। जिसके बाद इसपर विवाद शुरू हो गया। डब्लूयूएचओ का दावा है की भारत में कोरोना से मौत के आंकड़ें 5 लाख नहीं 47 लाख है। इस आंकड़ें के आने के बाद पक्ष-विपक्ष अपनी प्रतिक्रिया इसपर दे रहे हैं, लेकिन इस विवाद के बीच कर्नाटक के स्वास्थ्य मंत्री के सुधाकर ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि, विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लूयूएचओ) ने बिना किसी वैज्ञानिक प्रमाण और तर्कसंगत तर्क के कहा है, कि भारत में के कारण होने वाली मौतों की संख्या 47 लाख दर्ज की गई है। यह संख्या कोरोना से होने वाली मौत की वास्तविक संख्या नहीं है। स्वास्थ्य मंत्री के सुधाकर ने कहा कि इस देश में हर मौत को वैज्ञानिक रूप से दर्ज किया गया है। उन्होंने आगे कहा कि भारत में हर मौत सबसे आथेंटिक तरीके से दर्ज की जाती है। एएनआइ से बात करते हुए उन्होंने कहा, 'डब्लूयूएचओ ने बिना किसी वैज्ञानिक प्रमाण और तर्कसंगत के आधारहीन तरीके से अपनी रिपोर्ट पेश की है। इसमें जो आंकड़े दिए गए हैं वो वास्तविक संख्या नहीं है। भारत में इस रिपोर्ट को कई स्तर पर गलत बताकर इसकी आलोचना की गई है। स्वास्थ्य मंत्री के सुधाकर ने कहा, 'हम अपनी संख्या पर कायम हैं क्योंकि भारत ने एक वैज्ञानिक आधार पर ही अपने आंकड़े देश और दुनिया के सामने पेश किए हैं।

मुफ्तखोरी के जाल में फंसकर बर्बाद हुए वेनेजुएला और श्रीलंका

श्रीलंका । में आर्थिक संकट की खबरों ने देश में मुफ्तखोरी के खिलाफ एक नई बहस को जन्म दिया है। श्रीलंका की सरकार ने सभी के लिए करों में कटौती और विभिनन्न मुफ्त वस्तुओं एवं सेवाओं के वितरण जैसे कदम उठाए थे। परिणामस्वरूप उसकी अर्थव्यवस्था पर भारी बोझ से उसके पतन की स्थिति बनी। फिर पहले से ही भारी कर्ज में डूबे देश के पास डिफाल्ट होने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा। इस घटनाक्रम के परिप्रेक्ष्य में भारतीय राज्यों द्वारा दिए जा रहे मुफ्त वस्तुओं और सेवाओं के मुद्दे पर एक बहस की शुरुआत हुई है। समय के साथ मुफ्तखोरी भारतीय राजनीति का अभिन्न अंग बनती जा रही है। चाहे वह चुनावी संघर्ष में मतदाताओं को लुभाने के लिए वादे के रूप में हो या सत्ता में बने रहने के लिए मुफ्त सुविधाओं के रूप में। यही कारण है कि चुनावों के समय लोगों की ओर से ऐसी अपेक्षाएं प्रकट की जाने लगी हैं, जिन्हें मुफ्त के ऐसे वादों से ही पूरा किया जाता है। इसके अलावा जब पड़ोस के या देश के अन्य राज्यों के लोगों को मुफ्त में उपहार या सेवा प्राप्त हो रहे होते हैं तो तुलनात्मक रूप से उनकी अपेक्षाएं बढ़ जाती हैं। यही कारण है कि तमाम राजनीतिक दल मतदाताओं को लुभाने के लिए मुफ्त बिजली, पानी की आपूर्ति, मासिक भत्ते के साथ-साथ लैपटाप, स्मार्टफोन आदि देने का वादा करते हैं। देश के सभी राज्यों को लोकलुभावन वादों से बचना चाहिए। इसका प्रभाव राजकोष पर पड़ता है। भारत के अधिकांश राज्यों की वित्तीय स्थिति खराब है। उनके पास राजस्व के मामले में प्रायः अत्यंत सीमित संसाधन होते हैं। यदि राज्य कथित राजनीतिक लाभ के लिए व्यय करना जारी रखेंगे, तो उनकी वित्तीय स्थिति डगमगाने लगेगी और राजकोषीय अनुशासन भंग होने की स्थिति बनेगी। भारत एक बड़ा देश है और यहां अभी भी ऐसे लोगों का एक बड़ा समूह मौजूद है, जो गरीबी में गुजर-बसर कर रहे हैं। इसलिए देश की विकास योजना में सभी लोगों को शामिल किए जाने की जरूरत है। इस दिशा में केंद्र की मोदी सरकार ने कई अच्छी पहल की है। ज्ञात हो कि वेनेजुएला में मुफ्त की सुविधाएं मुहैया कराने के कारण उसकी अर्थव्यवस्था पूरी तरह से चरमरा गई। वहां महंगाई विकराल स्थिति में पहुंच गई है। वह आज आर्थिक तंगी की मार झेल रहा है। इसलिए सब्सिडी और मुफ्तखोरी में अंतर करना भी आवश्यक है, क्योंकि सब्सिडी उचित और विशेष रूप से लक्षित लाभ है जो मांगों से उत्पनन्न होता है। यद्यपि प्रत्येक राजनीतिक दल को लक्षित जरूरतमंद लोगों को लाभ देने के लिए सब्सिडी पारितंत्र के निर्माण का अधिकार है, पर वह राज्य या केंद्र सरकार के खजाने पर दीर्घकालिक बोझ नहीं होना चाहिए। बेहतर यही होगा कि केंद्र और राज्य सरकारों को मुफ्त की घोषणाओं एवं वादों से बचना चाहिए।

महंगाई का एक और झटका, अब घरेलू रसोई गैस सिलिंडर के दाम में हुआ इजाफा

नई दिल्ली। मई में एक बार फिर महंगाई का झटका आम लोगों को लगा है। पेट्रोल डीजल और सीएनजी के दाम में तो लगातार इजाफा हो ही रहा था लेकिन अब एलपीजी गैस के दाम भी लगातार बढ़ रहे हैं। आज तेल कंपनियों ने घरेलू रसोई गैस सिलिंडर का दाम 50 रूपये और महंगा कर दिए हैं। आम लोगों की जेब पर अब एक बार फिर महंगाई का बोझ बढ़ जाएगा। वहीं कंपनियों ने कमशिन्यल रसोई गैस सिलेंडर के दाम भी इसी महीने बढ़ाए हैं। सिलेंडर के दाम में इजाफे के साथ अब 14.2 किलो के घरेलू रसोई गैस सिलेंडर की कीमत 999.50 रुपये प्रति सिलेंडर होगी। आज 50 रुपये की बढ़ोतरी हुई है। यह बढ़ोतरी उस समय हुई है जब देश में पेट्रोल-डीजल और सीएनजी की महंगाई से लोग पहले ही परेशान थे। बता दें कि इसी महीने की पहली तारीख 1 मई को 19 किलो के कमशिन्यल रसोई गैस सिलेंडर की कीमत 102.50 रुपये बढ़कर 2355.50 रुपये कर दी गई थी। इससे पहले इसकी कीमत 2253 रुपये थी। साथ ही 5 किलो के एलपीजी कमशिन्यल सिलेंडर की कीमत को भी कंपनियों ने बढ़ाकर 655 रुपये कर दी है।

देश में फिर कोरोना के मामलों में आया उछाल, बीते 24 घंटों में 3800 से अधिक मामले दर्ज, 22 की मौत

नई दिल्ली । देश में एक बार फिर से कोरोना के मामलों में तेजी दर्ज की गई है। बीते 24 घंटों के दौरान देशभर में 3805 नए मामले दर्ज किए गए हैं। इस दौरान 3168 मरीज ठीक हुए हैं और 22 की मौत भी हुई है। देशभर में एक्टिव केस अब 20303 हो गए हैं। गौरतलब है कि इस सप्ताह की शुरुआत में कोरोना के मामले तीन हजार के नीचे पहुंच गए थे, लेकिन अब कुछ दिनों से फिर कोरोना के नए मामलों में इजाफा होता दिखाई दे रहा है। बता दें कि देश की राजधानी दिल्ली में शुक्रवार को लंबे अरसे के बाद सबसे अधिक 1656 नए मामले सामने आए थे। वहीं देशभर की बात करें तो 5 अप्रेल को देशभर में कोरोना दिन 55 लोगों की मौत दर्ज की गई थी। गौरतलब है कि देश में कोरोना महामारी को खत्म करने के मकसद से लगभग सभी उम्र के लोगों के लिए वैक्सीन की व्यवस्था हो चुकी है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया का कहना है कि कोरोना से निपटने के लिए देशभर में बने दिशा-निर्देशों को प्रभावी ढंग से लागू किया गया था, जिसकी बदौलत तीसरी लहर से निपटा जा सका है। ये बयान इसलिए बेहद खास है क्योंकि दुनिया के कई देशों में अब भी कोरोना के नए मामलों की संख्या हजारों और लाखों में आ रही है। आपको बता दें कि भारत में कोरोना की रोकथाम के लिए देशभर में

संक्रमण के 3545 नए मामले सामने आए थे और 27 मरीज ठीक हुए थे। शुक्रवार को सामने आई रिपोर्ट के मुताबिक 19,688 हो गए थे। वहीं 4 अप्रेल को देश में कोरोना के नए मामलों का आंकड़ा 3,275 था। इस बूस्टर डोज देने की शुरुआत काफी पहले से हो चुकी है। अब 12 वर्ष से ऊपर के बच्चों को भी कोरोना रोधी टीके की खुराक दी जा रही है। देश में इसको लेकर बड़ी तेजी से काम चल रहा है।

रक्षा सहयोग बढ़ाने के लिए सिंगापुर प्रतिनिधिमंडल ने सिकंदराबाद में एमसीइएमइ का किया दौरा, कई परियोजनाओं को किया गया प्रदर्शित

सिकंदराबाद। कर्नल पांग लीड शुआन के नेतृत्व में सिंगापुर सशस्त्र बलों के एक प्रतिनिधिमंडल ने सिकंदराबाद के सैन्य कालेज आफ इलेक्ट्रानिक्स एंड मैकेनिकल इंजीनियरिंग का दौरा किया है। 12वीं भारत सिंगापुर आर्मी टू आर्मी स्टाफ वार्ता (एएटीएस) के हिस्से के रूप में यात्रा करने आए प्रतिनिधिमंडल ने एमसीइएमइ के कमांडेंट लेफ्टिनेंट जनरल जेएस सिदाना और इएमइ कोर के कर्नल कमांडेंट और कॉलेज के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों से बातचीत भी की। सिंगापुर के प्रतिनिधिमंडल की इस यात्रा का उद्देश्य दोनों देशों के बीच रक्षा सहयोग को बढ़ाना है। बता दें कि सिंगापुर सेना के प्रतिनिधिमंडल को एमसीईएमई में की जा रही विभिन्न प्रशिक्षण गतिविधियों के बारे में जानकारी दी गई, जिसमें संस्थान में अपनाई जा रही सर्वोत्तम प्रथाओं, नवीन प्रशिक्षण पद्धतियों और अन्य अनूठी पहल शामिल हैं। सिंगापुर सशस्त्र बलों के प्रतिनिधिमंडल को अपनी यात्रा के दौरान, विशिष्ट तकनीकों से निपटने वाली आधुनिक प्रयोगशालाओं सहित अत्याधुनिक प्रशिक्षण सुविधाएं भी दिखाई गईं। प्रतिनिधिमंडल ने सिम्युलेटर डेवलपमेंट डिवीजन (एसडीडी) का भी दौरा किया, जहां एसडीडी द्वारा विकसित विभिन्न सिमुलेटर और परियोजनाओं को प्रदर्शित किया गया था। बता दें कि एमसीइएमइ भारतीय सेना का एक प्रमुख प्रशिक्षण संस्थान है जो विभिन्न इंजीनियरिंग विषयों और डोमेन में गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण प्रदान करता है। वहीं मित्र देशों से बड़ी संख्या में लोग प्रशिक्षण प्राप्त करने भी एमसीईएमई आते हैं। यहां की तकनीक का पड़ोसी देशों में काफी बोलबाला है। उन्नत तकनीकों के इस्तेमाल के चलते लोग बड़ी संख्या में यहां आते हैं।

नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र बना रिकॉर्ड होल्डर

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रयागराज। का देशप्रेख्यात नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र जो की लगभग 10000 प्रशिक्षणर्थियों को प्रशिक्षित कर चुका लगातार नयी बुलंदियों को हासिल कर रहा हैं इससे पूर्व अन्तित्ष्ट्रीय मानक के अनुसार प्रमाण पत्र प्राप्त हुआ था तथा भारत सरकार द्वारा सितारा ग्रेडिंग प्राप्त कर चुका है ने नया मानक इंडिया बुक ऑफ़ रिकॉर्ड मे सबसे ज्यादा मंत्रालय द्वारा मान्यता प्राप्त करने वाला प्रशिक्षण केंद्र बन चुका है इस उपलब्धि से केंद्र के छात्र छात्राओं एवं अनुदेशको मे बहुत खुशी माहौल हैं इस कोरोना काल मे ये उपलब्धि छात्र छात्राओं नो नयी राह दिखाएगी ये उपलब्धि प्रयागराज के लिये गर्व की बात है।

यूपी के मंत्री डा. अरुण कुमार ने प्रतापगढ़ के सभासद से पूछा- वार्ड की सबसे बड़ी समस्या बताइए

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश के पर्यावरण और वन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डा. अरुण कुमार आज प्रतापगढ़ जनपद में हैं। शनिवार को सुबह उन्होंने शहर के अचलपुर वार्ड में साफ सफाई व्यवस्था का जायजा लेने पहुंच गए। वार्ड के सभासद से भी मुलाकात करके क्षेत्र की समस्या से अवगत हुए। अधिकारियों को मंत्री ने स्वच्छता का पाठ पढ़ाया और निर्देशित भी किया। नप अधिशासी अधिकारी से बोले मंत्री- सफाई में लापरवाही न बरतें : यूपी के राज्य मंत्री डाक्टर अरुण कुमार ने प्रतापगढ़ नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी मुदित सिंह से कहा कि वार्ड की सफाई नियमित रूप से होनी चाहिए। इसमें किसी तरह की लापरवाही न बरती जाए। कंपोजिट विद्यालय सदर बाजार का भी मंत्री ने निरीक्षण किया। उनके साथ प्रतापगढ़ के सांसद संगम लाल गुप्ता भी थे।

कांग्रेस के प्रयागराज महानगर सचिव ने पोस्टर जारी कर आजम खान को दिया पार्टी आमंत्रण, शहर अध्यक्ष ने दी नोटिस

प्रयागराज। जरा आप भी इस पोस्टर को ध्यान से देखें। इसे देखकर तो यही कहा जा रहा है कि यह कांग्रेस के वरिष्ठ नेता कांग्रेस महानगर सचिव इरशाद उल्ला की ओर से जारी किया गया है। पोस्टर में कांग्रेस महासचिव प्रियंका वाड्रा के साथ प्रदेश के पूर्व मंत्री वरिष्ठ नेता आजम खान की फोटो छपी है। इस पोस्टर के माध्यम से इरशाद उल्ला आजम खान की ओर से कांग्रेस में निमंत्रण की बात लिखी गई है। इस पोस्टर से राजनीतिक गलियारे में गर्मी आ गई है। इस पोस्टर में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता प्रमोद कृष्णम की भी फोटो है। वहीं इरशाद उल्ला के बगल में पूर्व प्रदेश प्रवक्ता बाबा अवस्थी की भी तस्वीर है। इंटरनेट मीडिया पर भी पोस्टर : प्रयागराज में कांग्रेस के चौक स्थित कार्यालय पर ये पोस्टर लगा है। इसके साथ ही इंटरनेट मीडिया पर भी इस पोस्टर को वायरल किया गया है। कांग्रेस नेता इरशाद का कहना है कि आजम खान ढाई वर्ष से जेल में बंद हैं। समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव ने उनके साथ सौतेला व्यवहार किया है। मेरा सवाल है कि यदि सपा मुखिया के परिवार का कोई सदस्य जेल में होता तो क्या वह चुप बैठते। यही वजह है कि मैंने आवाज उठाई और आजम खान को कांग्रेस में आने का निमंत्रण दिया है। पोस्टल लगवाने वाले नेता ने यह कहा : इरशाद ने कहा कि कांग्रेस नेता आचार्य प्रमोद कृष्णन पहले ही जेल में जाकर आजम खान के अलावा उनके परिवार से मुलाकात कर चुके हैं।

अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय अध्यक्ष इमरान प्रतापगढ़ी भी जेल में उनसे मिल चुके हैं। जल्द ही मैं भी जेल में मिलने जाऊंगा यदि वहां उनसे मुलाकात नहीं हो पाई तो परिवार से मिलने रामपुर भी जाऊंगा। कांग्रेस ने हमेसा अल्पसंख्यकों का सम्मान किया है। आजम खान को कांग्रेस की सदस्यता लेनी चाहिए। जिलाध्यक्ष ने इरशाद उल्ला को कारण बताओ नोटिस जारी की : कांग्रेस प्रयागराज के जिलाध्यक्ष अंशुमान मिश्र ने कहा कि इरशाद उल्ला ने जो पोस्टर जारी किया है यह उनकी निजी राय है। पार्टी का इससे कोई लेना देना नहीं है। इस संबंध में यदि कोई निणन्य होगा तो वह शीर्ष नेतृत्व लेगा। बिना किसी से विमर्श किए इस तरह का कदम उठाने के लिए कांग्रेस महानगर सचिव इरशाद उल्ला को कारण बताओ नोटिस भी जारी किया गया है।पूर्व शहर अध्यक्ष बाबा अवस्थी बोले- मेरी सहमति नहीं ली गई : कांग्रेस के पूर्व शहर अध्यक्ष बाबा अवस्थी ने भी कहा कि वह कांग्रेस महानगर सचिव की तरफ से जारी पोस्टर का समर्थन नहीं करते हैं। इसमें उनकी कोई सहमति नहीं ली गई। शहर अध्यक्ष से उन्होंने विरोध भी जताया है। कहा है कि आजम खान पूरी जिंदगी कांग्रेस के विरोधी रहे अब उन्हें पार्टी में आमंत्रण कैसे दिया जा सकता है। ऐसी हरकत से पार्टी की छवि धूमिल होगी।

150जोडों का होगा सामूहिक विवाह

(आधुनिक समाचार सेवा)
डॉ0रणजीत सिंह

प्रतापगढ़।जिला समाज कल्याण अधिकारी राजीव कुमार ने अवगत कराया कि मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2022 - 23 में निदेशालय, समाज कल्याण उत्तर प्रदेश लखनऊ के द्वारा धन राशि रुपए 76. 50लाख का आवंटन प्राप्त हुआ है। उन्होंने बताया कि आवंटित धन के जिसके सापेक्ष इस जनपद में 150 जोड़ों का सामूहिक विवाह कराया जा सकता है।अतः सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि सामूहिक विवाह हेतु इच्छुक अभ्यर्थी अपने संबंधित विकासखंड / नगरपालिका / नगर निकाय में अपना पंजीकरण कराना सुनिश्चित करें, जिससे सामूहिक विवाह का आयोजन संपनन्‍ कराया जा सके।

रेड क्रॉस सोसायटी का रक्तदान शिविर ८मई को

(आधुनिक समाचार सेवा)
डॉ0रणजीत सिंह

प्रतापगढ़।मुख्य चिकित्सा अधिकारी/उपाध्यक्ष इंडियन रेड क्रॉस सोसायटी ने अवगत कराया कि दिनांक 8 मई को विश्व रेडक्रास दिवस के अवसर पर जिला चिकित्सालय में एक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया है। जनपद के समस्त स्वैच्छिक रक्तदाताओ से अनुरोध है कि कृपया रक्तदान शिविर में पधार कर दिनांक 8 मई को रक्तदान हेतु अपना नामांकन कराते हुए रक्तदान करने का कष्ट करें जिससे आवश्यकता पड़ने पर जरूरतमंदों की सहायता समय पर की जा सके इस संबंध में विस्तृत जानकारी अथवा रेड क्रॉस सोसायटी के सदस्य बनाने हेतु डॉक्टर सुधाकर सिंह, सचिव, इंडियन रेड क्रॉस सोसायटी प्रतापगढ़ कार्यालय पर संपर्क कर सकते हैं।

मण्डलायुक्त की अध्यक्षता में मेला प्राधिकरण स्थित आईसीसीसी सभागार में प्रयागराज मेला प्राधिकरण की तेरहवीं बोर्ड की बैठक सम्पन्न

(आधुनिक समाचार सेवा)
विलाश गुप्ता

प्रयागराज। मण्डलायुक्त श्री संजय गोयल की अध्यक्षता में गुरूवार को मेला प्राधिकरण स्थित आईसीसीसी सभागार में प्रयागराज मेला प्राधिकरण की तेरहवीं बोर्ड की बैठक आयोजित की गयी। बैठक में अक्षयवट मार्ग के विकास एवं सुदृढ़ीकरण कराये जाने के सम्बंध में निणन्य लेते हुए इस मानकों का पालन करते हुए आवश्यक कार्यवाही किए जाने का निणन्य लिया गया। बैठक में मेला क्षेत्र में आने वाले श्रद्धालुओं के लिए अधिक से अधिक बेहतर सुविधायें सुनिश्चित कराये जाने के सम्बंध में भी विचार-विमर्श किया गया। मेला क्षेत्र में आने वाले श्रद्धालुओं से बोटिंग के लिए निर्धारित रेट से अधिक पैसा लिए जाने की शिकायत के मद्देनजर नांव की

ऑनलाइन बुकिंग की व्यवस्था कराये जाने हेतु आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित किए जाने के लिए मण्डलायुक्त के द्वारा निर्देशित किया गया, जिसके लिए बुकिंग काउण्टर, टोकन सिस्टम सहित अन्य आवश्यक व्यवस्थायें बनाये जाने के लिए निर्देशित किया गया। संगम क्षेत्र में मोटराइज्ड बोट के संचालन हेतु निर्धारित मानकों का अनुपालन करते हुए अनुमति प्रदान किए जाने के सम्बंध में आवश्यक कार्यवाही किए जाने के लिए निर्देशित किया गया। मण्डलायुक्त ने कहा कि मेला प्राधिकरण का मुख्य उद्देश्य श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधायें प्रदान करना हो। बैठक में नैनी ब्रिज पर लाइटिंग की समुचित व्यवस्था नियमित रूप से बनाये रखने के लिए निर्देशित किया गया। इस अवसर पर आईजी श्री राकेश कुमार सिंह, जिलाधिकारी श्री संजय कुमार खत्री, प्रयागराज विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष श्री अरविंद चैहान सहित सभी सम्बंधित विभागों के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

हेतु आवश्यक कार्यवाही किए जाने का निर्देश दिया गया। इसके साथ ही साथ मां त्रिवेणी की आरती, संगम क्षेत्र व आस-पास के घाटों का विकास एवं तीथर्यात्रियों के लिए सुविधाओं को बढ़ाये जाने हेतु भी आवश्यक कार्यवाही किए जाने के लिए कहा गया। बैठक में संगम क्षेत्र, किला घाट, हनुमान मंदिर एवं परेड क्षेत्र में साफ-सफाई की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित किए जाने एवं इसका नियमित रूप से अनुश्रवण किए जाने के लिए भी निर्देशित किया गया। मेला क्षेत्र में सीसीटीवी कैमरा भी लगाकर साफ-सफाई एवं श्रमिकों की उपस्थिति का नियमित रूप से अनुश्रवण किए जाने के लिए कहा गया। बैठक में मेला प्राधिकरण कार्यालय परिसर के भवन में ही रिकार्ड रूम बनाये जाने के लिए भी निर्देशित किया गया। संगम नोज के पास संगम क्षेत्र में आने वाले श्रद्धालुओं एवं तीर्थयात्रियों की सुविधाओं के दृष्टिगत फूड कोर्ट, एम्यूजमेंट जोन, वेण्डिंग जोन तथा स्टॉल लगाये जाने हेतु निर्धारित

प्रयागराज के 77 किमी में पेयजल की नई पाइप लाइन बिछेगी, जलकल दूषित पानी की समस्या दूर करेगा

प्रयागराज। प्रयागराज शहर के बाशिंदों के लिए अच्छी खबर है। शहर के ज्यादातर मोहल्ले के लोग दूषित पानी की समस्या से परेशान हैं। हालांकि अब उनकी समस्या जल्द दूर होने वाली है। लोगों की परेशानी के निदान के लिए जलकल विभाग 77 किमी क्षेत्र में नई पाइप लाइन बिछाएगा। इससे शुद्ध पानी लोगों को मिल सकेगा। इन मोहल्लों का सर्वे हुआ : दारागंज, अल्लापुर, कटरा, तेलियरगंज, सिविल लाइंस, एलनगंज, कर्नलगंज, जानसेनगंज, राजापुर, करेली, चकिया, झलवा, प्रीतमनगर, फाफामऊ सहित शहर के तमाम मोहल्लों में नई पाइप लाइन डालने का सर्वे किया जा चुका है। यहां बिछने लगी पाइपलाइन : अल्लापुर, एलनगंज, सिविल लाइंस, दारागंज में पाइन लाइन बिछाने का काम भी शुरू हो गया है। लगभग 25 किलो मीटर तक पाइप लाइन बिछाई जा चुकी है। 200 किलो मीटर से अधिक की दूरी में जर्जर पाइपों को बदला जाएगा।जर्जर पाइपों को हटाएगा जलकल : बेहतर पेयजल सुविधा उपलब्ध कराने के लिए जलकल की ओर से जर्जर पाइप लाइनों को जल्द ही हटाया जाएगा।

अशोक सिंहल के नाम पर होगा हाशिमपुर रोड, करेली का नाम होगा ख़्वाजा नगर, बालसन चौराहा बमरौली एयरपोर्ट के भी नाम बदलेंगे

(आधुनिक समाचार सेवा)
विलाश गुप्ता

प्रयागराज। शहर की सांस्कृतिक, सामाजिक, साहित्यिक और धार्मिक संस्कृति की समृद्धि में अहम योगदान देने वाले मनीषियों व सपूतों के नाम से अब प्रयागराज की सड़कें, चौराहे, आरओबी, गंगा पर बनने वाले पुलों और पार्कों का नामकरण किया जाएगा। नाम बदलने के लिए या नया नाम रखने के लिए नगर निगम की नामकरण कमेटी की बैठक महापौर अभिलाषा गुप्ता की अध्यक्षता में हुई। इसमें इसी तहर के 33 प्रस्ताव कमेटी के सदस्यों ने पेश किया, जिसमें 18 पर सहमति बन गई। नौ मई से सदन की होने वाली बैठक में इस बदलाव की घोषणा की जाएगी। इन क्षेत्रों, सड़कों, चौराहों के नाम बदलने के लिए सर्वसम्मति से प्रस्ताव पास हुआ है– अलोपीबाग फ्लाइओवर का नाम शहीद रोशन सिंह के नाम होगा बालसन चौराहा का नाम महर्षि भरद्वाज चौराहा करने का प्रस्ताव कटरा के बख्तियारी मोहल्ले का नाम बदलकर पूर्व पार्षद निसार अहमद के नाम करने का प्रस्ताव कालिंदीपुरम दुर्गा पूजा पार्क का नाम स्व. प्रेम कृष्ण श्रीवास्तव के नाम करने का प्रस्ताव नैनी पुराने पुल के नीचे घंटेश्वर महावीर मंदिर चौराहा का नाम घंटेश्वर महावीर चौराहा करने का प्रस्ताव स्व. रविभूषण बधावन के नाम से सड़क व गली का नाम करने का प्रस्ताव रसूलाबाद में कालोनी का नाम शीतला धाम कालोनी करने का प्रस्ताव करेली का नाम बदलकर ख्वाजा नगर करने का प्रस्ताव शहर में बन रहे आरओबी, चौराहा, बस स्टैंड कानाम अअमर शहीद ननका हेला के नाम से करना का प्रस्ताव बमरौली एयरपोर्ट का नाम शहीद चंद्रशेखर आजाद रखने का प्रस्ताव फायर ब्रिगेड चौराहा और कल्याणी देवी पार्क का नाम स्व. सत्य प्रकाश मालवीय के नाम से करने का सुझाव शहर के एक चौराहा का नाम कर्पूरी ठाकुर के नाम से करने का प्रस्ताव शिवकुटी मेला रोड का नाम शहीद अंबुज सिंह के नाम से करने के नाम से करने का प्रस्ताव वीरांगना उदादेवी पासी के नाम से चौराहा का नाम करण करने का प्रस्ता स्व. शिवमूर्ति यादव की प्रतिमा चौराहा पर लगाने का प्रस्ताव अशोक नगर की एक कालोनी का नाम पवन पुत्र हनुमान के नाम से करने का प्रस्ताव स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्व. ननका हेला की मूर्ति स्थापित करने का प्रस्ताव प्रीतम नगर में साहित्यकार स्व. कैलाश गौतम के नाम से चौराहा का नामकरण करने का प्रस्ताव दरभंगा कालोनी का नाम स्व. रविभूषण बधावन के नाम से करने का प्रस्ताव डा. एके बजाज के नाम से सड़क की पटरी का नाम रखने का सुझाव नया पुरवा करेली की सड़क का नाम सरदार किशन सिंह के नाम से करने का प्रस्ताव मुट्ठीगंज चौराहा का नाम बदलकर सालिकराम जायसवाल के नाम से करने का प्रस्ताव भुलई का पूरा मोहल्ले का नाम बदलकर जगदीशपुरी रखने का प्रस्ताव पीपल गावं गौसपुर मोहल्ले का नाम स्वराज नगर करने का प्रस्ताव फाफामऊ में बनने वाले सिक्स लेन पुल का नाम महान वैज्ञानिक प्रो. राजेंद्र सिंह रज्जू भैया के नाम से करने का प्रस्ताव कमला नेहरू स्मारक हास्पिटल के सामने हाशिमपुर रोड और बख्शी बांध पर निर्माणाधीन आयओबी का नाम स्व. अशोक सिंहल के नाम से करने का प्रस्ताव करैलीबाग में कालोनी अंबेडकर नगर में डा भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा लगाने का प्रस्ताव मेहदौरी कालोनी का मुख्य मार्ग का नाम कवि उमाकांत मालवीय के नाम से रखने का प्रस्ताव चंदौल हास्पिटल वाली कालोनी का नाम अवधपुरी कालोनी करने का प्रस्ताव धोबीघाट चौराहा का नाम बदलकर स्व. चुननेलाल के नाम से करने का प्रस्ताव।

प्रयागराज विधायक हर्षवर्धन वाजपेई प्रभारी मंत्री के सामने ही जमीन पर बैठ गए, पढ़ें खबर और जानें मामला

प्रयागराज। प्रयागराज आए प्रभारी मंत्री अनिल राजभर ने सर्किट हाउस में समीक्षा बैठक की। इससे पहले उन्होंने भाजपा कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों के साथ भी बैठकें कर उनकी समस्याओं और मुद्दों को जाना। उसके बाद विभागीय अफसरों के साथ समीक्षा बैठक कर शहर के विकास के लिए हुए कार्यों को जानने के साथ आगे की कार्ययोजना भी समझी। इस दौरान एक ऐसा वाकया हुआ कि चर्चा में आ गया। मंच पर स्थान न मिलने से नाखुश थे विधायक हर्षवर्धन वाजपेई : समीक्षा बैठक में विधायक हर्षवर्धन वाजपेई भी मौजूद थे लेकिन मंच पर स्थान न मिलने से वह नाराज हो गए। प्रभारी मंत्री के सामने ही वह जमीन पर बैठ गए। कहा कि अफसरों के साथ चल रही समीक्षा बैठक में उन्हें अपनी बात कहने का मौका नहीं मिला। इस पर वहां मौजूद अधिकारियों ने जैसे तैसे मनाने की कोशिश की लेकिन वह नहीं माने। जब प्रभारी मंत्री ने स्वयं उन्हें मनाया और मंच पर चलने का आग्रह

किया तो वह जमीन से उठे। विधायक ने महाकुंभ से पूर्व प्रस्तावित पुल निर्माण की मांग की विधायक हर्षवर्धन वाजपेई ने सलोरी से हेता पट्टी तक प्रस्तावित पुल का निर्माण महाकुंभ से पहले पूरा कराने का आग्रह किया। झलवा में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत तैयार पुष्प निकेतन के फ्लैट का वितरण शुरू कराने की भी मांग रखी। अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक में विधायकों से इनपुट न लेने पर शहर उत्तरी विधायक ने नाराजगी भी जताई। छिवकी रेलवे क्रासिंग का मसला उठाः करछना विधायक पीयूष रंजन निषाद ने छिवकी में रेलवे क्रासिंग का कार्य न पूरा होने का मुद्दा रखा। यह भी कहा कि उनकी विधानसभा का बड़ा भाग बाढ़ प्रभावित है। इसके लिए डीपीएस तक जो बांध बना है, उसे आगे भी बढ़ाया जाए तो लोग बाढ़ से बच सकेंगे। स्वरूपरानी अस्पताल की अव्यवस्था बताई : भाजपा जिला उपाध्यक्ष विवेक अग्रवाल ने स्वरूपरानी नेहरू अस्पताल की अव्यवस्था को इंगित किया। कहा कि इस अस्पताल में सिटी स्कैन मशीन प्रायः खराब रहती है। एमआरआइ सहित अन्य जांच के लिए मरीजों को महीनों बाद की तारीख दी जाती है।

ग्रा0वि0अ0ने बदल दी जाति,परिवार के चौदह में सात को शौचालय

(आधुनिक समाचार सेवा)
डॉ0रणजीत सिंह

प्रतापगढ़। विकास खंड लक्ष्मणपुर का ग्राम विकास अधिकारी सुधाकर मौर्य अपनी जाति के लोगों को लाभ पहुँचाने के लिए पासी जाति लिखकर परिवार रजिस्टर की नकल जारी किया और परिवार के 14 लोगों में 7 लोगों को शौचालय दे दिया। मामला चमरूपुर शुक्लान ग्राम पंचायत का है जहाँ पूर्व प्रधान श्रीपाल मौर्य का बेटा राजेंद्र मौर्य उर्फ राजा अपनी तिकड़म से ग्राम पंचायत की प्रधानी कर रहा है।वह वास्तविक प्रधान निर्मला देवी पतने मानिक चंद्र की जगह खुद प्रधान बन कर काम कर रहा है।उसने विकास खंड कार्यालय में प्रधान के नाम नाम पर दर्ज होने वाले मोबाइल नंबर पर अपना मोबाइल नंबर दर्ज करवाया है।अपनी जाति का ग्राम विकास अधिकारी अपनी ग्राम पंचायत में नियुक्त करवा कर वह लाखों का वारा न्यारा कर रहा है।यह आरोप है ग्राम पंचायत के आशुतोष ओझा अधिवक्ता का जिन्होंने शपथ पत्र के माध्यम से जिलाधिकारी को शिकायत पत्र देकर बताया है कि यह ग्राम विकास अधिकारी राजेंद्र मौर्य राजा को लाभ पहुँचाने के लिए उसके ही परिवार के 14में 7लोगों को शौचालय दिया है जिसमें मंजू/राम पाल,नीता/मनोज, निर्मला देवी/राजेन्द्र प्रसाद राजा,राम लाल/राम विदुर,सीमा/राम लाल के अलावा सलोनी तथा स्वीटी हैं।सलोनी और स्वीटी के पिता/पति के नाम ही नहीं दर्ज किये गये हैं।सलोनी और स्वीटी वास्तव में शिखा और सारिका हैं जो कि मनोज मौर्य की पुत्री हैं और राजेंद्र प्रसाद मौर्या उर्फ राजा की भतीजी हैं तथा ग्राम पंचायत सदस्य मंजू देवी एवं निर्मला देवी की भी भतीजी हैं एवं एक ही परिवार मकान नंबर 234 की निवासिनी है। उपरोक्त समस्त लाभार्थी परिवार रजिस्टर के अनुसार मकान नंबर 234 यानी एक ही परिवार के निवासी हैं। आशुतोष ओझा का कहना है कि निर्वाचित सदस्य प्रतिनिधि अपने नाम पर शौचालय आवास नहीं ले सकता है लेकिन इन ग्राम पंचायत सदस्यों के नाम पर शौचालय का लाभ इन्हें प्रदान किया गया है। ग्रामीणों ने बताया कि इस तरह से शासन के धन को ग्राम विकास अधिकारी सुधाकर मौर्य मनमानी ढंग से उन लोगों को दे रहा है जो नियमानुसार पात्र नहीं हैं।साथ ही जातिवाद का जहर पूरे ग्राम में फैला रहा है।ऐसे कूटरचना करने वाले ग्राम विकास अधिकारी के विरुद्ध ग्रामीणों ने तुरंत दंडात्मक कार्यवाही करने की माँग की है। ऐसे ग्राम विकास अधिकारी एवं कूट रचना में सहायक राजेंद्र मौर्य राजा के विरुद्ध कौन सी प्रशासनिक कार्यवाही होती है यह तो वक्त तय करेगा लेकिन योगी आदित्यनाथ के पारदर्शी शासन काल में इस तरह से मनमाने ढंग से शासन के धन को लूट कर अपनी जेब भरने और एक ही परिवार को लाभ पहुँचाने वालों को सबक मिलेगा भी या नहीं,जनता का यह प्रशन अनुत्तरित लग रहा है।

रेलवे की एनटीपीसी परीक्षा देने वाले अभ्यर्थियों को स्पेशल ट्रेन सुविधा, आनंद विहार-प्रयागराज संगम से करें सफर

प्रयागराज। रेलवे की एनटीपीसी के द्वितीय चरण की परीक्षा में शामिल होने वाले परिक्षार्थियों के लिए रेलवे ने सविधा दी है। परीक्षार्थियों को आवागमन में दिक्कत न हो, इसके लिए रेलवे ने स्पेशल ट्रेन चलाने की घोषणा की है। यह ट्रेन आनंद विहार से प्रयागराज संगम स्टेशन के बीच एनटीपीसी परीक्षा स्पेशल के नाम से चलेगी। कितने बजे चलेगी ट्रेन उत्तर मध्य रेलवे के सीपीआरओ डा. शिवम शर्मा ने बताया कि 04004/04003 आनंद विहार-प्रयागराज संगम परीक्षा विशेष गाड़ी आनंद विहार से आठ मई को दोपहर 12.40 बजे चलेगी, रात 1.15 बजे प्रयागराज संगम पहुंचेगी। वापसी में प्रयागराज संगम से नौ मई को रात 10 बजे मेल एक जून से सुबह आठ बजे प्रयागराज जंक्शन आएगी। 14038 नई दिल्ली-सिलचर (साप्ताहिक) ट्रेन दो जून से व 22450 नई दिल्ली-गुवाहाटी (सप्ताह में दो दिन) एक जून से सुबह 7.50 बजे आएगी। इन ट्रेनों का भी बदला समय : 12350 नई दिल्ली-गोड्डा (साप्ताहिक) सात जून से, 14620 फिरोजपुर कैंट-अगरतला

चलेगी। एक स्पेशल ट्रेन की और हो सकती है घोषणा : रेलवे की एनटीपीसी के द्वितीय चरण की परीक्षा 9 और 10 मई को देश भर के केंद्रों पर होगी। एक ट्रेन की घोषणा की गई है संभवत आज एक और ट्रेन के चलाने की घोषणा हो सकती है। स्पेशल ट्रेन 8 मइ को आनंद विहार से व 9 को प्रयागराज से चलेगी स्पेशल ट्रेन आठ मई को आनंद विहार से और नौ मई को प्रयागराज संगम चलेगी, दोपहर 12.10 बजे आनंद विहार पहुंचेगी। इस गाड़ी में कुल 24 कोच होंगे। बदले समय से प्रयागराज आएगी ब्रह्मपुत्र समेत नौ ट्रेन रेल प्रशासन ने 23 ट्रेनों की समय सारिणी में बदलाव किया है। इसमें ब्रह्मपुत्र समेत नौ ट्रेनें ऐसी हैं जो प्रयागराज अब बदले हुए समय पर पहुंचेंगी और रवाना होंगी। एनसीआर के सीपीआरओ डा. शिवम शर्मा ने बताया कि 15657 दिल्ली-कामाख्या ब्रह्मपुत्र (साप्ताहिक) छह जून से सुबह 7.50 बजे आएगी। 15483/15484 अलीपुर द्वार जं.-दिल्ली एक जून से सुबह 9.20 बजे व वापसी में शाम 5.40 बजे आएगी। 12487/12488 जोगबनी-आनंद विहार एक जून से दिन में 11.40 बजे व वापसी में 4.55 बजे आएगी। 12312 कालका-हावड़ा एक जून से शाम 5.05 बजे आएगी। 12987 सियालदह-अजमेर एक जून से दिन में 11.50 बजे आएगी।

32 साल पहले दायर हुआ था वाद विवादित स्थल स्वयंभू विश्वेश्वर ज्योतिर्लिंग मंदिर का है अंश

वाराणसी। ज्ञानवापी में नया मंदिर निर्माण और हिंदुओं को पूजा-पाठ का अधिकार को लेकर पं. सोमनाथ व्यास, डा. रामरंग शर्मा व अन्य ने 15 अक्टूबर 1991 को सिविल जज (सिवि.) वाराणसी की अदालत में वाद दायर किया था। इसमें कहा गया कि विवादित स्थल स्वयंभू विश्वेश्वर ज्योतिर्लिंग मंदिर का अंश है। हिंदुओं को उक्त स्थल पर पूजा-पाठ, दर्शन-पूजन व अन्य धार्मिक कार्य करने का अधिकार है। इस वाद पर अंजुमन इंतजामिया मसाजिद की ओर से आपत्ति की गई। दलील दी गई कि यह वाद पोषणीय नहीं है क्योंकि पूजा-स्थल विशेष उपबंध अधिनियम, 1991 की धारा-चार से बाधित है। जबकि स्वयंभू विश्वेश्वर ज्योतिर्लिंग की ओर से दलील दी गई कि 15 अगस्त 1947 को ज्ञानवापी विवादित स्थल का स्वरूप मंदिर का ही था। इसके नीचे 15 वीं शताब्दी के मंदिर का अवशेष है। ढांचे की अंदरूनी आकृति मंदिर की है और ऊपर तीन गुंबद बना दिए गए हैं। अपर सिविल जज ने दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद उक्त वाद को पूजा-स्थल विशेष उपबंध अधिनियम की धारा-चार से बाधित होने के संबंध में दावे में मांगे गए अनुतोष मे संशोधन हेतु आदेश दिया एवं संशोधन के साथ दावा चलने का आदेश दिया गया। इसके विरुद्ध दोनों पक्षों के द्वारा सिविल रिवीजन माननीय जिला जज वाराणसी में दाखिल किया गया। इसमें अपर जिला जज (प्रथम) की अदालत ने सिविल जज के निणन्य को निरस्त कर दिया और कहा कि बिना मौके का साक्ष्य लिए बगैर यह नहीं कहा जा सकता है कि विवादित स्थल का धार्मिक स्वरूप मंदिर का है या मस्जिद का। अदालत ने पूरे परिसर का विस्तृत साक्ष्य संकलित कराने का आदेश दिया। इस आदेश के खिलाफ अंजुमन इंतजामिया मसाजिद व यूपी सुन्नी वक्फ बोर्ड, लखनऊ की ओर से वर्ष 1998 में हाईकोर्ट में दो याचिकाएं दायर की गईं। पं. सोमनाथ व्यास की सात मार्च 2000 को मृत्यु के बाद उनके स्थान पर पैरवी के लिए अदालत ने 11 अक्टूबर 2018 को पूर्व जिला शासकीय अधिवक्ता (सिविल) विजय शंकर रस्तोगी को वाद मित्र नियुक्त किया। सुनवाई के दौरान वाद मित्र विजय शंकर रस्तोगी ने अयोध्या की भांति ज्ञानवापी परिसर एवं कथित विवादित स्थल का भौतिक एवं पुरातात्विक दृष्टि से भारतीय सर्वेक्षण विभाग से राडार तकनीक से सर्वेक्षण कराने की अदालत से अपील की। आठ अप्रैल 2021 को सिविल जज (सीडि. फास्टट्रैक) आशुतोष तिवारी की अदालत द्वारा मंजूर कर लिया गया। इस आदेश के खिलाफ सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड व अंजुमन इंतजामिया मसाजिद की ओर से उच्च न्यायालय में रिट याचिका दायर है। फिलहाल उक्त प्रकरण में दस मई को सुनवाई होनी है। काशी विश्वनाथ के मूल मंदिर स्थान तथा अन्य देवी देवताओं के पूजन-अर्चन व अधिकार को लेकर सर्वोच्च न्यायालय के अधिवक्ता हरिशंकर जैन एवं अन्य पक्षकारों ने 18 फरवरी 2021 को सिविल जज सीडि. की अदालत में वाद दाखिल किया था। अदालत ने इसे प्रकीर्ण वाद के रूप में दर्ज करते हुए सुनवाई का आदेश दिया था। सिविल जज की अदालत में सुनवाई चल रही है। श्रृंगार गौरी के दर्शन पूजन की इजाजत के लिए पांच महिलाओं ने 18 अगस्त 2021 को सिविल जज सीडि. की अदालत में वाद दायर किया। अदालत ने उसी दिन इस वाद को सुनवाई के लिए स्वीकार करते हुए मौके की स्थिति जानने के लिए एडवोकेट कमिश्नर नियुक्त करने का भी आदेश जारी कर दिया। इस मुकदमे में दो एडवोकेट कमिश्नर नियुक्त किए गए लेकिन उनके द्वारा कोई कार्रवाई न किए जाने पर अदालत ने आठ अप्रैल 2022 को अजय कुमार मिश्रा तीसरा एडवोकेट कमिश्नर नियुक्त किया।

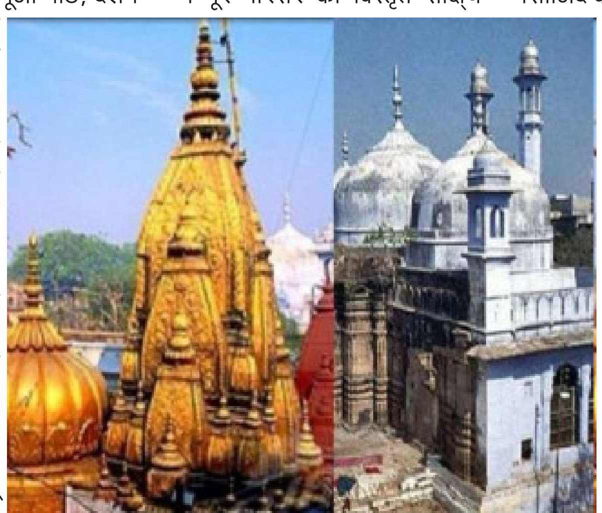

आठ मई को भी वाराणसी में पेट्रोल और डीजल का भाव स्थिर, एलपीजी में उछाल

वाराणसी। आज रविवार को लगातार 32वें दिन भी पेट्रोल और डीजल के दामों में बढ़ोतरी नहीं हुई। शहर में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में लगातार स्थिरता बनी हुई है। पेट्रो कीमतों को लेकर इन दिनों जनता को राहत महसूस हो रही है। 8 मई के दिन भी कीमतें लगातार 32 वें दिन भी स्थिर रहीं। शनिवार को 14.2 किलोग्राम वाले घरेलू सिलेंडर के दाम में 50 रुपये की बढ़ोतरी की गई। घरेलू गैस सिलेंडर के नए दाम शनिवार यानी 7 मई से लागू भी हो गए हैं। तेल कंपनियों ने शनिवार को एलपीजी गैस सिलेंडर के दाम 50 रुपये बढ़ाए जाने के बाद आम लोगों पर आर्थिक बोझ बढ़ गया है। आम आदमी के लिए एक और दिन महंगाई से राहत भरा रहा। तेल कंपनियां बीते 32 दिन से कीमतें नहीं बढ़ा रही हैं। इसके पूर्व भी धीरे धीरे पखवारे भर में कीमतों में लगभग दस रुपये प्रति लीटर से ज्यादा का बोझ आम जनता पर पड़ गया था। तेल कंपनियों की यह खामोशी आम आदमी के लिए राहतभरी भले मानी जा रही हो लेकिन आगे कीमतों में इजाफा तय है।सूबे में लगातार 32 दिन से पेट्रोल और डीजल की कीमतें स्थिर रहने से लोगों को राहत महसूस हो रही है। पेट्रो उत?पादों की कीमतों में लंबे समय से बदलाव न होने से लोगों की चिंता अब भी कीमतों में कभी भी इजाफा होने को लेकर बरकरार है। लोगों को चिंता यह भी है कि कहीं कीमतें एक साथ बढ़ीं तो जेब पर कीमतें कहीं भारी न पड़ जाएं। यूपी में पेट्रोल डीजल के दामों को लेकर लोग सुबह घर से निकलने से पूर्व इन दिनों बेचैन हो जा रहे हैं। बीते माह छह अप्रैल के बाद से तेल की महंगाई से समय अब राहत भरा रहा है। रविवार को लगातार 32 वें दिन भी पेट्रोल और डीजल के दामों में इजाफा नहीं हुआ है। वाराणसी में पेट्रोल डीजल की कीमतें पखवारे भर से अधिक समय से वैसे ही बने होने से मई माह की शुरुआत होने के साथ ही उपभोक?ताओं की नजर पेट्रो कीमतों पर निरंतर लगी हुई हैं। कीमतों में और इजाफा हुआ तो माल भाड़े में भी इजाफा होना तय माना जा रहा है। इसकी वजह से वस्तुओं के साथ ही अन्य उत्पादों की कीमतों में इजाफा होना तय है। देश में सरकारी तेल कंपनियों की ओर से लगातार पेट्रोल डीजल की कीमतों में पखवारे भर से अधिक समय से बदलाव नहीं किया जा रहा है। वाराणसी के लिहाज से बुधवार को लगातार 28 वें दिन भी पेट्रोल डीजल के दाम में कोई बदलाव नहीं होने से आम जनता ने राहत महसूस की है। उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव के बाद से एमएलसी चुनाव के बीच पेट्रोल व डीजल की कीमतों में लगातार इजाफा हो रहा था। पेट्रोलियम कंपनियों की ओर से फुटकर में पेट्रोल और डीजल की दरों में वृद्धि शुरू होने के बाद चिंता बढ़ रही थी। सरकार भी महंगाई से मुकाबले के लिए इनकी कीमतों में सुस्त इजाफा कर रही है ताकि पेट्रोलियम पदार्थों के दाम बढ़ने से ट्रांसपोर्ट का में अधिक बढ़ोतरी न हो। छह अप्रैल को 80 पैसे प्रति लीटर वृद्धि संग पेट्रोल 106.06 और डीजल 97.63 रुपये प्रतिलीटर तक हो गया था। प्रीमियम रेंज में पेट्रोल 110.25 और प्रीमियम रेंज डीजल 100.95 रुपये प्रति लीटर है। सीएनजी के दाम 8.60 और पीएनजी घरेलू में सात रुपये का इजाफा : पेट्रोल-डीजल की महंगाई की मार से मुक्त उपभोक्ता सीएनजी - पीएनजी के लगातार बढ़ते दाम के चलते बेबस अनुभव करने लगे हैं। बीते पखवारे भर में वाराणसी में सीएनजी 8.60 रुपये और पीएनजी घरेलू की कीमतें सात रुपये महंगी हो गई हैं। उपभोक्ताओं की के मुताबिक पेट्रोल और डीजल के बढ़ते दाम की तरह गैसों की महंगाई से लगातार जूझना पड़ रहा है। एक अप्रैल के बाद से अभी तक सीएनजी और पीएनजी घरेलू की कीमतों में दो बार इजाफा हो चुका है। गैस सिलेंडर के नए दाम : आम जनता पर महंगाई का बोझ बढ़ता जा रहा है। क्योंकि आज फिर से एलपीजी गैस सिलेंडर के दाम बढ़ गए हैं। कामशिऱ्यल गैस सिलेंडर के बाद अब घरेलू गैस सिलेंडर के दाम में भी इजाफा हुआ है। शनिवार को 14.2 किलोग्राम वाले घरेलू सिलेंडर के दाम में 50 रुपये की बढ़ोतरी की गई। घरेलू गैस सिलेंडर के नए दाम शनिवार यानी 7 मई से लागू भी हो गए हैं। तेल कंपनियों ने शनिवार को एलपीजी गैस सिलेंडर के दाम 50 रुपये बढ़ाए जाने के बाद आम लोगों पर आर्थिक बोझ बढ़ गया है। इससे पहले घरेलू एलपीजी के दाम 22 मार्च को 50 रुपये बढ़े थे। अप्रैल माह में इस सिलेंडर की कीमत में कोई इजाफा नहीं हुआ था। वाराणसी एलपीजी वितरक संघ के प्रवक्ता मनीष चौबे के अनुसार वाराणसी में अब 14.2 किलो वाले गैस सिलिंडर के दाम 1063 के ऊपर चले गए हैं। पहले लोगों को 1013 रुपये प्रति सिलिंडर रहा। पांच किलो का छोटा सिलिंडर 371.50 से बढ़कर 389.50 हो गया। दस किलो का सिलिंडर 722 के बदले अब 757.50 रुपये देय होगा। इसके अलावा अन्य प्रकार के सिलिंडर का भाव 50 रुपये ज्यादा हो गया। इस साल कई बार घरेलू एलपीजी सिलेंडर के भाव बढ़ने के बद इस बार वाणिज्यिक गैस सिलेंडर की बारी आई है। अप्रैल माह में कामशिऱ्यल गैस सिलेंडर का भाव जहां 2432.50 रुपये ही था। वहीं इस माह से बढ़कर 2525.50 रुपये हो गया है। इसके कारण लोगों पर महंगाई की एक और मार पड़ गई है

अपनी आंखों के सामने बेटे चंदन को मगरमच्छ का निवाला बनते देख सदमे में है मां सरिता

चंदौली । पुत्र वियोग से निस्तेज पड़े चेहरे पर अविरल बहती अश्रुधार आंसुओं में डूबी आंखें ज्यों ही खुलती हैं, जुबां बस यही कहती है - 'हमार चंदन जरूर अइहैं। कुछ क्षण तक रुदन-विलाप फिर लंबी खामोशी। बदहवासी। मूर्चछा। यह हाल है उस मां सरिता का जिसकी आंखों के सामने उसके आठ साल के बेटे को नदी किनारे से मगरमच्छ खींच ले गया। असहाय-बेबस में कलपती रह गई पर बेटे को बचा न सकी। वह खौफनाक मंजर याद कर सरिता विश्वकर्मा बेटे को चंदन-चंदन पुकारते हुए बेहोश हो जा रही है। शनिवार को भी वह पूरे दिन बेसुध पड़ी रही। पुत्र के वियोग में पिता पखंडू भी बदहवास ही पड़े हैं। सांत्वना देने पहुंचे रहे रिश्तेदार व पड़ोसी भी घटना की कल्पना मात्र से सिहर उठ रहे हैं। सिकंदरपुर के विजयपुरवा गांव निवासी चंदन विश्वकर्मा की मौत के बाद दूसरे दिन भी बस्ती में मातमी सननटा पसरा रहा। गांव में चर्चा यह भी रही कि अगर घर में शौचालय होता तो शायद यह हृदयविदारक घटना ही न होती। चंदन गांव के ही परिषदीय विद्यालय में पहली कक्षा का छात्र था। शुक्रवार को वह छोटे भाई के साथ स्कूल गया था। लौटा तो मां ने कई बार समझाया कि मैं नदी किनारे कपड़े साफ करने जा रही हूं। तुम घर में ही रहना। चंदन ने भोजन किया और घर में शौचालय न होने के कारण वह शौच के लिए मां के पीछे-पीछे चंद्रप्रभा नदी किनारे पहुंच गया। जहां वह शौच कर रहा था, बगल में ही सरिता कपड़े धो रही थी। इसी बीच नदी से निकले मगरमच्छ ने उसे दबोच लिया और मां की आंखों के सामने बीच धारा में खींच ले गया। असहाय मां दहाड़ें मार-मार कर रोती-बिलखती रही लेकिन कुछ कर न सकी। वन विभाग के अनुसार सिकंदरपुर से भीषमपुर बीच चंद्रप्रभा नदी में लगभग दो किलोमीटर तक आधा दर्जन स्थानों पर मगरमच्छों का कुनबा है। मगरमच्छ के हमले में शुक्रवार को हुई चंदन की मौत की घटना ने लोगों को झकझोर दिया है। कई गांवों में तो लोग रतजगा भी कर रहे हैं। चंद्रप्रभा नदी में ठिकाना बनाए मगरमच्छों ने पिछले कुछ वर्षों में कई लोगों की जान ले ली है। पिछले वर्ष छह अक्टूबर को भीषमपुर निवासी जग्गू सोनकर की 45 वर्षीय पत्नी पार्वती सोनकर की मगरमच्छ के हमले में मौत हुई थी। वर्ष 2017 में विजयपुरवा गांव निवासी जीतू साहनी, 2018 में सिकंदरपुर निवासी 19 वर्षीय राहत अली की जान भी मगरमच्छों ने ली। वर्ष 2014 में नदी किनारे शौच करने गए सिकंदरपुर निवासी 48 वर्षीय राज कुमार बिंद को मगरमच्छ ने मौत की नींद सुला दिया था। वन क्षेत्राधिकारी एबी सिंह कहते हैं कि काशी वन्य जीव प्रभाग के चंद्रप्रभा वन्य जीव विहार के चंद्रप्रभा बांध में बड़ी संख्या में मगरमच्छ हैं। इन्हें वन्य जीव संरक्षण अधिनियम 1972 के तहत सुरक्षा प्रदान की गई है। इन्हें बस्ती से दूर करने के इंतजाम किए जाएंगे। लोगों को भी सतर्क रहने की जरूरत है।

आसमान साफ होने से बढ़ने लगा तापमान गर्म और शुष्क हवा का घेरा कायम

वाराणसी । बंगाल की खाड़ी की ओर से आने वाली दक्षिण-पूर्वी नम हवाओं का डेरा बना हुआ है तो बीच-बीच में चली उत्तर से उत्तर-पूर्व दिशा की ओर हवा ने वातावरण का तापमान बढ़ा दिया। हालांकि 1.5 किमी ऊपर पश्चिमोत्तर से आ रही गर्म और शुष्क हवा का घेरा कायम है। इस बीच पूर्वी उत्तर प्रदेश में अभी भी 48 घंटों के अंदर धूल भरी आंधी व कहीं बूंदाबांदी तो कहीं बारिश की संभावना कायम है। नम हवाओं के चलते अधिकतम तापमान रविवार को भी 39 से 40 डिग्री सेल्सियस तथा न्यूनतम तापमान 24-25 के बीच रहने की संभावना है। पृथ्वी की सतह पर कायम है लेकिन एक किमी ऊपर बह रही उत्तर-पश्चिम से आ रही गर्म शुष्क हवा इस पर भारी पड़ गई। इससे शुक्रवार को आसमान साफ हो गया, तिरते बादलों के टुकड़े हवा हो गए और तापमान बढ़ गया। बावजूद इसके मौसम विज्ञानियों का मानना है कि धूल भरी आंधी और बूंदाबांदी होने की आशंका अभी भी गई नहीं है। यदि रात में तापमान घटा तो वातावरण में मौजूद नमी की वजह से फिर से बादल बन सकते हैं और धूल भरी आंधी व बूंदाबांदी हो सकती है। मौसम साफ होने की वजह से शुक्रवार को अधिकतम तापमान में 1.8 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि दर्ज हुई और यह 38.8 पहुंच गया। जबकि न्यूनतम तापमान भी 2.1 डिग्री सेल्सियस बढ़कर 24 डिग्री सेल्सियस जा पहुंचा लेकिन सतह पर बह रही नम हवाओं का असर रहा कि आर्द्रता में भी थोड़ी वृद्धि हुई और यह 34 से 73 फीसद के बीच पहुंच गई। हवा 16 किमी प्रति घंटा के वेग से बहती रही। बीएचयू के विज्ञानी प्रो. मनोज कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि गर्म हवाओं का प्रभावी होना बारिश की उम्मीदों पर झटका है। तापमान बढ़ने से बादल बिखर गए, यदि पुनः आर्द्रता न बढ़ी तो तापमान बढ़ता ही जाएगा। वरिष्ठ मौसम विज्ञानी प्रो. एसएन पांडेय ने कहा कि यदि रात के तापमान में कमी आई तो नमी के संयोग से बादल बन सकते हैं। धूल भरी आंधी भी आ सकती है, अभी भी मौसम में बदलाव की उम्मीद रखी जा सकती है।

अनुपस्थित चार अधिकारियों से स्पष्टीकरण तलब.........

रौनापार (आजमगढ़)। मंडलायुक्त विजय विश्वास पंत और डीआइजी अखिलेश कुमार ने तहसील सगड़ी में शनिवार को आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान कुल चार अधिकारी अनुपस्थित पाए गए, जिसमें उप मुख्य चिकित्साधिकारी, सहायक अभियंता जल निगम, सहायक अभियंता लोक निर्माण विभाग एवं सहायक निदेशक, मत्स्य शामिल हैं। कमिशन्र ने अधिकारियों की अनुपस्थिति पर नाराजगी व्यक्त की। अनुपस्थित अधिकारियों से स्पष्टीकरण तलब करते हुए एक दिन का वेतन बाधित करने का निर्देश दिया। आला अधिकारियों ने प्रशासन व पुलिस के अधिकारियों के साथ कुल 282 मामलों की सुनवाई की। जिसमें राजस्व के 248, गृह विभाग के 18, विकास के दो एवं अन्य विभागों से संबंधित 14 मामले प्रस्तुत किए गए। मौके पर राजस्व के 20 मामलों का निस्तारण किया गया। शेष मामलों को निर्धारित अवधि के अंदर अनिवार्य रूप से निस्तारित किए जाने के निर्देश के साथ संबंधित विभागों को हस्तांतरित किया गया। कमिशन्र ने जनसमस्याओं की सुनवाई में एसडीएम एवं तहसीलदार को निर्देश दिया कि भीषण गर्मी को देखते हुए पेयजल की स्थिति पर विशेष नजर रखी जाए। क्षेत्र में कहीं भी पेयजल की समस्या नहीं होनी चाहिए। पशुओं के पीने योग्य पानी की उपलब्धता भी सुनिश्चित की जाए। कहा कि देवारा क्षेत्र में आगामी बरसात के मौसम को देखते हुए अभी से बाढ़ नियंत्रण एवं बाढ़ राहत संबंधी व्यवस्थाओं का निरंतर जायजा लिया जाए। जहां भी कमी मिले उसको समय से पूरा करें। डीआइजी अखिलेश कुमार ने पुलिस से संबंधित मामलों की सुनवाई करते हुए मौके पर उपस्थित थाना प्रभारियों को निर्देशित किया कि अपने-अपने थाना क्षेत्र के अंतर्गत शांति व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए अवांछनीय तत्वों की निरंतर निगरानी करें और पेट्रोलिग भी लगातार की जाए। किसी भी दशा में शांति व्यवस्था पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ना चाहिए। एसडीएम (ज्वाइंट मजिस्ट्रेट) गौरव कुमार, एडीएम एफआर आजाद भगत सिंह, एसपी ग्रामीण सिद्धार्थ, तहसीलदार अभिषेक सिंह सहित संबंधित अधिकारी थे।

वाराणसी में घाट पर महादीप दान और सूर्य अर्ध्य दान से शुरू हुआ कार्यक्रम निर्मल व अविरल गंगा का संकल्प

वाराणसी। गायत्री तीर्थ शान्तिकुंज हरिद्वार एवं गायत्री परिवार रचनात्मक ट्रस्ट वाराणसी एवं युवा प्रकोष्ठ वाराणसी के संयुक्त संयोजन में महामना पं. मदन मोहन मालवीय द्वारा देखे गए स्वपन की पूर्णाहुति हेतु शनिवार को दो दिवसीय महाद्वीप दान व महा सूर्य अर्घ्यदान कार्यक्रम का शुभारम्भ बीएचयू के मालवीय भवन में महामना के मूर्ति पर संयोजक पं. गंगाधर उपाध्याय व शारदा त्रिवेदी ने माल्यार्पण कर किया। जिसके बाद राजघाट पर शाम 6:30 बजे से विराट जन जागरण दीप महायज्ञ का आयोजन शुरू हुआ। इस दौरान अखिल विश्व गायत्री परिवार युवा प्रकोष्ठ के प्रभारी एवं देव संस्कृति विश्वविद्यालय (हरिद्वार) के कुलपति चिन्मय पाण्ड्या, भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष लक्ष्मण आचार्य और कांग्रेसी नेता अजय राय का माल्यार्पण कर स्वागत किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ दीप प्रज्वलन एवं गायत्री महामंत्र के स्वर उच्चारण के साथ शुरू हुआ। राजघाट पर उपस्थित विशाल जनसमूह को सम्बोधित करते हुए चिन्मय पाण्ड्या ने कहा कि पूज्य गुरुदेव महामना जी के द्वारा देखे गये स्वपन को पूर्ण करने हेतु आप सभी लोगों का सक्रिय सहयोग हेतु गायत्री परिवार आभारी है। सारी दुनिया युद्ध एवं आतंक की समस्या से जुझ रही है। साथ ही व्यक्ति, समाज एवं परिवार तीनों स्तर पर मानसिक विसंगतियों ने मनुष्य के सामने एक बड़ी चुनौती खड़ी कर दी है। ऐसे समय में एक विचार क्रान्ति की सर्वाधिक आवश्यकता है। परम पूज्य गुरुदेव पं. श्रीराम शर्मा विचार क्रान्ति अभियान के माध्यम से सुख, शान्ति एवं समाधान पूर्वक रहने का तरिका सीखा जा सकता। हमारी संस्कृति में वसुधैव कुटुम्बकम का महान संदेश ऋषियों ने प्रदान किया है। जो इस समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। महामना मालवीय जी का यह संकल्प था कि दस हजार युवा गायत्री महामंत्र की संध्या करते हुए भगवान सूर्य को गंगा की पावन तट पर अर्घ्यदान करें। इस संकल्प की पूर्ति एवं मां गंगा की अविरलता का संकल्प जगाने हेतु अखिल विश्व गायत्री परिवार शान्तिकुंज हरिद्वार के तत्वावधान व गायत्री परिवार वाराणसी के द्वारा इस कार्यक्रम का आयोजन पूण्य भूमि काशी में किया गया है। जिसमें समूचे गायत्री परिवार का सार्थक सहयोग अपेक्षित है। चिन्मय पाण्ड्या ने आगे कहा कि गायत्री तीर्थ स्थान हरिद्वार द्वारा वर्ष 2011 से निर्मल गंगा जन अभियान के माध्यम से गोमुख से गंगा सागर तक मां गंगा की निर्मलता एवं अविरलता को अक्षुण्य बनाये रखने हेतु जन जन की भागीदारी से अभियान चलाया जा रहा है। वहीं शाम होने के बाद जब राजघाट पर लाखों दीपक साथ टीम टीम आने शुरू हुए तो घाट की आभा देखते बन रही थी। आयोजक समिति ने बताया कि रविवार की सुबह सूयीदय के दौरान काशी के गंगा घाटों पर महा अर्घ्यदान किया जायेगा। कार्यक्रम का संचालन संयोजक पं. गंगाधर उपाध्याय एवं आध्यात्मिक संदेश वाहक अनिलेश तिवारी ने किया। इस दौरान मुख्य रूप से केदार प्रसाद दुबे, बागीश दत्त मिश्र, आशीष सिंह, नरेन्द्र ठाकुर, रामावतार पार्टीदार, किशन जायसवाल, सुरेश सिंह यादव, बेचू लाल, आदित्य पाण्डेय के अलावा कई समितियों के लोग शामिल थें।

भूख से नहीं तड़पेंगे गोवंश स्थापित किए जाएंगे भूसा बैंक

बलिया । निराश्रित गोवंशों के लिए स्थापित गो-आश्रय केंद्रों में चारे की कमी की समस्या दूर करने के लिए सरकार ने नई पहल शुरू की है। इसके तहत ब्लाकवार पंचायत स्तर पर भूसा बैंक स्थापित किए जाएंगे। अधिकारी किसानों से भूसा दान करने की अपील करेंगे। पशुपालन निदेशालय के निर्देश के बाद विभाग ने प्रस्ताव तैयार किया है। इसके अलावा पशुपालन विभाग भूसा खरीद के लिए टेंडर निकालेगा। इस प्रक्रिया के तहत सालभर के लिए भूसा का भंडारण किया जाएगा। इस कार्य में ग्राम पंचायत प्रतिनिधियों का सहयोग लिया जाएगा। जनपद में 28 गोआश्रय केंद्र हैं। इसमें दो जिगिरसड़ व बछईपुर में दो वृहद गो आश्रय केंद्र स्थापित किए गए हैं। 16 अस्थायी केंद्र हैं। इसके अलावा नगर पालिका एवं नगर पंचायत स्तर पर केंद्र बनाए गए हैं। इनमें लगभग 1500 निराश्रित पशु हैं। इस समय सरकार की ओर से एक गोवंश के भरण-पोषण के लिए रोजाना 30 रुपये मिलते हैं। भूसा बैंक के लिए पंचायत स्तर पर भवन चिन्हित करने के लिए ग्राम प्रधानों को जिम्मेदारी दी जाएगी। इसकी देखरेख भी वहीं करेंगे। अधिकारियों के साथ वे भी स्वैच्छिक भूसा दान के लिए किसानों एवं ग्रामीणों से वार्ता करेंगे। गो-आश्रय केंद्रों में चारे की कमी दूर करने के लिए शासन की मंशा के अनुरूप कार्य योजना तैयार की गई है। ग्राम पंचायत प्रतिनिधियों से बातचीत की जा रही है। साथ ही ई-टेंडरिग की प्रक्रिया भी जारी है। इस कवायद से गोशालाओं में भरपूर भूसा उपलब्ध होगा।--संजय कुमार श्रीवास्तव, मुख्य पशु चिकित्साधिकारी।

सम्पादकीय

नए सीडीएस की नियुक्ति में जितनी देरी होगी, सैन्य सुधारों का काम उतना ही टलता जाएगा

देश के पहले चीफ आफ डिफेंस जनरल बिपिन रावत के असामयिक निधन को काफी समय गुजर गया। उनके स्थान पर सरकार ने अभी तक नए सीडीएस की नियुक्ति नहीं की है। इससे सामरिक सुधारों की रफ्तार और सैन्य एकीकरण की प्रक्रिया शिथिल पड़ गई है। वह भी तब जबकि रूस-यूक्रेन युद्ध और बदलते वैश्विक समीकरणों में यह और अधिक आवश्यक हो गया है। इसलिए सरकार को नए सीडीएस की नियुक्ति में विलंब नहीं करना चाहिए। हाल में सेना प्रमुख के पद से सेवानिवृत्त हुए जनरल मनोज मुकंद नरवणे इस दायित्व के लिए उपयुक्त हो सकते हैं। उन्होंने लद्दाख में चीनी सेना का अतिक्रमण रोकने एवं उसे करारा जवाब देकर अपनी नेतृत्व क्षमता का परिचय दिया। इसी प्रकार सैन्य कूटनीति में भी अपनी क्षमताएं सिद्ध कीं। ऐसे में अनुभव और क्षमता के लिहाज से वह एक कामयाब सीडीएस साबित हो सकते हैं। रूस-यूक्रेन युद्ध ने भविष्य के युद्धों में आर्थिक हितों पर आघात, बैंकिंग सिस्टम पर प्रतिबंध, सूचना प्रणाली पर साइबर हमलों, अंतरिक्ष क्षेत्र में प्रभुत्व को युद्ध संचालन नीति के आवश्यक अंगों के रूप में नए सिरे से रेखांकित किया है। जिस प्रकार ड्रोन एवं मिसाइल के द्वारा महत्वपूर्ण संस्थानों तथा धीमी गति से चलने वाले बड़े आकार के टैंक, आर्टिलरी गन, हेलीकाप्टर, युद्धक विमानों, गोला बारूद, हथियारों, रसद आपूर्ति तथा स्वास्थ्य सेवा पर आक्रमण द्वारा उन्हें निष्क्रिय किया गया, वह भी एक गंभीर चिंता का विषय है। अब यह निश्चित है कि भविष्य के युद्ध अतीत में लड़े गए युद्धों के अनुभवों और संरचनाओं के आधार पर नहीं लड़े जा सकते। भविष्य के युद्ध संचालन साइबर खतरों, अंतरिक्ष, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मानव रहित रोबोटिक प्रणाली और जैविक युद्ध के खिलाफ प्रतिरोध तथा त्वरित कार्रवाई हेतु क्षमता पर आधारित होंगे। हमारे समक्ष कहीं बड़ी चुनौतियां हैं। हिंद प्रशांत क्षेत्र, दक्षिण एशिया और पड़ोस में चीन की बढ़ती आक्रामक आर्थिक एवं विस्तारवादी गतिविधियों से उपजे प्रशन भी नए सीडीएस के लिए विषम चुनौतियों से कम नहीं होंगे। चीन, पाकिस्तान और तालिबान का संभावित गठजोड़ भी हमारे सुरक्षा तंत्र के लिए गंभीर चुनौती के रूप में उभरा है। सीडीएस के समक्ष सैन्य, नागरिक एवं सैन्य तकनीकी प्रयासों के एकीकरण और आंतरिक और बाहरी सुरक्षा के बीच एक सहजीवी संबंध बनाने के लिए तीनों सेनाओं के बीच जुड़ाव एवं आधुनिक युद्ध संचालन प्रणाली को समयबद्ध तरीके से मूर्त रूप देने की जिम्मेदारी होगी। बेहतर होगा कि यह काम 2023 तक संपन्न हो जाए। सैन्य संचालन और निर्णायक बढ़त के लिए शक्तिशाली वायु सेना अति महत्वपूर्ण है। इसी प्रकार सामुद्रिक खतरों से मुकाबला शक्तिशाली नौ सेना द्वारा ही संभव है। वहीं थल सेना को जमीन से प्रतिरोधक क्षमता प्रदान करनी होगी। ऐसे में उनके बीच सही तालमेल जरूरी होगा। ऐसा एकीकरण सुनिश्चित करते हुए नए सीडीएस को तीनों सेनाओं की विशिष्टताओं और उनकी स्वायत्तता को भी अक्षुण्ण रखना होगा। संयुक्त थिएटर कमान का निर्माण सेना के युद्ध संचालन की एकीकरण प्रक्रिया का अति महत्वपूर्ण अंग है। अमेरिका, रूस और चीन जैसी दुनिया की प्रमुख सेनाओं ने संयुक्त थिएटर कमान और एकीकृत बैटल ग्रुप प्रणाली को पहले से ही अपना लिया है। चूंकि भारत ने इस आधुनिक युद्धक प्रणाली को अपनाने में देर कर दी है, इसलिए उसे अपनी रफ्तार बढ़ानी होगी। संयुक्त थिएटर कमान के निर्माण से सेना की प्रभावशीलता में दूरगामी एवं बहुआयामी परिवर्तन होंगे। नए सीडीएस को यह भी देखना होगा कि सैन्य एकीकरण की यह प्रक्रिया सुरक्षा तंत्र का सुगम परिचालन करे। एकीकृत बैटल ग्रुप में एक ही कमांडर के अंतर्गत थल सेना, वायु सेना और नौ सेना के आवश्यक संसाधन त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई के लिए उपलब्ध होंगे। भारत में जमीन पर दो से तीन इंटीग्रेटेड थिएटर कमांड (आइटीसी), एक मैरीटाइम थिएटर कमांड (एमटीसी) और एक नेशनल इंटीग्रेटेड एयर डिफेंस कमांड (एडीसी) हो सकती हैं। इनके अतिरिक्त साइबर, परमाणु, जैविक तथा अंतरिक्ष के मोर्चे पर संभावित खतरों से निपटने के लिए भी विशिष्ट एकीकृत कमान का गठन किया जाना आवश्यक है। इस बीच हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि सरकार की कार्य आवंटन तथा निष्पादन नियमावली, 1961 में राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति से संबंधित दिशानिर्देशों में स्पष्टता का अभाव है। इसलिए सरकार को रक्षा सुधारों और रक्षा क्षेत्र में संभावित परिवर्तन के राष्ट्रीय मिशन को सटीक बनाने हेतु सीडीएस एवं सैन्य मामलों के विभाग की राष्ट्रीय सुरक्षा नीति में प्रमुख भूमिका को स्पष्ट रूप से परिभाषित करना नितांत आवश्यक है। इससे सामरिक ढांचे को और सक्षम बनाने में सहायता मिलेगी। रक्षा कवच में रणनीति की भी अहम भूमिका होती है। इसके लिए तीनों सेनाओं के अपने थिंक टैंक हैं। वहीं एकीकृत रक्षा स्टाफ (आइडीएस) में तीनों सेनाओं से संबंधित थिंक टैंक है। इसके अलावा, ऐसे कई समकालीन थिंक-टैंक हैं, जिनके पास जबरदस्त विश्लेषणात्मक क्षमता तथा अनुभव है, जिनका उपयोग समय-समय पर तीनों सेनाओं के सामूहिक संचालन की कार्यप्रणाली और एकीकरण को बढ़ावा देने के लिए किया जाना चाहिए।

पटरी पर लौटती अर्थव्यवस्था के लिए समस्या बन रहा बिजली संकट

इन दिनों देश मांग अनुरूप बिजली आपूर्ति के मोर्चे पर गंभीर चुनौतियों का सामना कर रहा है। माना जा रहा है कि सरकार की तमाम कोशिशों के बावजूद जुलाई तक लोगों को बिजली कटौती से मुक्ति नहीं मिलेगी। देश में बीते 26 अप्रैल को बिजली की मांग 201 गीगावाट तक पहुंच गई थी। जून-जुलाई तक इसके बढ़कर करीब 220 गीगावाट हो जाने का अनुमान है। देश में बिजली की वर्तमान कमी कोई इस वजह से नहीं है कि यहां बिजली उत्पादन क्षमता हमारी जरूरत के मुकाबले कम है। केंद्रीय ऊर्जा मंत्रलय के अनुसार देश में बिजली उत्पादन की स्थापित क्षमता 400 गीगावाट की है। स्पष्ट है कि अभी भी बिजली की अधिकतम मांग बिजली उत्पादन की स्थापित क्षमता से 50 प्रतिशत ही है। ऐसे में प्रशन उठता है कि फिर देश में बिजली का संकट क्यों है संकट का मूल कारण : हमारी जरूरत की अधिकांश बिजली का उत्पादन कोयला आधारित बिजली संयंत्रों से होता है। इसमें पूरक तौर पर नाभिकीय, गैस और अक्षय ऊर्जा की भी मदद ली जाती है। देश में बिजली संकट का असली कारण तापीय बिजली घरों में कोयले की कमी होना और मांग बढ़ना है। हालांकि कोयला उत्पादन करने के मामले में भारत दुनिया में दूसरे नंबर पर है। दुनिया का पांचवां सबसे बड़ा कोयले का भंडार भारत में है। इसके बावजूद उन्हें जरूरत के अनुसार कोयला क्यों नहीं मिल पा रहा? सेंट्रल इलेक्टिसिटी अथारिटी की रिपोर्ट के अनुसार इस समय देश में 173 तापीय बिजली संयंत्रों में से 108 में कोयले का स्टाक अत्यंत कम है। इनमें कोयले का कुल औसत भंडार निर्धारित मानक के 25 प्रतिशत से भी नीचे है। पिछले वर्ष अक्तूबर में भी इन संयंत्रों में कोयले की कमी हो गई थी, परंतु लगता है कि तब स्थिति को गंभीरता से नहीं लिया गया। देश के प्रमुख तापीय बिजली संयंत्रों की अगर बात करें तो इनमें से राजस्थान के सात में से छह, बंगाल के सभी छह, उत्तर प्रदेश के चार में से तीन, मध्य प्रदेश के चार में से तीन, महाराष्ट्र के सभी सात, आंध्र प्रदेश के सभी तीन संयंत्रों में कोयले का स्टाक बेहद निमन स्तर पर पहुंच गया है। इन बिजली घरों का कहना है कि उन्हें कोयला मिलने में देरी हो रही है। बिजली घरों में कोयले की कमी को कुछ उदाहरणों से समझ सकते हैं। जैसे कि पांच मई की सूचना अनुसार मध्य प्रदेश की सबसे बड़ी 2,520 मेगावाट क्षमता की संत सिंगाजी थर्मल पावर प्लांट में केवल ढाई दिन का कोयला बचा था। तब वहां एक लाख दो हजार मीटिक टन कोयला था। उसे हर दिन कोयला की आठ से 10 रैक आपूर्ति हो रही थी, जो कि उसकी जरूरत से काफी कम है। इसी तरह संजय गांधी थर्मल पावर प्लांट में केवल 28.9 हजार टन कोयले का स्टाक था, जो कि मुश्किल से केवल एक दिन के लिए ही पर्याप्त था। वास्तव में मध्य प्रदेश को प्रतिदिन 80 हजार टन कोयले की जरूरत है, लेकिन अभी उतनी आपूर्ति नहीं हो पा रही है। ऐसे में अगर रेलवे से एक दिन भी आपूर्ति बाधित हुई तो प्रदेश की समस्या का अंदाजा लगा सकते हैं। झारखंड के प्रमुख तेनुघाट थर्मल पावर प्लांट में केवल दो दिन का ही कोयला था। उस दिन यही स्थिति अन्य संयंत्रों में थी। कोयले की कमी की वजह : इस वर्ष अंतरराष्ट्रीय बाजार में कोयले की कीमतों में अप्रत्याशित वृद्धि हुई है। इसका असर देश में कोयले के आयात पर पड़ रहा है। इसके चलते आयातित कोयले पर निर्भर कुछ बिजली घरों का उत्पादन प्रभावित हुआ है। भारत के तटीय इलाकों में स्थित बिजली संयंत्र आयात किए गए कोयले से चलते हैं। कोयले के दाम बढ़ जाने से इनमें से कई संयंत्र बंद हो रहे हैं। उदाहरण के लिए गुजरात के तट पर अदाणी और टाटा के दो संयंत्र भारत की कुल ऊर्जा जरूरत के पांच प्रतिशत तक का उत्पादन कर सकते हैं, लेकिन महंगे कोयले के कारण ये बंद हैं। भारत में आयात किए गए कोयले से चलने वाले संयंत्रों की क्षमता 16.2 गीगावाट है। वित्त वर्ष 2020-21 में ये संयंत्र अपनी क्षमता का 54 प्रतिशत बिजली उत्पादन कर रहे थे, जो अब और घट गया है। कोल इंडिया की जिम्मेदारी हमारे देश की कोयला खदानों को ज्यादातर या तो कोल इंडिया चलाती है या फिर कोल इंडिया द्वारा निजी कंपनियों को लीज पर दी जाती है। भारत के पास कोयले के पर्याप्त प्राकृतिक भंडार हैं। ऐसे में कह सकते हैं कि मौजूदा कोयला संकट प्राकृतिक नहीं, बल्कि लापरवाही का भी नतीजा है। यही कारण है कि पर्याप्त कोयला भंडार के बावजूद खदानों में कोयले का खनन किया जा रहा है। कई बार पुरानी खदानों से पूरा कोयला नहीं निकल पाता है। इसका मुख्य कारण यह है कि खनन कंपनियां लक्ष्य पूरा करने के लिए खनन तो कर लेती हैं, लेकिन खदानों को सुरक्षित करने के लिए कदम नहीं उठातीं। ऐसे में जब खदानों में कोई हादसा हो जाता है तो उससे उत्पादन प्रभावित होता है और फिर से खनन शुरू करने में समय लग जाता है। वर्षा होने की वजह से खदानें धंस जाने से भी उत्पादन पर प्रभाव पड़ता है। इसलिए आवश्यक है कि कोयला खदान कंपनियों को आधुनिक टेकनेलाजी प्रयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया जाए। घरेलू कोयले में आयातित कोयले का मिश्रण : केंद्र सरकार ने राज्यों से कहा है कि वे अपने बिजली घरों के लिए विदेशी कोयले के आयात की व्यवस्था करें। आयातित कोयले को 10 फीसद तक के अनुपात में घरेलू कोयले के साथ मिलाकर प्रयोग करें। अंतरराष्ट्रीय बाजारों में कोयले की कीमत काफी बढ़ गई है। वहीं तेल की कीमतें भी कई गुना बढ़ गई हैं। ऐसे में 10 प्रतिशत आयातित कोयले के परिवहन लागत में भी वृद्धि हो जाएगी। इससे बिजली बनाने की लागत भी बढ़ जाएगी। अंततः राज्यों तथा उनके बिजली उपभोक्ताओं को ही इसका बोझ उठाना पड़ेगा। अगर लागत में इस वृद्धि का पूरा बोझ उपभोक्ताओं पर नहीं डाला गया तो राज्य सरकारों को अपने राजस्व का एक बड़ा हिस्सा इस पर खर्च करना होगा। इस तरह वर्तमान बिजली संकट का समाधान मूलतः घरेलू उत्पादन में वृद्धि तथा रेलवे रैक की विस्तृत उपलब्धता में भी समाहित है। अर्थव्यवस्था पर प्रभाव : अब भारतीय अर्थव्यवस्था फिर से रिकवरी की ओर अग्रसर है, लेकिन इस बिजली संकट से भारतीय उद्योगों विशेषकर लघु उद्योगों को भी काफी नुकसान की संभावना है। बिजली आपूर्ति के कारण उनका उत्पादन प्रभावित हो रहा है। साथ ही यह नहीं भूलना चाहिए कि हमारे उद्योगों को भी कच्चे माल के रूप में कोयले की आवश्यकता होती है, जो अभी नहीं मिल पा रहा है। ऐसे में इन उद्योगों से जुड़े लोगों के बेरोजगार होने की आशंका बढ़ गई है। इसलिए इस समस्या का शीघ्र समाधान आवश्यक है। स्पाट मार्केट यानी हाजिर बाजार में बिजली की ऊंची कीमत : बिजली की आपूर्ति की तंगी की एक और समस्या यह है कि जब बिजली की मांग अपने शिखर पर पहुंचती है, स्पाट बाजार में बिजली की कीमतें बहुत ऊपर चढ़ जाती हैं। ऐसे में राज्यों के समक्ष स्थिति दुविधापूर्ण हो जाती है। उनके पास दो ही विकल्प बचते हैं-या तो बिजली कटौती जनता पर थोपें या फिर अत्यंत ऊंची दर पर बिजली खरीद कर कमी पूरी करें। कुछ राज्य तो इस समय 12 से 20 रुपये प्रति यूनिट बिजली खरीदने के लिए बाध्य हैं। इसके चलते राज्यों को भारी घाटा उठाना पड़ रहा है, जबकि मुट्ठी भर बिजली व्यापारी मुनाफा कमा रहे हैं। स्पष्ट है कि मौजूदा बिजली संकट मूलतः विभिनन हितधारकों के बीच समन्वय की कमी का नतीजा है। यही कारण है कि 400 गीगावाट की स्थापित बिजली क्षमता होते हुए भी, इससे आधी मांग पूरी करना संभव नहीं हो पा रहा। जिन पर बिजली आपूर्ति करने की जिम्मेदारी है, उनके पास बिजली उत्पादन की बहुत थोड़ी ही क्षमता है। भारत अपनी करीब 140 करोड़ की आबादी की ऊर्जा जरूरतें कैसे पूरी करे? भारी प्रदूषण करने वाले कोयले पर निर्भरता को कैसे कम करे? ग्लोबल वार्मिंग की बढ़ती समस्या के चलते हाल के वर्षों में इन सवालों की चर्चा तेज हुई है। हमारी बिजली का एक बड़ा हिस्सा कोयला आधारित तापीय बिजली संयंत्रों से आता है। अभी हम ऐसी स्थिति में नहीं पहुंचे हैं, जहां कोयले का कोई प्रभावी विकल्प ढूंढ़ सकें। ऐसे में भारत के लिए वर्तमान बिजली संकट एक चेतावनी है। हमें संभलना होगा। इसके दीर्घकालिक समाधान के लिए भारत को कोयले और स्वच्छ ऊर्जा के सन्तों को अपनाने की मिश्रित नीति पर चलना चाहिए। हालांकि पूरी तरह अक्षय ऊर्जा पर शिफ्ट हो जाना संभव भी नहीं है और बिना किसी ठोस बैकअप के 100 प्रतिशत अक्षय ऊर्जा पर निर्भर हो जाना सही रणनीति भी नहीं होगी। ऐसे में देश में कोयला आपूर्तिकर्ता कोल इंडिया और दूसरे हितधारकों के बीच बेहतर समन्वय बनाएं जाने की जरूरत है। अंतिम स्तर तक कोयले की आसानी से डिलीवरी और बिजली कंपनियों की जिम्मेदारी सुनिश्चित की जानी चाहिए। फिलहाल केंद्र सरकार ने कहा है कि वह कोल इंडिया के साथ मिलकर कोयले का उत्पादन बढ़ाने और अधिक खनन करने पर काम कर रही है, ताकि आपूर्ति और खपत के बीच अंतर को कम किया जा सके। सरकार को बंधक खदानों से कोयला हासिल करने की भी उम्मीद है। ये वे खदानें हैं, जो कंपनियों के नियंत्रण में होती हैं। भारत अल्पकालिक उपायों से किसी तरह मौजूदा बिजली संकट से तो निपट सकता है, लेकिन देश की बढ़ती ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए दीर्घकालिक विकल्पों में निवेश करने की दिशा में काम करना होगा।

परिसीमन के बाद जम्मू-कश्मीर में चुनाव की तैयारी के साथ पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर को भूला नहीं जाना चाहिए

जस्टिस रंजना प्रकाश देसाई की अध्यक्षता वाले परिसीमन आयोग ने जम्मू-कश्मीर के परिसीमन को लेकर अपनी अंतिम रिपोर्ट दे दी। इस रपट के अनुसार अब जम्मू-कश्मीर में 87 के बजाय 90 विधानसभा सीटें होंगी। इनमें 43 जम्मू क्षेत्र में और 47 सीटें कश्मीर में होंगी। इन सीटों में से अनुसूचित जनजातियों के लिए 9 सीटें आरक्षित की गई हैं। आयोग ने एक महिला सहित कश्मीर घाटी के दो विस्थापितों के मनोनयन की सिफारिश भी की है। इसी प्रकार पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर (पीओजेके) के विस्थापितों के मनोनयन की भी सिफारिश की है, लेकिन उनकी संख्या स्पष्ट नहीं। जो भी हो, यह सराहनीय है। उल्लेखनीय है कि जम्मू-कश्मीर विधानसभा में पाकिस्तान के कब्जे वाले भारतीय भूभाग की 24 सीटों को खाली छोड़ा जाता रहा है। यह उचित अवसर था कि उस क्षेत्र से खदेड़े गए लोगों और उनके वंशजों के लिए 24 में से कम से कम आधी सीटें आवंटित कर दी जातीं। कश्मीर घाटी के साथ गुलाम कश्मीर के विस्थापितों के लिए सीटें आरक्षित करना इसलिए जरूरी था, क्योंकि इससे ही उनके दुख-दर्द, समस्याओं और मुद्दों की ओर देश-दुनिया का ध्यान आकर्षित हो सकेगा। जम्मू-कश्मीर को लेकर गठित परिसीमन आयोग की रपट एक ऐसे समय सामने आई है, जब जम्मू-कश्मीर पीपुल्स फोरम द्वारा जम्मू में श्रद्धांजलि एवं पुण्यभूमि स्मरण जनसभा का आयोजन किया जा रहा है। इसका उद्देश्य पीओजेके के विस्थापितों की ओर से अपने पूर्वजों के त्याग और बलिदान का स्मरण करना है। इस कार्यक्रम का एक अन्य उद्देश्य पाकिस्तान, चीन और दुनिया को यह संदेश देना है कि प्रत्येक भारतीय पीओजेके के विस्थापितों के बलिदान और दुख-दर्द से अनजान नहीं है। पाक के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर के प्रमुख क्षेत्र मीरपुर, भिंबर, कोटली, पुलंदरी, रावलकोट, मुजफ्फराबाद, पुंछ,

गिलगित और बाल्टिस्तान आदि हैं। मां शारदा पीठ, मां मंगला देवी मंदिर और गुरु हरगोविंद सिंह गुरुद्वारा जैसे अनेक पवित्र स्थल भी पाकिस्तान के अवैध कब्जे में हैं। पीओजेके वासियों की भाषा, खान-पान, वेशभूषा और संस्कृति-प्रकृति पाकिस्तानी से अधिक भारतीय है। यह क्षेत्र न केवल भू-रणनीतिक दृष्टि से, बल्कि प्राकृतिक संसाधनों और सांस्कृतिक समृद्धि के कारण भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। आज वहां शिया मुसलमान बड़ी संख्या में बसते हैं। आजादी के समय हिंदू और सिख भी काफी संख्या में रहते थे। एक समय जितने अत्याचार हिंदू और सिखों पर हुए, लगभग उतने ही आज वहां के शिया मुसलामानों पर हो रहे हैं। इसके बारे में अमजद अयूब, शब्बीर चौधरी, जमील मकसूद, मंजूर अहमद पश्तीन, आरिफ अजाकिया, हाजी सैय्यद सलमान चिश्ती, जफर चौधरी और जावेद राही जैसे साहसी लोग अलग-अलग मंचों से लगातार पीओजेके के पीड़ितों की आवाज मुखर कर रहे हैं। उनकी आवाज सुनी जानी चाहिए। मानवाधिकारों का उल्लंघन, लोकतंत्र का पददलन, पाकिस्तानी सेना की देखरेख में फल-फूल रहे आतंकी संगठन और नशीले पदार्थों की खेती और तस्करी, पाकिस्तान के सिंधी-पंजाबी मुस्लिम समुदाय को बसाकर किए जा रहे जनसांख्यिकीय परिवर्तन, मंदिरों एवं गुरुद्वारों को ढहाने, मूतिर्यों को क्षतिग्रस्त करने आदि के किस्से पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर का रोजनामचा हैं। यह सब सह रहे लोगों का अपराध यह है कि वे महाराजा हरी सिंह द्वारा हस्ताक्षरित 26 अक्टूबर, 1947 के अधिमिलन-पत्र के अनुसार भारतीय गणराज्य का हिस्सा होना चाहते हैं और सुख-शांति चाहते हैं, जो वहां कभी मयस्सर नहीं होगी। वर्तमान केंद्र सरकार ने जम्मू-कश्मीर समस्या के समाधान की दिशा में दृढ़ इच्छाशक्ति का परिचय दिया है। उसने पीओजेके विस्थापितों के प्रति पूरी संवेदनशीलता, सहानुभूति और सदाशयता दिखाते हुए दो हजार करोड़ रुपये के राहत पैकेज के साथ कुछ योजनाओं की शुरुआत की है, लेकिन इस राहत पैकेज में जम्मू-कश्मीर के बाहर बसे विस्थापितों को भी शामिल किया जाता तो बेहतर होता। ध्यान रहे कि जम्मू-कश्मीर की तत्कालीन सरकार की सांप्रदायिक नीति और उपेक्षापूर्ण रवैये के कारण तमाम विस्थापितों को दूसरे राज्यों में शरण लेनी पड़ी। हालांकि कश्मीर घाटी के विस्थापितों के लिए भी पैकेज दिए गए हैं, लेकिन राहत योजनाओं का दायरा बढ़ाए जाने की आवश्यकता है। नागरिकता (संशोधन) अधिनियम, 2019 ऐसी ही एक उल्लेखनीय राहत योजना है। कश्मीर घाटी के विस्थापितों के लिए देश के विभिनन शिक्षण संस्थानों और सरकारी सेवाओं में प्रवेश हेतु विशेष प्रविधान किए गए हैं। इसके दायरे में पीओजेके विस्थापितों को भी शामिल करने की आवश्यकता है। जिस भारत का नागरिक होने की वजह से पीओजेके से विस्थापितों के पूर्वजों को असहनीय अत्याचार और प्रताड?ा सहनी पड़ी, उस भारत की सरकार और नागरिक समाज को एकजुट होकर उनके साथ खड़े होने और उनके आंसू पोंछने की जरूरत है। यहां बसने और काम-धंधा शुरू करने वाले देशवासियों को बसाने के लिए भूमि अधिगृहीत की जानी चाहिए। प्रवासी श्रमिकों और उद्यमियों के लिए सस्ते दाम पर आवासीय और व्यावसायिक भूखंड, आसान कर्ज, ब्याज दर में सब्सिडी, शस्त्र लाइसेंस और शस्त्र आदि की उपलब्धता भी सुनिश्चित करनी चाहिए। ये लोग आतंकवाद से निपटने और खोई हुई भूमि को पाने में सेना और स्थानीय समाज के साथ प्रभावी भूमिका निभा सकेंगे। दहशतगर्दी के वर्चस्व को समाप्त करने की दिशा में ये उपाय प्रभावी साबित होंगे। आतंकवाद के शिकार निर्दोष नागरिकों को बलिदानी का दर्जा और उनके परिजनों को आर्थिक, सामाजिक और शारीरिक सुरक्षा देकर आतंकवाद से निडरतापूर्वक लड? वाला नागरिक समाज तैयार किया जा सकता है। सामाजिक संकल्प और संगठन के सामने मुट्ठी भर भाड़े के आतंकी भला कब तक ठहर पाएंगे मान केंद्र सरकार ने 22 फरवरी, 1994 के भारतीय संसद के संकल्प की पृष्ठभूमि में अनुच्छेद 370 और 35 ए को निष्प्रभावी करते हुए जम्मू-कश्मीर के पूर्ण विलय की दिशा में बड़ी पहल की। परिसीमन के बाद जम्मू-कश्मीर में चुनाव की तैयारियों के बीच इस संकल्प की सिद्धि की दिशा में भी सक्रिय रहा जाना चाहिए।

नोएडा की सीईओ को हिरासत में लेकर इलाहाबाद उच्च न्यायालय मे पेश करने का आदेश

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ला)

नोएडा। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने भूमि अधिग्रहण से जुड़े अवमानना के एक मामले में नोएडा की मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) रितु महेश्वरी के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी किया है। कोर्ट ने अगली सुनवाई पर सीईओ को पुलिस हिरासत में पेश

करने का निर्देश दिया है। साथ ही गौतमबुद्ध नगर के सीजेएम को वारंट भेजकर उसका तामिला कराने का निर्देश दिया है। यह आदेश न्यायमूर्ति सरल श्रीवास्तव ने मनोरमा कुच्छल की अवमानना याचिका पर सुनवाई करते हुए दिया है। कोर्ट ने टिप्पणी की कि क्या सीईओ की मर्जी से चलेगा न्यायालय। नोएडा की सीईओ को आदेश दिया गया था कि वह दस बजे कोर्ट में हाजिर होंगी। इसके बावजूद उन्होंने एक ऐसी फ्लाइट चुनी जो दिल्ली से साढ़े दस बजे उड़ान भरेगी। यह बेहद अशोभनीय है। क्या न्यायालय उनकी सुविधा के हिसाब से काम करेगा। एक संस्थान का मुख्य कार्यपालक अधिकारी स्तर का अफसर यह चाहता है कि उसकी मर्जी के हिसाब से मुकदमे में सुनवाई की जाए। कोर्ट ने गत 28 अप्रैल के आदेश में रितु महेश्वरी से चार मई की सुनवाई में हाजिर रहने को कहा था। उस दिन भी रितु महेश्वरी हाजिर नहीं हुई थीं। गत दिवस मामले की सुनवाई शुरू हुई तो नोएडा के वकील ने कोर्ट को बताया कि रितु महेश्वरी हवाई जहाज से आ रही हैं। उनकी फ्लाइट साढ़े दस बजे दिल्ली से उड़ान भरेगी। कोर्ट ने टिप्पणी की कि उन्हें दस बजे न्यायालय में हाजिर हो जाना चाहिए था। यह नोएडा की सीईओ का अनुचित कामकाज और व्यवहार है। यह कोर्ट की अवमानना के दायरे में आता है। सीईओ ने जानबूझकर न्यायालय की अवमानना की है। नोएडा ने अवैधानिक रूप से याची की जमीन पर कब्जा कर लिया। उसे मुआवजे के तौर पर एक पैसा नहीं दिया गया। याची एक के बाद एक लगातार कोर्ट के सामने अपना हक मांग रहा है। नोएडा की सीईओ के खिलाफ अवमानना प्रक्रिया शुरू हुई। इसके बावजूद वह हाजिर नहीं हुईं। उनकी ओर से कहा जाता है कि वह जब तक नहीं आ जाती हैं, तब तक मामले में सुनवाई न की जाए। कोर्ट मानती है कि नोएडा की सीईओ का यह व्यवहार जानबूझकर न्यायालय का असम्मान करना है। एक संस्थान का मुख्य कार्यपालक अधिकारी स्तर का अफ़सर यह चाहता है कि उसकी मर्जी के हिसाब से मुकदमे में सुनवाई की जाए। कोर्ट ने नाराजगी जताते हुए कहा नोएडा विकास प्राधिकरण ने वर्ष 1990 में याची की जमीन का अधिग्रहण किया था। अधिग्रहण के लिए उचित प्रक्रिया और कानून का पालन नहीं किया गया। प्राधिकरण ने तब भी याची की जमीन को अपने कब्जे में ले लिया था। उस पर निर्माण भी कर दिया गया है। यह पूरी तरह अवैधानिक है। याची को उसकी जमीन का उचित मुआवजा दिए बिना संपत्ति में बदलाव कर देना अवैधानिक है। नोएडा की सीईओ रितु महेश्वरी के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी करने का यह पर्याप्त आधार है। मामले पर अगली सुनवाई 13 मई को होगी। नोएडा के सेक्टर-82 में अथॉरिटी ने 30 नवंबर 1989 और 16 जून 1990 को अर्जेंसी क्लॉज के तहत भूमि अधिग्रहण किया था। जिसे जमीन की मालकिन मनोरमा कुच्छल ने चुनौती दी थी। वर्ष 1990 में मनोरमा की याचिकाओं पर इलाहाबाद हाईकोर्ट ने 19 दिसंबर 2016 को फैसला सुनाया था। हाईकोर्ट ने अर्जेंसी क्लॉज के तहत किए गए भूमि अधिग्रहण को रद्द कर दिया था। मनोरमा कुच्छल को नए भूमि अधिग्रहण अधिनियम के तहत सर्किल रेट से दोगुनी दरों पर मुआवजा देने का आदेश दिया था। इसके अलावा प्रत्येक याचिका पर पांच-पांच लाख रुपये का खर्च आंकते हुए भरपाई करने का आदेश प्राधिकरण को दिया था। हाईकोर्ट के इस आदेश के खिलाफ नोएडा ने सुप्रीम कोर्ट में अपील दाखिल की थी। सुप्रीम कोर्ट में भी अथॉरिटी मुकदमा हार गई। इसके बावजूद इलाहाबाद हाईकोर्ट के आदेश का पालन नहीं किया। इस पर मनोरमा कुच्छल ने नोएडा अथॉरिटी के खिलाफ यह अवमानना याचिका की।

सरकारी जमीन पर बस रही अवैध कॉलोनी पर चला बुलडोजर

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ला)

नोएडा। प्राधिकरण की जमीन पर कब्जा कर बसाई जा रही अवैध कॉलोनियों में निर्माण को शुक्रवार को बुलडोजर से ढहा दिया गया। दादरी तहसील के खोदना कला गांव में जिला प्रशासन और प्राधिकरण की टीम ने संयुक्त कार्रवाई की। करीब 110 बीघा भूमि को अतिक्रमण से मुक्त कराया गया। खोदना गांव की करीब 110 बीघा जमीन पर निजी कॉलोनाइजर द्वारा आवासीय प्लॉट काटे जा रहे थे। यह सारी भूमि प्राधिकरण के अधिसूचित क्षेत्र के अंतर्गत आती है। यह जमीन उद्योगों और इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए आरक्षित है। प्राधिकरण की टीम सुबह करीब सात बजे मौके पर पहुंची और अवैध रूप से काटी जा रही कॉलोनी में हुए निर्माण को ढहाना शुरू कर दिया। छह जेसीबी से साढ़े तीन घंटे तक चली कार्रवाई में 65 हजार वर्ग मीटर जमीन खाली कराई गई। इसकी कीमत करीब 150 करोड़ रुपये आंकी गई है। इस दौरान दो थानों की पुलिस के साथ ही पीएसी भी तैनात रही। अवर अभियंता सौदान सिंह ने बताया कि 110 बीघा जमीन मुक्त कराई गई है। कॉलोनाइजरों को दोबारा जमीन कब्जाने की कोशिश करने पर एफआईआर दर्ज कराने और गैंगस्टर की कार्रवाई करने की चेतावनी दी गई है। शुक्रवार को अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी दीप चंद्र, महाप्रबंधक एके अरोड़ा व उप महाप्रबंधक केआर वर्मा की देखरेख में वर्क सर्किल दो के परियोजना अभियंता श्यौदान सिंह ने प्राधिकरण व पुलिस की टीम के साथ खोदना कलां में अवैध निर्माण के खिलाफ कार्रवाई की। नोटिस के बावजूद कब्जा ग्रेटर नोएडा वेस्ट के 130 मीटर सड़क के पास कई बिल्डरों ने प्राधिकरण अधिसूचित क्षेत्र में कॉलोनियां काट रखी हैं। प्राधिकरण कई बार इन बिल्डरों को नोटिस दे चुका है। इसके बावजूद आवासीय प्लॉट काटे जा रहे हैं। दादरी एसडीएम ने आने वाले दिनों में दादरी क्षेत्र में भी कई बिल्डर के अवैध प्रोजेक्ट को अतिक्रमण से मुक्त कराने की बात कही है।

तेजिंदर पाल सिंह बग्गा प्रकरण के बाद पुलिस सुधार को लेकर फिर छिड़ी नई बहस

नई दिल्ली। भाजयुमो नेता तेजिंदर पाल सिंह बग्गा की पंजाब पुलिस द्वारा दिल्ली में गिरफ्तारी और उससे जुड़े शुक्रवार के दिनभर के घटनाक्रम ने पुलिस सुधारों को लेकर एक बार फिर नई बहस छेड़ दी है। देश की पुलिस व्यवस्था को करीब से जानने वाले विभाग में शीर्ष पदों पर रह चुके अधिकारियों में इस प्रकरण को लेकर निराशा है। वे दुनिया के विकसित देशों का उदाहरण सामने रखते हुए पुलिस पर बनाए जाने वाले राजनीतिक दबाव के विरोध में एक बार फिर मुखर हो रहे हैं।

बैडमिंटन खेलो इंडिया के लिए इच्छुक प्रशिक्षक 10 मई 2022 तक जिला खेल कार्यालय में कर सकते हैं आवेदन...............

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ला)

नोएडा। उप क्रीड़ा अधिकारी गौतम बुद्ध नगर अनीता नागर ने जानकारी देते हुए बताया कि जिला खेल कार्यालय गौतम बुद्ध नगर में बैडमिंटन खेलों इंडिया लिए एक अंतराष्ट्रीय/एन0आई0एस0 प्रशिक्षक की आवश्यकता है। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षक समस्त प्रमाण पत्रों के साथ अपना आवेदन दिनांक 10 मई 2022 तक जिला खेल कार्यालय गौतम बुद्ध नगर में जमा कर सकते हैं। उक्त जानकारी राकेश चौहान जिला सूचना अधिकारी ने दी।

बिहार के लिए अरुण जेटली वाली भूमिका में नया चेहरा, नीतीश कुमार को ऐसे साधेगी भाजपा

पटना। केंद्रीय शिक्षा मंत्री और बिहार भाजपा के पूर्व चुनाव प्रभारी धर्मेंद्र प्रधान की मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से गुरुवार की रात गोपनीय मुलाकात की चर्चा दूसरे दिन भी परवान पर रही। नया समीकरण यह उभर कर सामने आ रहा है कि अब केंद्रीय

नेतृत्व की ओर से बिहार भाजपा के प्रभारी भूपेंद्र यादव की जगह धर्मेंद्र प्रधान को राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) में समन्वय की जिम्मेदारी दी गई है। यह काम पहले अरुण जेटली करते थे। दरअसल, बिहार राजग के लिए दस वर्षों से अधिक समय तक दिवंगत हो चुके अरुण जेटली संकटमोचक की भूमिका निभाने में महारत हासिल कर चुके थे। उनके नहीं रहने के बाद 2019 के लोकसभा और 2020 के विधानसभा चुनाव में बतौर बिहार के चुनाव प्रभारी धर्मेंद्र प्रधान की भूमिका मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के साथ समन्वय के स्तर पर काफी सराहनीय रही थी। ऐसे में पिछले दिनों कई बिंदुओं पर दोनों दलों के बीच बयानबाजी और मतभेद के बाद धर्मेंद्र प्रधान और नीतीश कुमार के बीच हुई मुलाकात के बारे में बिहार भाजपा के कर्णधारों को भनक तक नहीं लगना महत्वपूर्ण माना जा रहा है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष डा. संजय जायसवाल और उप मुख्यमंत्री एवं विधान मंडल दल के नेता तारकिशोर प्रसाद तक पटना में नहीं थे भाजपा-जदयू के वरिष्ठ नेताओं के अनुसार नीतीश कुमार का भूपेंद्र यादव से तालमेल ठीक नहीं है। इसके पीछे का कारण बताया जाता है कि नीतीश के बारे में भाजपा के कुछ पदाधिकारी, मंत्री एवं विधायक की बयानबाजी पर भी भूपेंद्र चुप्पी साधे रहते हैं। भाजपा के शीर्ष नेतृत्व ने इसे गंभीरता से लेते हुए नीतीश की नाराजगी दूर करने की पहल की है। यही नहीं, नीतीश और भाजपा के बीच तालमेल और समन्वय का जिम्मेदारी भी धर्मेंद्र प्रधान को सौंप दी गई है। इसी सिलसिले में वे पटना आए और करीब दो घंटे तक नीतीश कुमार से अकेले में कई बिंदुओं पर उन्होंने बातचीत की। बताया जा रहा है कि नीतीश ने इस दौरान अपने मन की बात कही और धर्मेंद्र प्रधान ने न केवल उन्हें सुना, बल्कि अलग-अलग मुद्दों पर भाजपा के स्टैंड की जानकारी दी। दोनों के बीच मुलाकात में एक महत्वपूर्ण उपस्थिति शिक्षा मंत्री विजय चौधरी की रही। शिक्षा से संबंधित कुछ मुद्दों पर बातचीत हुई और धर्मेंद्र प्रधान के इस यात्रा पर सरकारी दौरे का मुलम्मा चढ़ा दिया। आखिरी में नीतीश कुमार और विजय चौधरी धर्मेंद्र प्रधान को राजकीय अतिथिशाला तक छोड़ने भी गए। संजय जायसवाल और तारकिशोर प्रसाद की धर्मेंद्र प्रधान से मुलाकात अगली सुबह तब हुई, जब वे दिल्ली वापस जाने लगे। हालांकि, अंतिम रूप से उनके दौरे को राष्ट्रपति व उप राष्ट्रपति चुनाव के साथ राज्यसभा और विधान परिषद चुनाव पर चर्चा के अलावा नीतीश कैबिनेट में संभावित फेरबदल को लेकर दोनों दलों के बीच समन्वय के रूप में देखा जा रहा है।

दिल्ली के लोगों के लिए खुशखबरी, आईटीओ समेत कई इलाकों में जल्द मिलेगी जाम से राहत

नई दिल्ली। लंबे समय से जाम से जूझ रहे लोगों को यह खबर सुकून देने वाली है कि इस माह के अंत तक उनको आइटीओ के जाम से काफी हद तक राहत मिल सकती है। लोक निर्माण विभाग ने प्रगति मैदान सुरंग सड़क, मथुरा रोड सिगन्ल फ्री योजना का काम लगभग पूरा कर लिया है। इस माह के अंत तक इनके शुरू होने की संभावना है। इनके शुरू हो जाने पर पूरे आइटीओ इलाके में जाम से काफी राहत मिलने की उम्मीद है। लोक निर्माण विभाग भी देख रहे उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने शुक्रवार को ट्वीट कर कहा कि प्रगति मैदान के नीचे से गुजर रही सुरंग सड़क के निर्माण का काम लगभग पूरा हो गया है। इससे प्रगति मैदान और आइटीओ के आसपास लोगों का काफी समय बचेगा। उन्होंने कहा कि

दिल्ली सरकार के लोक निर्माण विभाग द्वारा तैयार इन खूबसूरत रास्तों से जब लोग गुजरेंगे तो इस विभाग के अभियंताओं की तारीफ किए बिना नहीं रह पाएंगे। बता दें कि सुरंग सड़क के शुरू होने से अशोक रोड, कनाट प्लेस, इंडिया गेट, मंडी हाउस की ओर से यमुनापार की ओर आने-जाने वाले तमाम लोग आइटीओ नहीं आएंगे। ये लोग 1200 मीटर लंबी इस सुरंग का इस्तेमाल करते हुए आवागमन करेंगे। मथुरा रोड भैरों मार्ग टी-प्वाइंट और भैरों मार्ग-रिंग रोड की लालबत्ती हट जाने से लोग भैरों मार्ग का इस्तेमाल करेंगे और रिंग रोड पर बगैर रोकटोक सीधे निकल जाएंगे। मथुरा रोड के सिगन्ल फ्री हो जाने से आइटीओ से दक्षिणी दिल्ली की ओर आना-जाना और आसान हो जाएगा।

केंद्रीय विद्यालय में पहली कक्षा में एडमिशन के लिए दूसरी लिस्ट जारी

नई दिल्ली। केंद्रीय विद्यालय में पहली कक्षा में दाखिले के लिए अगर आपने भी आवेदन किया है तो यह

खबर आपके बेहद काम की है। दिल्ली-एनसीआर समेत देशभर में केंद्रीय विद्यालयों में दाखिले के लिए केंद्रीय विद्यालय संगठन ने दूसरी सूची जारी कर दी है, जिसके बाद इसमें चयनित बच्चों को दाखिला मिलेगा। दाखिले के लिए लिस्ट में नाम है या फिर नही इसके लिए अभिभावक केंद्रीय विद्यालय संगठन की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर लाग इन कर पूरी देख सकते है। केंद्रीय विद्यालय के स्कूलों में पहली कक्षा में दाखिले के लिए आपके बच्चे का नाम आया है या नही इसे जांचने के लिए केंद्रीय विद्यालय संगठन की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर लाग इन करना होगा। इसके अगले चरण में कक्षा 1 प्रवेश के लिंक पर क्लिक करना होगा। इसके बाद अपने राज्य का चयन करना होगा। इसके अगले चरण में आपको संबंधित विद्यालय का चयन करना होगा और फिर सर्च बटन पर क्लिक करना होगा। ऐसा करते ही केवीएस कक्षा 1 प्रवेश लाटरी परिणाम 2022 के लिए कई लिंक सामने आ जाएंगे। इसके बाद आपको संबंधित श्रेणी लिंक पर क्लिक करना होगा। और अपने बच्चे की चयन स्थिति जांचनी होगी। केंद्रीय विद्यालय में बच्चे का नाम आने पर आपको कुछ जरूरी कागजात जमा कराने होंगे, जो इस प्रकार हैं। स्थायी निवास प्रमाण पत्र आधार कार्ड ड्राइविंग लाइसेंस आयु प्रमाण पत्र अनिवार्य विकलांगता सर्टिफिकेट (जो भी बच्चे विकलांग हो) कक्षा 1 में एडमिशन ले रहे बच्चे के लिए संबंधित प्राधिकरण से जारी बच्चे का जन्म प्रमाण पत्रदूसरी लिस्ट में भी खाली रह गई सीटों के लिए आगामी 10 मई को तीसरी लिस्ट जारी की जाएगी। जिन छात्रों का नाम दूसरी लिस्ट में नहीं आ पाया है, वे तीसरी लिस्ट में चेक कर सकते हैं। इसके बाद 16 और 17 मई, 2022 को केवीएस की ओर से एडमिशन के लिए चयनित उम्मीदवारों की अंतरिम सूची भी जारी की जाएगी। इसके अलावा केवी के एससी/एसटी और ओबीसी (एनसीएल) उम्मीदवारों के लिए प्रवेश के लिए आफलाइन पंजीकरण 12 मई 2022 से शुरू होंगे। इन श्रेणियों के तहत चयनित उम्मीदवारों की सूची 23 से 30 मई 2022 को जारी की जाएगी।

बिहार के इन सात जिलों में बारिश के आसार

पटना।बिहार में बारिश और तेज आंधी के बाद अधिकतर जिलों में मौसम सामान्य हो गया है। अधिकतर शहरों के तापमान में दो से तीन डिग्री की गिरावट दर्ज की गई। वहीं हवा की गति तेज होने के कारण आम जन जीवन पर असर पड़ा है। मौसम विज्ञान केंद्र पटना के अनुसार पूरे प्रदेश में पूर्वी व दक्षिण पूर्वी हवा की मजबूत स्थिति बनी हुई है। वहीं हवा की गति 10-12 किमी प्रतिघंटा है। इन मौसमी प्रभाव को देखते हुए अगले 24 घंटों के दौरान प्रदेश के सात जिलों के पूर्वी व पश्चिमी चंपारण, सुपौल, अररिया, किशनगंज, पूणिन्या, कटिहार जिलों के अलग-अलग स्थानों पर गरज के साथ हल्की बारिश के आसार है। इन जगहों पर रहने वाले लोगों को सुरक्षित स्थान पर रहने की सलाह दी गई है। मौसमी विज्ञानी की मानें तो प्रदेश में हफ्ते भर पुरवा का प्रभाव बना रहेगा। इसके कारण लोगों को गर्मी से राहत मिलेगी। गुरुवार को दरभंगा में सर्वाधिक बारिश 73.2 मिमी बारिश दर्ज की गई। जबकि मुजफ्फरपुर के सरैया में 43.0 मिमी, सहरसा के सिमरी में 38.6 मिमी, पूर्वी चंपारण के चकिया में 33.8 मिमी, सहरसा के महिषी में 30.2 मिमी, बांका में 30.2 मिमी, सहरसा के सौरबाजार में 29.4 मिमी, दरभंगा के हायाघाट में 28.5 मिमी, मधुबनी के झंझारपुर में 25 मिमी, सुपौल के बसुआ में 21 मिमी, कटिहार के मनिहारी में 19.4 मिमी, वैशाली में 17.8 मिमी, मुजफ्फरपुर के मीनापुर में 16.4 मिमी, दरभंगा के कमतौल में 15.6 मिमी बारिश दर्ज की गई। 73.2 मिमी के साथ दरंभगा में सर्वाधिक बारिश 39.3 डिग्री सेल्सियस के साथ शेखपुरा सबसे गर्म शहर 36.8 डिग्री सेल्सियस पटना का तापमान 10-12 किमी प्रतिघंटा हवा की रफ्तारमौसम विज्ञान केंद्र पटना के अनुसार शुक्रवार को 39.3 डिग्री सेल्सियस के साथ शेखपुरा का अधिकतम तापमान दर्ज किया गया। जबकि पटना के अधिकतम तापमान में 4.6 डिग्री की वृद्धि के साथ 36.8 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। प्रदेश के सभी शहरों का तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के नीचे दर्ज किया गया।

पंजाब में मार्च-अप्रैल के बाद मई में भी नहीं हुई बारिश, धान की रोपाई में खड़ा हो सकता है संकट, किसानों में मुश्किलें बढ़ी

लुधियाना। पंजाब में मार्च, अप्रैल के बाद मई भी बिना बारिश के निकल रहा है। मई के पहले हफ्ते में भी बारिश की एक बूंद नहीं बरसी। जबकि 29 अप्रैल के बाद से पंजाब में हमेशा बारिश होती रही है। ऐसे में धान की बिजाई को लेकर किसानों की चिंता बढ़ गई है। क्योंकि खेतों में इस समय नमी पूरी तरह से खत्म हो चुकी है, जिससे खेत सूखे पड़े हैं। जिससे अब धान की बिजाई करने वाले किसानों की मुश्किलें बढ़ गई है। मौसम केंद्र चंडीगढ़ के अनुसार पंजाब में 29 अप्रैल से 5 मई तक की सामान्य बारिश 39.8 मिली है, लेकिन अभी तक केवल 4.4 मिलीमीटर बारिश ही हुई है। विभाग के अनुसार 29 अप्रैल और 5 मई तक अमृतसर में 58.9 मिलीमीटर बारिश हो जाती है, लेकिन अभी तक हुई केवल 1 मिलीमीटर है। करीब 98 प्रतिशत कम बारिश हुई है। इसी तरह जालंधर में 51.2 मिलीमीटर बारिश हो जाती है, लेकिन अभी तक 2.5 मिलीमीटर हुई है। करीब 95 प्रतिशत कम बारिश हुई है। वहीं लुधियाना में 37.5 मिलीमीटर बारिश हो जाती है, लेकिन

अभी तक हुई केवल 13.7 मिलीमीटर है। करीब 64 प्रतिशत कम बारिश हुई है। इसी तरह गुरदासपुर में 66.4 मिलीमीटर बारिश हो जाती है, लेकिन अभी तक 3.3 मिलीमीटर हुई है। करीब 95 प्रतिशत कम बारिश हुई है। दूसरी तरफ बठिंडा में 22.2 मिलीमीटर बारिश हो जाती है, लेकिन अभी तक 2.2 मिलीमीटर हुई है। करीब 87 प्रतिशत कम बारिश हुई है। वहीं मोगा में 23.5 मिलीमीटर बारिश हो जाती है, लेकिन अभी तक 1.5 मिलीमीटर हुई है। करीब 94 प्रतिशत कम बारिश हुई है। रूपनगर में 60.1 मिलीमीटर बारिश हो जाती है, लेकिन अभी केवल 11.5 मिलीमीटर हुई है। करीब 81 प्रतिशत कम बारिश हुई है। इसी तरह होशियारपुर में भी 29 अप्रैल से 5 मई के दौरान सामान्य बारिश 57.4 प्रतिशत है, जबकि हुई केवल 2.5 प्रतिशत। यहां भी 95 प्रतिशत कम बारिश हुई है। पंजाब के दूसरे जिलों का भी यही हाल है। कृषि माहिरों का कहना है कि धान की रोपाई के लिए खेतों में नमी होना बेहद जरूरी है, फिर चाहे धान की सीधी बिजाई क्यों न हो। पीएयू की मौसम वैज्ञानिक डा. केके गिल के अनुसार पिछले 80 दिनों से पंजाब में मौसम ड्राई चल रहा है। जिससे धरती के अंदर नमी खत्म हो चुकी है। बारिश न होने से किसानों को धान की बिजाई (प्री सोईंग) से पहले खेत में अधिक सींचना होगा, जिससे नमी बने। नमी होगी, तभी धान का पौधा स्थिर रह सकेगा। सीधी बिजाई वाले खेतों में तो इसकी जरूरत और होगी। क्योंकि उसमें खेतो में पानी खड़ा नहीं होता। ऐसे में इस बार भूजल और नहरी पानी का इस्तेमाल अधिक होगा। आगे जब अप्रैल के आखरी हफ्ते और मई के पहले हफ्ते में बारिश हो जाती तो गेंहू की कटाई के बाद खेत में आगे की फसल के लिए पर्याप्त तौर पर नमी रहती थी। जिससे किसानों को फसल को सींचने की ज्यादा जरूरत नहीं होती थी। लेकिन इस बार धान की खेती करने वाले किसानों के लिए गंभीर संकट खड़ा हो सकता है। पहले से ही किसान मार्च अप्रैल में पड़ी भयंकर गर्मी की वजह से गेहूं का कम उत्पादन होने पर दुखी हैं।

राशिफल

मेष-ःऊर्जावान रहते हुए सहजता से कार्यों को पूरा करेंगे। दूसरों द्वारा तय नियमों के अनुसरण व अपेक्षाओं को पूरा करने को लेकर अनिच्छुक रहेंगे।

वृष-ःकुछ अप्रत्याशित घटनाक्रम घटित होंगे। निजी व व्यावसायिक जीवन में कुछ चीजें चकित करेंगी। उनका स्वागत करना उचित है। कार्यस्थल पर लचीला रवैया रखें। नए लोग जीवन में प्रवेश कर सकते हैं।

मिथुन-ःनए व्यक्ति या विचार के प्रेम में पड़ सकते हैं। चीजें तेजी से घटित होंगी व त्वरित निणन्य लेने पड़ सकते हैं, अन्यथा निजी व पेशेवर जीवन में तरक्की के अवसर खो देंगे।

कर्क-ःऊर्जावान रहते हुए नई शुरुआत करेंगे। पेशेवर जीवन में प्रतिष्ठा मिलेगी व लक्ष्य पूर्ण करेंगे। नए अवसरों को आकर्षित करेंगे। अहंकार, कड़वे बोल व क्रोध से बचें।

सिंह-ःअंतर्मन शांत रहेगा। जीवन में सौहार्द व संतुलन स्थापित करेंगे। निजी संबंधों में मिठास व कोमलता रहेगी। व्यावसायिक मामलों में समझदारी का परिचय देंगे।

कन्या-ःनकारात्मक सोच व कल्पनाओं से व्यथित रहेंगे, पर ऐसा कुछ घटित नहीं होने वाला है, इसलिए तनाव न लें। अत्यधिक काम व जिम्मेदारी का बोझ महसूस करेंगे।

तुला-ःव्यावसायिक जीवन में इच्छाओं को आकार देते हुए नई शुरुआतें करेंगे। रचनात्मकता को खुलकर अभिव्यक्त करें। निजी संबंध मधुर व संवेदनशील रहेंगे।

वृश्चिक-ःनए लोगों से मुलाकात होगी। निजी संबंधों में मधुरता रहेगी। जीवनसाथी को समय दें, अन्यथा संबंधों में निराशा उत्पन्न हो सकती है।

धनु-व्यावहारिक दृष्टिकोण व बुद्धिमत्ता से व्यावहारिक मामलों व जटिलताओं को हल करेंगे। अस्थिर व कमजोर तत्वों से सख्ती से निपटने की आवश्यकता है।

मकर-ःनकारात्मक घटनाक्रमों की कल्पना से व्यथित रह सकते हैं। घर व कार्यस्थल की परिस्थितियों का अत्यधिक विश्लेषण परेशान करेगा। नए घटनाक्रम व अवसर उपस्थित होने से योजनाओं में व्यवधान आ सकता है।

कुंभ-ःदुर्बलता महसूस करेंगे। स्वास्थ्य पर ध्यान देने की आवश्यकता है। दिनचर्या को नियमित करें। विभिन्न गतिविधियों में भागीदारी उत्साह व ऊर्जा बढ़ाएगी।

मीन-ःसीमाओं व बंधनों से मुक्त होकर मन की राह पर आगे बढ़ेंगे। इस संदर्भ में लोगों की मिश्रित प्रतिक्रिया मिलेगी। अप्रत्याशित घटनाक्रम घटित हो सकते हैं।

सोनभद्र में भी गरजा बाबा बुल्डोजर एनसीएल की जमीन को कराया कब्जा मुक्त

(आधुनिक समाचार सेवा)
शैलेन्द्र कुमार

सोनभद्र। जहाँ एक तरफ अवैध अतिक्रमण समेत भूमाफियाओं पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री का बुल्डोजर लगातार चल रहा है और अवैध निर्माण बिल्डिंगों को तोड़कर कब्जा मुक्त कराया जा रहा है जिसमे सोनभद्र भी शामिल हो गया सोनभद्र जिले के शक्तिनगर में आज एनसीएल खड़िया परियोजना की भूमि पर राहुल पैलेस और दुकान पर आज उपजिलाधिकारी और क्षेत्राधिकारी की मौजूदगी में पर्याप्त पुलिसफोर्स के साथ दो मंजिला होटल और दुकान को बुल्डोजर लगाकर धराशाही कर दिया गया। उपजिलाधिकारी द्वारा बताया गया कि 2012 में इस होटल को बनाकर बड़े पैमाने पर कब्जा किया गया था। जिसके बाद 2020 में ध्वस्तीकरण को लेकर नोटिस भी दी गयी थी पर पर्याप्त पुलिसफोर्स न होने के कारण कार्यवाही रुक गयी थी जिसके बाद 30 अप्रैल को नोटिस देकर आज बुल्डोजर से धराशाही कर दिया गया। कब्जा मुक्त कराये गए भूमि की कीमत लगभग 5 करोड़ रुपये की बताई जा रही है। और आगे भी अवैध अतिक्रमण को मुक्त कराने को लेकर बुल्डोजर चलेगा। प्रदीप सिंह चंदेल (क्षेत्राधिकारी पिपरी सोनभद्र) द्वारा बताया गया कि 200 की संख्या में पुलिस फोर्स को ध्वस्तीकरण के लिए लगाये गए थे जिससे किसी प्रकार की अशान्ति न फैलने पाए और शांतिपूर्ण तरीके से अवैध कब्जे को मुक्त कराया जा सके।

टाटा मैजिक व बोलेरो की टक्कर में 4 घायल

(आधुनिक समाचार सेवा)
अनिल कुमार अग्रहरि

डाला (सोनभद्र)। हाथीनाला थाना क्षेत्र अंतर्गत दुद्धी मार्ग पर गरदरवा मोड़ के पास टाटा मैजिक व बोलेरो की आमने सामने टक्कर हो गई इस हादसे में बोलेरो व मैजिक सवार चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए वहीं सूचना मिलते ही मौके पर हाथीनाला पुलिस ने पहुंच कर घायलों को उपचार के लिए दुद्धी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया हाथीनाला थाना अध्यक्ष रविंदर प्रसाद ने बताया कि आज सोमवार दोपहर लगभग दो बजे बोलोरो दुद्धी की ओर जा रही थी कि गढ़दरवा मोड पर पहुंचते ही सामने से आ रही टाटा मैजिक में आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गई दोनों वाहनों के परखच्चे उड़ गए जानकारी के मुताबिक मैजिक सवार (35) वर्षीय अर्जुन कुमार गुप्ता पुत्र राजेश्वर निवासी कनकपुर थाना रमुना गढ़वा झारखंड रामजन्म (35) वर्षीय पुत्र से रामजनम निवासी गरदरवा राम लखन (45) वर्षीय पुत्र शिवप्रसाद निवासी ग्राम बहेरा डोल हाथीनाला समेत बोलेरो चालक रोहित पटेल (22) वर्ष पुत्र स्वर्गीय सदानंद पटेल निवासी बीडर दुद्धी घायल हो गए पुलिस की मदद से सभी घायलों को दुद्धी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भिजवाया गया परिजनों को सूचना देने के बाद घटना में शामिल वाहनों को सड़क किनारे करा कर यातायात बहाल कराया गया।

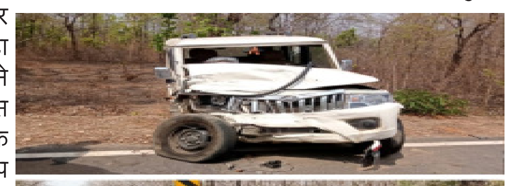

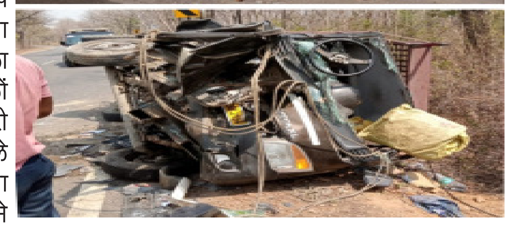

विध्य कारिडोर की बाधाएं जल्द होंगी दूर : जितिन प्रसाद

विंध्याचल (मीरजापुर)। प्रदेश के लोकनिर्माण मंत्री जितिन प्रसाद ने बुधवार को विंध्याचल स्थित मां विंध्यवासिनी का दर्शन-पूजन किया। इसके बाद विध्य कारिडोर का प्रगति कार्य देखा। उन्होंने स्थलीय निरीक्षण करने के बाद अष्टभुजा डाकबंगला पर अधिकारियों संग समीक्षा बैठक की मंत्री ने पत्रकारों को बताया कि सरकार ने जो उन्हें जिम्मेदारी दी है उस पर पूर्ण रूप से कार्य करेंगे। कहा कि विंध्य कारिडोर बनने से श्रद्धालुओं को कोई दिक्कत नहीं होगी। लोगों की सुविधाओं को बढ़ाने के लिए प्रदेश सरकार संकल्पित है। मंत्री ने कहा कि विध्य कारिडोर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की महत्वपूर्ण योजनाओं में शामिल है। इसमें जो भी बाधाएं आ रही है उसे जल्द दूर किया जाएगा। इसके लिए जल्द ही अधिकारियों के साथ बैठक की जाएगी। इसके अलावा यहां के जनप्रतिनिधियों से भी संवाद स्थापित किया जाएगा। जो भी आपत्तियां होंगी, उसे दूर करने का प्रयास किया जाएगा। हरिद्वार में हरकी पौड़ी, अयोध्या में राम की पौड़ी की तर्ज पर विध्य की पौड़ी के निर्माण पर जब प्रशन पूछा गया तो उन्होंने कहा कि यहां भी बदला हुआ नजारा दिखेगा।

निःशुल्क टैबलेट का किया गया वितरण

(आधुनिक समाचार सेव)
विशाल मौर्य

सोनभद्र। के करमा ब्लाक अन्तर्गत ग्राम सभा सुकृत में स्थित देवो महेश (पालीटेकिन्क) कालेज आफ इंजीनियरिंग एंड टेकनेलॉजी में टैबलेट का वितरण राज्यसभा सांसद माननीय राम शकल जी के कर कमलों द्वारा उत्तर प्रदेश सरकार विकास योजनान्तर्गत निःशुल्क टैबलेट वितरण योजना 2022 के अन्तर्गत देवो महेश पॉलीटेकिन्क, देवो महेश आई टी आई एवं काशी आई टी आई के बच्चों में निःशुल्क टैबलेट का वितरण किया गया। इस दौरान देवो महेश निजी आई टी आई के प्रबंधक शैलेन्द्र मौर्य प्रधानाचार्य- असुतोस, पिंकू पटेल एवं रामलखन यादव, देवो महेश (पॉलीटेकिन्क) कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेकनेलॉजी के प्रबंधक मनीष कुमार, डायरेक्टर अमित यादव, अजय चौबे, श्रवण, मोहम्मद वहीदुल्ला, कमलेश मौर्य, काशी निजी आईटीआई के प्रबंधक डॉ रविशंकर सिंह, प्रधानाचार्य संध्या कौशिक, चुलई पाल, सचिन सिंह पटेल , अरविन्द सिंह, कंचन मौर्य सहित सुखराम सिंह मार्डन पब्लिक स्कूल के प्रबंधक शिवपूजन सिंह, पुष्पांजलि कान्वेंट स्कूल के प्रबंधक ओमप्रकाश सिंह, दिनेश सिंह, पारस नाथ सिंह, प्रेमप्रकाश प्रजापति, सुकृत ग्राम प्रधान रमाशंकर पटेल , गौरही ग्राम प्रधान प्रतिनिधि कौशल कुमार मौर्य, रामलाल चौहान सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे। इस दौरान टैबलेट प्राप्त कर बच्चों ने अपना हर्ष व्यक्त किए।

बरातियों को ले जा रही बस अनियंत्रित होकर पलटी, दो घायल

(आधुनिक समाचार सेवा)
अनिल कुमार अग्रहरि

डाला (सोनभद्र)। चोपन थाना क्षेत्र के कोटा अम्माटोला सनायडंडी बस्ती के पास सोमवार की रात बरातियों से भरी बसअनियंत्रित होकर रोड के किनारे पलट गई, दुर्घटना में दो लोग घायल हो गए। उन्हें पीछे आ रहे अन्य बारतियो ने वाहन से कोटा के निजि अस्पताल में भर्ती कराया। बरातियों से भरी एक बस अहरौरा के पटीहटा डमिलियाचट्टी से कोन थाना अन्तर्गत रामगढ़ को जा रही थी। रात नौ बजे चोपन थाना अन्तर्गत सनायडंडी ज़ब पहुंची तो सामने से आ रहे एक वाहन की लाइट से सीधी बस चालक की आँखों पर पड़ी तो बस चालक ने ब्रेक मार दिया, जिससे बस सड़क किनारे जाकर पलट गई। इस हादसे में बस पर सवार दिनेश 45 वर्ष पुत्र शंकर साव व मुशे 22 वर्ष पिता कैलाश, निवासी पटीहटा इमिलियाचट्टी घायल हो गए। बाकी अन्य बारतियों को हल्की फुल्की चोटे आई। घटना के वक्त बस पर लगभग पच्चीस बराती सवार थे। दुर्घटना की सूचना मिलते ही डाला चौकी इंचार्ज मनोज कुमार ठाकुर मय फोर्स मौके पर पहुंचे। दुर्घटनाग्रस्त बस को क्रेन की मदद से सड़क से हटवाया। बरातियों को अन्य वाहन से रामगढ़ बरात स्थल तक पहुंचाया गया।

होंडा सिटी कार के साथ चार आरोपियों कि हुई गिरफ्तारी

(आधुनिक समाचार सेवा)
चिन्ता पान्डेय

सोनभद्र। में पुलिस की संयुक्त टीम को बड़ी सफलता हाथ लगी है सोनभद्र के चोपन थाना क्षेत्र के प्रितनगर पहलवान ट्रांसपोर्ट के पास से एक लग्जरी कार से 1 कुंटल 90 किलो ग्राम गांजा बरामद हुआ और 4 आरोपियों की गिरफ्तारी की गयी। यह गाँजे की खेप उड़ीसा से सोनभद्र और आसपास के जनपदों में खपत करने के लिए लाया जा रहा था इसी दौरान पुलिस को मुखबिर के जरिए मिली सूचना के आधार पर चेकिंग के दौरान पुलिस की संयुक्त टीम ने 4 आरोपियों को गिरफ्तार किया वही इन आरोपियों के कब्जे से कुल 1 कुंटल 90 किलो ग्राम गांजा बरामद करते हुए होंडा सिटी कार भी बरामद की है पुलिस अधीक्षक अमरेंद्र प्रसाद सिंह का कहना है कि इस गाँजे की कीमत लगभग 20 लाख बताई जा रही है और यह उड़ीसा से यह गाँजे का खेप सोनभद्र-गाजीपुर और आसपास के जनपदों में खपत के लिए लाया जा रहा था पुलिस के द्वारा कार्यवाही में कुल 4 आरोपी गिरफ्तार किए गए हैं जिनके कब्जे से गाजा व हौंडा सिटी कार बरामद की गई है इसके साथ ही पुलिस अधीक्षक ने बताया कि पूछताछ में हम जानकारी निकलकर सामने आई है जिसके आधार पर आगे बड़ी कार्रवाई देखने को मिलेगी। सोनभद्र के चोपन थाना क्षेत्र के प्रितनगर में पहलवान ट्रांसपोर्ट के पास से पुलिस की संयुक्त टीम जिसमे चोपन थाना पुलिस एसओजी स्वाट व सर्विलांस टीम के द्वारा मुखबिर की सूचना के आधार पर चेकिंग के दौरान पुलिस ने हौंडा सिटी कार में सवार 4 आरोपियों को गिरफ्तार किया वही उनके कब्जे से कुल 1 कुंटल 90 किग्रा गांजा बरामद हुआ दरअसल पुलिस अधीक्षक अमरेंद्र प्रसाद सिंह का कहना है कि यह गाँजे की खेप उड़ीसा से सोनभद्र और उसके आसपास जिलों में खपत करने के लिए लाई जा रही थी जिसमें 4 आरोपियों में अरुण कुमार सिंह निवासी बड़वारा थाना कासिमाबाद जनपद गाजीपुर, सुभाष कुमार मौर्य निवासी आमडीह थाना रावटसगंज जनपद सोनभद्र, अनुराग सिंह निवासी हरदासपुर थाना शादियाबाद गाजीपुर, रजत सिंह निवासी हरदासपुर थाना शादियाबाद जनपद गाजीपुर के निवासी हैं और इस मामले का मास्टर माइंड अरुण कुमार सिंह है जिसके ऊपर पहले भी एनडीपीएस एक्ट के मुकदमे दर्ज हैं वहीं पुलिस का कहना है कि इस मामले में अहम जानकारी हाथ लगी है जिसके आधार पर आगे और भी बड़ी कार्रवाई देखने को मिलेगी वहीं इस मामले का खुलासा करने वाली टीम को ?25000 पुरस्कार की घोषणा भी पुलिस अधीक्षक ने की। अमरेंद्र प्रसाद सिंह पुलिस अधीक्षक सोनभद्र।

टेक्नोलाजी से कोई छात्र वंचित न रहे

सोनभद्र। संत कीनाराम सनतकोत्तर महाविद्यालय लोढ़ी व संत कीनाराम महिला सनतकोत्तर महाविद्यालय में सरकार की अति महत्वाकांक्षी योजना के तहत छात्रों में टैबलेट का वितरण रविवार को किया गया। इस दौरान 130 छात्र-छात्राओं टैबलेट वितरित किया। इसमें संत कीनाराम महिला सनतकोत्तर महाविद्यालय के 59 व संत कीनाराम सनतकोत्तर महाविद्यालय के 71 छात्र-छात्राओं को टैबलेट दिया गया। मुख्य अतिथि अनुसूचित जाति, जनजाति आयोग के उपाध्यक्ष रामनरेश पासवान ने कहा कि सरकार की मंशा है कि कोई भी छात्र-छात्रा एडवांस टेकनेलाजी के चलते मुख्य धारा से वंचित न रह जाए, इसलिए सभी को लाभांवित किया जा रहा है। विधायक डा. अनिल मौर्या ने कहा कि यदि आप इस टैबेलट का समुचित उपयोग का करेंगे तो सरकार के मंशा के अनुरूप अपने आप को वैश्विक गतिविधियों को जोड़कर आगे ले जाएंगे। जिला विद्यालय निरीक्षक रविशंकर प्रसाद ने कहा कि विद्यार्थी इस टैबलेट का उपयोग समुचित ढंग से करके अपना शैक्षणिक विकास करें। उधर शाहगंज कस्बा स्थित मां शिव देवी पीजी कालेज में रविवार को छात्रों को 41 टैबलेट बांटा गया।

बाल विवाह के बारे में जानकारी प्राप्त होते ही तत्काल लिया गया संज्ञान

(आधुनिक समाचार सेवा)
शैलेन्द्र कुमार

सोनभद्र। आज चाइल्ड लाइन1098 से प्राप्त जानकारी के अनुसार थाना बभनी के ग्राम मचबंधवा सोनभद्र में नाबालिग लड़की की शादी अक्षय तृतीया के शुभ अवसर पर छत्तीसगढ़ के रहने वाले ब्यक्ति के साथ शादी किये जाने की तैयारी हो रही थी। उक्त सूचना के आधार पर तत्काल संज्ञान लेते हुए जिला बाल संरक्षण अधिकारी पुनीत टण्डन द्वारा महिला शक्ति केंद्र से जिला समन्वयक सुश्री साधना मिश्रा,जिला बाल संरक्षण इकाई सोनभद्र से संरक्षण अधिकारी गायत्री दुबे,ओर आर डब्लूयू शेषमणि दुबे के टीम का गठन करते हुए निर्देशित किए की तत्काल नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही करना सुनिश्चित करते हुए कृत कार्यवाही से अधोहस्ताक्षरी को अवगत कराना सुनिश्चित करे। साथ मे ही डॉ0 राम मनोहर लोहिया राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय लखनऊ के बाल संरक्षण विशेषज्ञ / यूनिसेफ से सत्यवान द्वारा थाना बभनी से समन्वय स्थापित करते हुए विवाह स्थान पर हुंचे जहां पर आज ही जिला बलरामपुर छत्तीसगढ़ से बारात आ रही थी। जहा पर शादी करने की तैयारी चल रही थी तभी टीम द्वारा बालिका के माता, पिता से बालिका के उम्र के संबंध में साक्ष्य चाहा गया बालिका के उम्र के संबंध में प्राप्त साक्ष्य के आधार पर बालिका की उम्र 17 वर्ष पाया गया।टीम द्वारा बालिका के माता, पिता व अन्य उपस्थित लोगों को बाल विवाह एक कानूनन अपराध है, बाल विवाह से होने वाले हानियों के बारे में भी बताया गया बालिका के माता-पिता के परामर्श के उपरांत भी बालिका की पुनः एक, दो दिवस व्यतीत होने के उपरांत शादी किए जाने की संभावना प्रतीत हो रही थी। जिसके दृष्टिगत टीम द्वारा नाबालिग बालिका को अपने अभिरक्षा में लेते हुए बाल कल्याण समिति सोनभद्र के समक्ष प्रस्तुत किए जाने हेतु ले जाया गया।

लापरवाह चिकित्सक समेत तीन से सीएमओ ने मांगा स्पष्टीकरण

सोनभद्र। मुख्य चिकित्साधिकारी डा. आरएस ठाकुर ने गुरुवार को राब?ट्र्सगंज नगर स्थित प्रसवोत्तर केंद्र व ब्लड बैंक का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान लापरवाही बरतने पर महिला चिकित्सक समेत तीन कमियों से स्पष्टीकरण मांगा है। समय पर स्पष्टीकरण न देने पर उनके ऊपर कार्रवाई करने का निर्देश दिया। सीएमओ सबसे पहले प्रसवोत्तर केंद्र पहुंचे। निरीक्षण के दौरान सभी कर्मचारी उपस्थित मिले। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा. ठाकुर को बताया गया कि बुधवार को कुल चार महिलाओं का प्रसव कराया गया है। मौजूद महिलाओं से जब सीएमओ ने सुविधाओं के बाबत पूछताछ शुरू की तो पता चला कि उनसे प्रसव के लिए 500 रुपये की धनराशि स्टाफ नर्स द्वारा लिया गया है। करमा ब्लाक के मुबारकपुर गांव की निवासी आशु पतनें ओमप्रकाश द्वारा बताया गया कि उनसे भी प्रसव के लिए 1500 रुपये की धनराशि ली गई है।

16वर्ष कि नाबालिग बच्ची कि परिवार द्वारा रचाई जारही थी शादी

सोनभद्र। ग्राम अदलगंज चोपन में एक नाबालिग बालिका की शादी इमलिया सुपेला जिला सिद्धि मध्यप्रदेश में की जा रही

थी जिसकी सूचना प्राप्त होते ही जिला प्रोबेशन अधिकारी श्री पुनीत टंडन द्वारा टीम गठित करते हुए महिला शक्ति केंद्र से जिला समन्वयक सुश्री साधना मिश्रा जिला बाल संरक्षण इकाई से संरक्षण अधिकारी सुश्री गायत्री दुबे परामर्शदाता श्री सुधीर शर्मा एवम सामाजिक कार्यकर्ता श्रीमती रोमी पाठक को तत्काल कार्यवाही हेतु आदेशित किया गया जिसके क्रम में टीम द्वारा चोपन थाने से समन्वय करते हुए विवाह स्थल पर पहुंचा गया जहां विवाह की तौयारी चल रही थी ।बालिका के पिता द्वारा उम्र संबधी साक्ष्य प्रस्तुत किया गया जिसमे बालिका की उम्र 16 वर्ष थी इसलिए परिवार को बाल विवाह के दुष्प्रभाव के बारे में बताते हुए बालिका की उम्र 18 वर्ष पूर्ण होने पर ही विवाह करने की चेतावनी देते हुए बाल विवाह रोक दिया गया।

बिहार के लिए भी बरातियों की पिटाई के दौरान लापता बिहार के युवक का कुएं में मिला शव

सोनभद्र । पनन्गूंज थाना क्षेत्र के पचोखर गांव में रविवार की रात शादी समारोह में आर्केस्ट्रा के दौरान घरातियों व बरातियों में विवाद के बाद से ही लापता सरोज शाह (33) पुत्र स्व. सिद्धनाथ शाह निवासी सिकरी थाना अधौरा बिहार का शव सोमवार की सुबह गांव में ही एक कुएं में मिला। उसके सिर के पिछले हिस्से में चोट के निशान मिले हैं। इस मामले में पुलिस ने पांच लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर चार लोगों को गिरफ्तार कर लिया। सूचना पर बिहार सरकार के अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री जामा खां भी यहां पहुंचे और पुलिस से मामले की जानकारी ली। इस संघर्ष में पांच लोग घायल हो हुए। सिकरी गांव से रविवार की रात अमरनाथ बैठा की बरात पचोखर गांव में आई थी। रात करीब 11 बजे जब नर्तकियों का डांस शुरू हुआ तो कुछ लोग उन पर ईंट पत्थर का टुकड़ा फेंकने लगे। इसको लेकर दोनों पक्षों में विवाद हो गया और देखते ही देखते मारपीट हो गई। इसमें रामराज बैठा, प्रेम कुमार, छत्रधारी, महेंद्र राम सभी निवासी सिकरी व सोहदवल गांव निवासी पननलाल का 12 वर्षीय पुत्र घायल हो गया। घटना के दौरान सरोज शाह मंच पर पहुंचकर माइक से लोगों को मारपीट से मना करने लगा। तभी कुछ लोगों ने उसकी भी पिटाई कर दी। इससे वह वहां से भाग गया और अपने दोस्तों को फोन कर घर चलने के लिए सड़क पर बुलाया। जब दोस्त वहां पहुंचे तो सरोज वहां नहीं मिला। सूचना पर रात में ही पहुंची पुलिस ने भी तलाश शुरू कराई, लेकिन युवक का कहीं पता नहीं चला। सोमवार की सुबह पचोखर गांव की ही एक महिला अपने घर के पास स्थित कुएं से पानी लेने गई तो शव उतराया देख शोर मचाने लगी। इसके बाद शव को निकलवाया गया। पनन्गूंज थाना प्रभारी निरीक्षक राजेश कुमार सिंह ने बताया कि इस मामले में जवाहिर शाह निवासी सिकरी की तहरीर पर पचोखर गांव निवासी चंदन तिवारी, सुरेश, बुड्डुक, सत्य प्रकाश व अकबर के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। अकबर को छोड़ सभी आरोपित गिरफ्तार कर लिए गए हैं। उन्होंने बताया कि युवक के शव का पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद पता चलेगा कि उसकी मौत कैसे हुई। इसके बाद ही अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

तीन नाबालिग लड़कियों कि शादी रूकवाई गई

ग्राम पंचायत बगाडू में नाबालिग लड़कियों कि हो रही थी शादी

(आधुनिक समाचार सेवा)
चिन्ता पान्डेय

सोनभद्र। जिले में इस वक्त देखा जाय तो नाबालिग लड़कियों कि शादी परिवार के द्वारा तेजी से कि जारही है वहीं दूसरी तरफ सुचना प्राप्त होती है प्रोबेशन विभाग द्वारा तत्काल करवाई कि जारही है और कम उम्र में हो रही शादी को रोकने में सफ़ल भी हो रही है टिम चाइल्ड लाइन 1098 से प्राप्त जानकारी के अनुसार थाना दुद्धी के ग्राम पंचायत बगाडू में दिनांक 05/05/2022 को तीन नाबालिक बालिकाओं की शादी कराई जा रही थी जिसका संज्ञान लेते हुए तत्काल जिला प्रोबेशन अधिकारी श्री पुनीत टंडन के निर्देश के क्रम में आज दिनांक 04/05/2022 को महिला शक्ति केंद्र से जिला समन्वयक सुश्री साधना मिश्रा और जिला बाल संरक्षण इकाई से संरक्षण अधिकारी सुश्री गायत्री दुबे सामाजिक कार्यकर्ता श्रीमती रोमी पाठक , ओ. आर डब्लू. श्री शेषमणी दुबे व मानव तस्करी रोधी इकाई से श्री राम जी ,एघ् सुजीत सेठ और दुद्धी थाने से एघ् संदीप कुमार राय द्वारा विवाह स्थल पर पहुंच कर विवाह को रोक दिया गया जिसमे से दो बालिका साक्ष्य के अनुसार नाबालिग है जिसको टीम द्वारा अपनी अभिरक्षा में लेते हुए बाल कल्याण समिति सोनभद्र के समक्ष प्रस्तुत करने हेतु ले जाया गया।

पंजाब की बल्लेबाजी जारी, दूसरा विकेट गिरा

नई दिल्ली। मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम पर इंडियन प्रीमियर लीग 2022 के 52वें मैच में राजस्थान रायल्स का सामना पंजाब किंग्स के साथ हो रहा है। इस मैच में पंजाब के कप्तान मयंक अग्रवाल ने टास जीत लिया और पहले बल्लेबाजी करने का निणय लिया। खबर लिखे जाने तक पंजाब की टीम ने पहली पारी में 11 ओवर में 2 विकेट पर 93 रन बना लिए है। पंजाब के ओपनर बल्लेबाज शिखर धवन का बल्ला राजस्थान के खिलाफ नहीं चला और वो 12 रन बनाकर आर अश्विन की गेंद पर जोस बटलर के हाथों कैच आउट हो गए। भानुका राजपक्षे ने 18 गेंदों पर 27 रन की पारी खेली और उन्हें चहल ने बोल्ड कर दिया। इस मुकाबले के लिए जहां पंजाब की टीम ने अपनी प्लेइंग इलेवन में किसी भी तरह का कोई बदलाव नहीं किया तो वहीं राजस्थान की टीम में एक बदलाव किया गया। करुण नायर की जगह इस मैच में यशस्वी जयसवाल की वापसी हुई। जानी बेयरस्टो, शिखर धवन, मयंक अग्रवाल (कप्तान), भानुका राजपक्षे, लियाम लिविंगस्टोन, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), ऋषि धवन, कगिसो रबाडा, राहुल चाहर, अर्शदीप सिंह, संदीप शर्मा। जोस बटलर, देवदत्त पडिक्कल, संजू सैमसन (कप्तान व विकेटकीपर), यशस्वी जायसवाल, रियान पराग, शिमरोन हेटमायर, रविचंद्रन अश्विन, ट्रेंट बोल्ट, प्रसिद्ध कृष्णा, युजवेंद्र चहल, कुलदीप सेन।

कभी फैक्ट्री में नौकरी की, आज कोच की मदद करते हैं कार्तिकेय

नई दिल्ली। मुंबई इंडियंस के स्पिनर कुमार कार्तिकेय सिंह एक समय गाजियाबाद के मसूरी में एक फैक्ट्री में मजदूरी करते थे और सुबह कोचिंग के लिए जाते थे। लेकिन, अपनी मेहनत और कोच संजय भारद्वाज की मदद से उन्होंने क्रिकेट में वो मुकाम हासिल किया जो दूसरों के लिए प्रेरणास्त्रोत है। भारद्वाज ने जागरण के साथ बातचीत में कार्तिकेय के संघर्ष की कहानी को साझा किया। पूर्व क्रिकेटर गौतम गंभीर और अमित मिश्रा के कोच रहे भारद्वाज ने कहा कि कार्तिकेय 15 साल की उम्र में कानपुर से दिल्ली स्थित क्रिकेट अकादमी में आए। कार्तिकेय जज्बाती थे, इसका कारण यह था कि उन्होंने अभी तक जितना भी क्रिकेट खेला, चुनौती लेकर खेला। जब वह मेरे पास दिल्ली आए तो काफी मेहनत करते थे। कार्तिकेय सुबह साढ़े पांच उठते, फिर फिटनेस और नाश्ता करके साढ़े आठ से साढ़े 11 बजे तक आर्यन तिवारी के साथ मिलकर धूप में बहुत मेहनत करते थे। मैंने उस समय कार्तिकेय से कहा था कि जिस तरह से तुम मेहनत कर रहे हो एक दिन बड़े स्तर पर क्रिकेट खेलोगे। वह मुझसे कहते थे कि जब मैं कानपुर में था और आसमान में हवाई जहाज उड़ते हुए देखता था तो मेरे मन में ख्याल आता था कि मुझे इसमें जाना है। लेकिन, लोग तब मुझे पागल कहते थे। कार्तिकेय अकादमी से 80 किमी दूर एक फैक्ट्री में मजदूरी करते थे। रात भर मजदूरी करते फिर सुबह-सुबह कोचिंग के लिए जाते। जब कार्तिकेय मेरे पास आए तो नीतीश राणा सहित कई सीनियर खिलाड़ी थे, मैं कार्तिकेय को कहता था कि इनके साथ जाया करो। मैंने टीम के कप्तान से कहा कि इस लड़के को खिलाओ। उन्होंने कहा कि कार्तिकेय फील्डिंग अच्छी नहीं करते। इसके बाद कार्तिकेय तीन-चार घंटे तक फील्डिंग करते। उससे इसमें सुधार आया। आज बच्चे चुनौती को स्वीकार नहीं करते और अगर उनकी कोई बुराई करता है तो नाराज हो जाते है। लेकिन, कार्तिकेय नाराज नहीं होते थे। भारद्वाज ने दिल्ली में कार्तिकेय की कला की कदर नहीं होता देख उन्हें मध्य प्रदेश भेजा। मध्य प्रदेश के ट्रायल मैचों में कार्तिकेय ने हर पारी में पांच-पांच विकेट लिए। जल्द ही बिना कोई जूनियर बोर्ड ट्राफी खेले कार्तिकेय का रणजी ट्राफी में चयन हो गया। भारद्वाज ने देखी की वह इतना सफर करते है तो उन्होंने पूछा कि वह इतनी दूर क्यों रहते है। तब कार्तिकेय ने फैक्ट्री की नौकरी के बारे में बताया। भारद्वाज ने कार्तिकेय से कहा कि वह उनके कुक के साथ रह सकते है जिसको अकादमी में ही कमरा मिला हुआ था। भारद्वाज ने कहा, जब भारद्वाज कहते है कि उन्होंने कार्तिकेय से कहा था कि उनके पीछे ऐसा कोई नहीं है जिसकी मदद से वह क्रिकेट में आगे बढ़ सकते है, इसलिए तुम्हें अपने प्रदर्शन से ही आगे बढ़ना होगा।

पंजाब के खिलाफ किस प्लेइंग इलेवन के साथ उतर सकती है राजस्थान की टीम

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग के 15वें सीजन शनिवार को दोपहर 7 मई के मुकाबले में राजस्थान की टीम का सामना पंजाब किंग्स से होना है। यह मैच राजस्थान के लिए अहम होगा क्योंकि वह पिछले दो लगातार मुकाबले हार चुकी है। अब तक टाप तीन में बनी हुई टीम के लिए यह मुकाबला गंवाना मुश्किल खड़ी कर सकता है। पंजाब के खिलाफ टीम का प्लेइंग इलेवन कैसा होगा डालते है एक नजर। टीम के ओपनर जोस बटलर का बल्ला लगातार रन बरसा रहा है। तीन शतक जमा चुके बटलर इस सीजन में बड़े रिकार्ड की तोड़ सकते है। पिछले मुकाबले में भी टीम के लिए उन्होंने उपयोगी पारी खेली। पडिक्कल को उनका साथ देना होगा, बेहतर शुरुआत से टीम बड़े स्कोर तक आसानी से पहुंच सकती है। कप्तान संजू सैमसन ने इस सीजन में परिपक्वता के साथ बल्लेबाजी की है। पंजाब के खिलाफ उनको एक बार फिर से बड़ी पारी खेलनी होगी। रियान पराग के बल्ले से छोटी और उपयोगी पारी टीम के काम आ रही है। आज दोपहर के मुकाबले में उनके उपर भी नजरें बनी रहेंगी। नीचले क्रम में लगातार शिमरोन हेटमायर ने अपनी तेज पारी से टीम को मुश्किल से निकाला है।

प्लेआफ के बेहद करीब पहुंच चुकी गुजरात को मुंबई ने करवाया और इंतजार

मुंबई। मुंबई इंडियंस के आइपीएल 2022 में दूसरी जीत गुजरात टाइटंस के खिलाफ मिली। ये मुकाबला बेहद रोचक था और मुंबई को 5 रन से बेहद करीबी जीत मिली। गुजरात को मिली हार के बाद अब उसका प्लेआफ में पहुंचने का इंतजार थोड़ा और लंबा हो गया है जो पिछले 11 में से 8 मैच जीतकर 16 अंक के साथ प्लेआफ में जगह बनाने से एक ही जीत दूर है। अब मुंबई के हाथों गुजरात को मिली इस बार के बाद टीम के कप्तान हार्दिक पांड्या ने बताया कि आखिर वो कौन सी वजह रही जिससे उनकी टीम को हार का सामना करना पड़ा। गुजरात टाइटंस के कप्तान हार्दिक पंड्या ने शुक्रवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आइपीएल) के करीबी मुकाबले में मुंबई इंडियंस से मिली पांच रन की हार के बाद कहा कि अंतिम ओवर में नौ रन आसानी से बन सकते थे लेकिन दो खिलाड़ियों का रन आउट होना भारी पड़ गया। पंड्या और राहुल तेवतिया मैच में रन आउट हुए जिससे मुंबई इंडियंस ने डेनियल सैम्स की अंतिम ओवर में शानदार गेंदबाजी की बदौलत जीत हासिल की। गुजरात टाइटंस को अंतिम ओवर में नौ रन चाहिए थे लेकिन सैम्स (तीन ओवर में 18 रन) ने छह गेंद में केवल तीन रन दिए जिसमें तेवतिया रन आउट भी हुए। पंड्या ने हार का ठीकरा बल्लेबाजों पर फोड़ा और कहा कि मुझे लगता है कि बल्लेबाजों ने हमें निराश किया। टी20 मैचों में आप लगातार हार नहीं सकते। इसके लिये किसी को दोषी नहीं ठहरा सकते क्योंकि हम इस तरह के मैच जीते हैं। हमने गलतियां की जिसका खामियाजा भुगता। हमने अपनी पारी में 19.2 ओवर तक अच्छा क्रिकेट खेला, एक या दो हिट अंतर ला सकते थे। हमें इसे अंतिम ओवर तक नहीं पहुंचाना चाहिए था। पंड्या ने गेंदबाजों के प्रदर्शन की तारीफ की क्योंकि मुंबई इंडियंस अच्छी शुरुआत के बावजूद छह विकेट पर 177 रन का स्कोर ही बना सकी थी। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि हमारे गेंदबाजों ने शानदार काम किया और 170 रन के स्कोर पर ही रोक दिया क्योंकि वे 200 रन की ओर बढ़ रहे थे।

खास जर्सी के साथ 'मदर्स डे' को सेलिब्रेट करेगी लखनऊ की टीम

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग के 53वें मैच में लखनऊ का सामना कोलकाता नाइटराइडर्स से होगा। ये मैच महाराष्ट्र क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम मुंबई में खेला जाएगा। लखनऊ के लिए ये मैच बेहद ही खास है क्योंकि एक और जीत उसे प्लेआफ की दौड़ में और करीब ले जाएगी। फिलहाल टीम 14 अंकों के साथ गुजरात के बाद दूसरे नंबर पर है। कोलकाता के खिलाफ लखनऊ की टीम एक खास जर्सी के साथ उतरेगी। रविवार 8 मई को मदर्स डे है जिसको सेलिब्रेट करने के लिए टीम ये स्पेशल जर्सी के साथ मैदान मे उतरेगी। 8 मई को मदर्स डे सेलिब्रेट करने के लिए लखनऊ की टीम कोलकाता के खिलाफ जिस खास जर्सी को पहनकर उतरने वाली है। उसमें सभी खिलाड़ियों की मां का नाम लिखा होगा। ये टीम और खिलाड़ियों की तरफ से अपनी मां को उनके समर्पण, उनके त्याग और उन्हें ये जिंदगी देने के लिए थैंक्यू बोलने का एक खास मौका होगा जिसे टीम एक खास भाव के साथ बयान करेगी। इसकी जानकारी देते हुए लखनऊ सुपर जाइंट्स के ट्विटर हैंडल से एक वीडियो पोस्ट किया गया है जिसमें लिखा है ये आपके लिए मां, अब आप सुपरजाइंट्स तरीके से इस तरह मदर्स डे की तैयारी करते हैं। मैच की बात करें तो लखनऊ के लिए ये मैच बेहद खास है क्योंकि यदि वो यहां कोलकाता को हराने में कामयाब हो जाती है तो प्लेआफ में पहुंचना टीम का सुनिश्चित हो जाएगा। दूसरी तरफ कोलकाता की टीम पहले ही इस दौड़ से बाहर हो चुकी है। फिलहाल टीम 8वें नंबर पर है। अच्छी शुरुआत के बाद टीम को लगातार हार का सामना करना पड़ा था। फिलहाल टीम के पास 10 मैचों में 4 जीत के साथ 8 अंक है। दूसरी तरफ लखनऊ की टीम लगातार तीन मुकाबला जीत कर शानदार फार्म में है।

लखनऊ और कोलकाता के बीच मुकाबला कब और कहां देखें..........

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग के 15वें सीजन के 53वें मुकाबले में आज शाम लखनऊ सुपर जायंट्स की टीम का मुकाबला कोलकाता नाइट राइडर्स के साथ होगा। यह मैच कोलकाता के लिहाज से ज्यादा अहम है क्योंकि पांच लगातार हार के बाद टीम को पिछले मैच में जीत मिली थी। कोलकाता के पास 10 मैच के बाद महज चार जीत है जबकि लखनऊ ने उतने ही मुकाबले के बाद 7 जीत दर्ज की है। अंक तालिका में लखनऊ की टीम जहां दूसरे स्थान पर है तो वहीं कोलकाता की टीम इस वक्त आठवें स्थान पर है। कोलकाता को प्लेआफ में बने रहने के लिए अपने खेल को बेहतर करना होगा और लखनऊ की टीम के खिलाफ बड़ी जीत हासिल करनी होगी। इस मैच से पहले जान लीजिए इससे जुड़ी तमाम जानकारी। कब होगा लखनऊ सुपर जायंट्स और कोलकाता नाइट राइडर्स के बीच ये मैच 7 मई, शनिवार को होगा लखनऊ सुपर जायंट्स और कोलकाता नाइट राइडर्स के बीच ये मैच। कहां खेला जाएगा लखनऊ सुपर जायंट्स और कोलकाता नाइट राइडर्स के बीच ये मैच लखनऊ सुपर जायंट्स और कोलकाता नाइट राइडर्स के बीच यह मैच पुणे के महाराष्ट्र क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम में खेला जाएगा। कितने बजे शुरू होगा लखनऊ सुपर जायंट्स और कोलकाता नाइट राइडर्स के बीच ये मैच लखनऊ सुपर जायंट्स और कोलकाता नाइट राइडर्स के बीच यह मैच शाम 7.30 बजे शुरू होगा। कितने बजे होगा लखनऊ सुपर जायंट्स और कोलकाता नाइट राइडर्स के बीच इस मैच का टास लखनऊ सुपर जायंट्स और कोलकाता नाइट राइडर्स के बीच इस मैच का टास शाम 7 बजे होगा। लखनऊ सुपर जायंट्स और कोलकाता नाइट राइडर्स के बीच इस मैच को कहां देख सकते है?लखनऊ सुपर जायंट्स और कोलकाता नाइट राइडर्स के बीच इस मैच को स्टार स्पोर्ट्स के नेटवर्क या हाटस्टार पर देख सकते हैं। इसके अलावा इस मैच से जुड़ी हर खबर को आप आप दैनिक जागरण की वेबसाइट पढ़ सकते है।

राजस्थान के खिलाफ इस प्लेइंग इलेवन के साथ उतर सकती है पंजाब

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग के 15वें सीजन के 52वें मुकाबले में आज दोपहर पंजाब किंग्स का सामना राजस्थान रायल्स से होगा। यह मैच पंजाब की टीम के लिहाज से अहम है क्योंकि 10 मैच खेलने के बाद उसके खाते में 5 जीत ही है। प्लेआफ की दावेदारी मजबूत करने के लिए टीम को जीत चाहिए। आज के मैच में टीम का प्लेइंग कैसा हो सकता है इस पर डालते हैं नजर। पंजाब की टीम के पास ओपनिंग में कप्तान मयंक अग्रवाल और शिखर? धवन की जोड़ी है। कप्तान के बल्ले से रन कम निकले है जबकि धवन धमाकेदार फार्म में चल रहे है। राजस्थान के खिलाफ इस जोड़ी पर काफी कुछ निर्भर करेगा। शुरुआती मुकाबलों में धमाकेदार खेल दिखाने की वजह से भानुका राजपक्षे को प्लेइंग इलेवन में वापस लाया गया है। मिडिल आर्डर में लिविंग्स्टन जो टाप फार्म में है उनके साथ जोड़ी बना सकते है। शुरुआती विकेट गिरने के बाद यह दोनों टीम को संभालने के साथ पारी को तेजी से आगे भी बढ़ा सकते है। कगिसो रबाडा जैसे अनुभवी तेज गेंदबाज के साथ टीम के पास युवा अर्शदीप सिंह है। दोनों ही गेंदबाज के पास गेंद को दोनों तरफ मूव कराने की काबिलियत है। संदीप शर्मा के पास अनुभव है और वह राजस्थान को शुरुआती झटके दे सकते है। स्पिन मे राहुल चाहर का होना टीम के लिए फायदेमंद है। राजस्थान के खिलाफ उनकी गेंदबाजी अहम रहने वाली है। ऋषि धवन टीम के लिए गेंदबाजी विकल्प लेकर आते है पहले मैच में उन्होंने अपनी उपयोगिता साबित की थी।मयंक अग्रवाल (कप्तान), शिखर धवन, भानुका राजपक्षे, लियाम लिविंग्स्टिन, जानी बेयरस्टो, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), राहुल चाहर, ऋषि धवन, कगिसो रबाडा, अर्शदीप सिंह, संदीप शर्मा

नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र, प्रयागराज

भारत सरकार की कौशल विकास योजना में अगस्त 2021 से प्रारम्भ हो रहे सत्र के लिए निम्नलिखित ट्रेडों में दाखिले के लिए आवेदन पत्र आमंत्रित
ट्रेड प्रवेश योग्यता तथा प्रस्तुत विभिन्न पाठ्यक्रमों की अवधि इस प्रकार है-

क0सं0	ट्रेड का नाम	ट्रेड की अवधि	योग्यता
1.	कोपा	1 वर्ष	12वीं पास
2.	फिटर	2 वर्ष	10वीं पास
3.	बेसिक कम्प्युटिंग	6 माह	साक्षर
4.	डाटा इंट्री ऑपरेटर	6 माह	10वीं पास
5.	फायर प्रिवेन्शन एण्ड इंडस्ट्रियल सेफ्टी	6 माह	8वीं पास
6.	सेक्योरिटी सर्विस	6 माह	8वीं पास
7.	कम्प्यूटर हार्डवेयर एण्ड एसेम्बली	1 वर्ष	10वीं पास
8.	सर्टिफिकेट इन कम्प्युटर एप्लीकेशन	1 वर्ष	10वीं पास
9.	इलेक्ट्रिकल टेक्निशियन्स	1 वर्ष	8वीं पास
10.	रेफरिजरेटर एण्ड एयर कन्डिसनिंग	1 वर्ष	8वीं पास
11.	योगा असिस्टेन्ट	1 वर्ष	10वीं पास
12.	वेल्डिंग टेक्नोलॉजी	1 वर्ष	8वीं पास
13.	कम्प्यूटर टीचर ट्रेनिंग कोर्स	1 वर्ष	10वीं पास

1.प्रमाण पत्रः- सफल प्रशिक्षणार्थियों को भारत सरकार द्वारा प्रमाणपत्र दिए जाते है, जो केन्द्रीय सरकार एवं राज्य सरकार के अधीनस्थ पद एवं सेवा में भर्ती के लिए मान्य है। **2.चयन की प्रक्रियाः-** इस वर्ष कोविड-19 महामारी के चलते सभी सीटों पर दाखिले पहले आओ-पहले पाओ के आधार पर किये जायेंगे। **3.आयु सीमाः-** उम्मीदवारों की आयु 1 अगस्त 2021 को न्यूनतम 14 वर्ष से अधिक होनी चाहिए। **4.आवेदन कैसे करेः-** आवेदन फॉर्म संस्थान की वेबसाइट पर जाकर ऑनलाइन भरे जा सकते हैं तथा संस्थान के कार्यालय से निःशुल्क भी प्राप्त किया जा सकता है। **5.**आवेदन फॉर्म भरते समय पंजीकरण शुल्क रूपये 2665/- का भी देय होगा। **6.कक्षायें/उपस्थितिः-** छात्रों की उपस्थिति में दो भाग शामिल है- थ्योरी क्लास और ट्रेनिंग इस वर्ष कोविड-19 स्थिति के कारण सभी छात्र संस्थान द्वारा आयोजित ऑनलाइन कक्षाओं में भाग लेंगे तथा उसके लिए संस्थान में छात्रों की भौतिक उपस्थिती की अनिवार्यता नहीं है, जब तक कोविड-19 की वर्तमान स्थिति समाप्त नहीं हो जाती है। प्रशिक्षण के लिए छात्रो को प्रधानाचार्य की अनूमति के साथ, अपने सम्बंधित मूल स्थानों पर प्रशिक्षण पूरा करने की अनुमति है। परीक्षा के समय छात्रों की उपस्थिति अनिवार्य होगी। **7.छात्रवृत्तिः-** दाखिले के उपरांत शुल्क प्रतिपूर्ति के लिए सभी ट्रेडों में आरक्षित श्रेणी के अभ्यर्थी, जिनके पास आय प्रमाण पत्र एवं सम्बन्धित दस्तावेज मौजूद हो वे सभी भारत सरकार की छात्रवृत्ति योजनाओं में आवेदन कर सकते है। **8.** अधिक जानकारी के लिए संस्थान की वेबसाइटः- **www.nainiiti.com** देखें। **9.दाखिले की अंतिम तिथिः-** 15 मई 2022

सम्पर्क सूत्र :- 0532-2695959, 9415608710, 9807278552, 9415608790

पहले ही इस हॉलीवुड फिल्म ने की ताबड़तोड़ कमाई रिकॉर्ड तोड़ रहा कलेक्शन

नई दिल्ली। बॉलीवुड फिल्में इन दिनों साउथ इंडस्ट्री की मार से उबरने की कोशिश कर ही रही थी कि एक और मुसीबत सर पर आ गई। दक्षिण भारतीय सिनेमा की कामयाबी के बाद बॉलीवुड फिल्मों का दम निकलने हॉलीवुड की एंट्री हुई है। मार्वेल सिनेमैटिक यूनिवर्स (एमसीयू) की नई फिल्म 'डॉक्टर स्ट्रेंज इन द मल्टीवर्स ऑफ मैडनेस' ने रिलीज के पहले ही दिन भारत में ताबड़तोड़ ओपनिंग की है। 2500 से ज्यादा स्क्रीन्स पर अंग्रेजी के साथ साथ हिन्दी, तमिल, तेलुगु, कनन्ड़ और मलयालम में रिलीज हुई फिल्म 'डॉक्टर स्ट्रेंज इन द मल्टीवर्स ऑफ मैडनेस' रिलीज के पहले दिन ही भारत में सबसे सफल चौथी हॉलीवुड फिल्म बन गई है। इसकी रफ्तार देखकर अंदाजा लगाया जा सकता है कि बॉक्स ऑफिस पर बेलगाम दौड़ रही 'केजीएफ चैप्टर 2' के लिए मुश्किलें खड़ी होने वाली है।फिल्म 'डॉक्टर स्ट्रेंज इन द मल्टीवर्स ऑफ मैडनेस' ने रिलीज के पहले ही

जबरदस्त माहौल बनाया था, जिसका नतीजा ये हुआ कि फिल्म की ज्यादातर टिकट एडवांस बुकिंग में ही भर चुकीं थीं। इसके चलते इस हॉलीवुड फिल्म ने अपने रिलीज के पहले दिन ही करीब 30 करोड़ का बिजनेस किया है। इस फिल्म के बाद से एडवांस बुकिंग के जरिए फिल्म को हिट कराने का नया ट्रेड शुरू हो गया है।पहले दक्षिण भारतीय फिल्मों ने बॉलीवुड की नींदे हराम की हुईं हैं और ऐसे में एक हॉलीवुड फिल्म का पहले दिन ही 30 करोड़ कमाना इनके लिए खतरे की घंटी हैं। हालांकि 'डॉक्टर स्ट्रेंज इन द मल्टीवर्स ऑफ मैडनेस' ने भारत में सिर्फ अंग्रेजी और हिन्दी में ठीक-ठाक कलेक्शन किया, बाकि भाषाओं में इसका प्रदर्शन उतना अच्छा नहीं रहा।बता दें कि 'डॉक्टर स्ट्रेंज इन द मल्टीवर्स ऑफ मैडनेस' के पहले रिलीज हुई एमसीयू की फिल्म 'स्पाइडरमैनः नो वे होम' 3250 से ज्यादा स्क्रीन्स पर रिलीज हुई थी। इस फिल्म ने भारत में पहले दिन करीब 32.67 करोड़ की ओपनिंग की थी। इस तरह डॉक्टर स्ट्रेंज ने भारत में सबसे ज्यादा ओपनिंग लेने वाली टॉप 5 हॉलीवुड फिल्मों में से कैप्टन मार्वल को बाहर कर लिया है।

'केजीएफ 2' के इस सीन से फैन ने की आखिर क्यों की सलमान खान की तुलना बताया कौन है असली 'सुल्तान'

नई दिल्ली। कनन्ड़ फिल्म इंडस्ट्री के सुपरस्टार यश की ब्लॉकबस्टर फिल्म 'केजीएफ चैप्टर 2' रिलीज के तीसरे हफ्ते भी बॉक्स ऑफिस पर बवाल मचा रही है। ये फिल्म हर दिन कमाई के मामले में नए रिकॉर्ड बना रही है। इस फिल्म ने कई भाषाओं में बेहतरीन कमाई की है। फैंस सोशल मीडिया पर इस फिल्म की तारीफ करते ?नजर आ रहे हैं। वहीं इस फिल्म की कहानी के साथ रॉकी भाई पर फिल्माए गए कई सीन्स ऐसे हैं जो फैंस के दिल के बेहद करीब हैं। इन सीन्स में रॉकी भाई का स्वैग बस देखने ही लायक है। इस बीच ट्विटर पर एक इसी फिल्म का सीन और सलमान के ईद की एक तस्वीर को आपस में जोड़कर एक फैन ने रियर और रील में तुलना की हैं। सलमान और यश की ये तस्वीर इस वक्त सोशल मीडिया पर काफी चर्चा में बनीं हुई है। यहां देखें तस्वीर ट्विटर पर एक यूजर ने

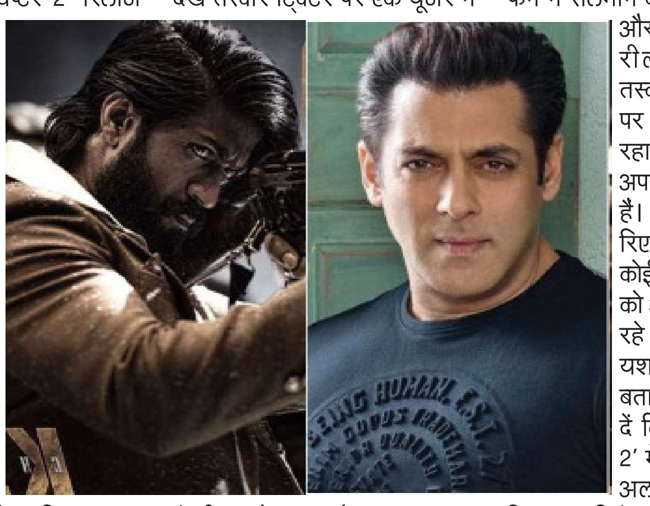

'केजीएफ चैप्टर 2' और सलमान खान के ईद के दौरान की तस्वीर शेयर की है। इस तस्वीर में आप देख सकते हैं कि जहां एक फोटो में जहां सलमान खान गैलेक्सी अपार्टमेंट की बालकनी में खड़े हो कर फैंस का अभिवादन कर रहे हैं, तो वहीं दूसरी यश की फिल्म 'केजीएफ 2' के एक सीन की है। इसमें वो बस्ती वाले लोगों से बात करते नजर आ रहे हैं। इन्हीं दोनों तस्वीरों का कोलाज बनाकर ट्विटर फैन ने सलमान की फोटो पर रियल और यश की फोटो पर रील लिखा है। ये तस्वीर सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। इस पर फैंस अपने रिएक्शन दे रहे हैं। इस पर मिलेजुले रिएक्शन आ रहे हैं। कोई लोग सलमान खान को असली सुल्तान बता रहे हैं तो वहीं कई लोग यश को असली भाई बता रहे हैं आपको बता दें कि 'केजीएफ चैप्टर 2' में अभिनेता यश के अलावा बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता संजय दत्त और अभिनेत्री रवीना टंडन भी मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म में इन दोनों कलाकारों की एक्टिंग को भी खूब पसंद किया जा रहा है। केजीएफ का पहला चैप्टर साल 2018 में आया था। इस फिल्म को भी बॉक्स ऑफिस दर्शकों को काफी प्यार मिला था। जिसके बाद से केजीएफ चैप्टर 2 का दर्शक इंतजार कर रहे थे।

अनुपम खेर ने एसएस राजामौली के साथ साझा की जॉइंट फैमिली के बचपन की कहानियां, कहा- 'क्या अद्भुत बातचीत थी'

नई दिल्ली। 'द कश्मीर फाइल्स', 'स्पेशल 26', 'बेबी' जैसी फिल्म में लोगों पर अपनी एक्टिंग की छाप छोडने वाले अभिनेता अनुपम खेर सोशल मीडिया पर जबरदस्त एक्टिव रहते हैं। वो अक्सर अपनी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ से जुड़े अपडेट साझा

करते रहते हैं। अब उन्होंने आरआरआर निर्देशक एसएस राजामौली से की मुलाकात की झलक शेयर की है। इन तस्वीरों में अनुपम खेर और निर्देशक एसएस राजामौली काफी गर्मजोशी के साथ मिल रहे हैं। फोटोज को द कश्मीर फाइल्स अभिनेता ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर शेयर किया है। जिसमें उन्होंने बताया कि, सयुंक्त परिवार के बचपन की कहानी साझा कर बहुत अच्छा लगा। तस्वीरों को इंस्टाग्राम पर साझा कर उन्होंने एक प्यार भरा नोट भी लिखा है। अभिनेता ने फोटोज शेयर कर कैप्शन लिखा, क्या कमाल का आदमी है और क्या अद्भुत बातचीत थी, गोवा फेस्ट में एसएस राजा मौली के साथ संयुक्त परिवारों के बचपन की कहानियां। हमारे महाकाव्यों और निश्चित रूप से सिनेमा में जीवन के बारे में उनसे बात करके काफी अच्छा लगा। जय हो। हाल ही में वो अनिल कपूर और हर्षवर्धन कपूर अभिनीत फिल्म थार की स्पेशल स्क्रीनिंग में भाग लेने पहुंचे थे, जिसकी कई तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर की थी। साथ ही उन्होंने मूवी देखने के बाद फिल्म और स्टार कास्ट की जमकर तारीफ की थी। इन तस्वीरों को सोशल मीडिया हैंडल पर शेयर कर उन्होंने लिखा, थार एक अनोखी कहानी की बहुत ही अनूठी प्रस्तुति। फिल्म के बहुत ही खूबसूरत से शूट किया गया है। अनिल कपूर, सतीश कौशिक और पूरी कास्ट का बहुत ही अच्छा अभिनय और दिलचस्प था, लेकिन हर्षवर्धन इस फिल्म का दिल हैं। वहीं, बात अगर उनके वर्कफ्रंट की करें तो वो विद्युत जामवाल के निर्देशन में बन रही फिल्म आईबी 71 में भी नजर आने वाले हैं। संकल्प रेड्डी के निर्देशन में बन रही इस फिल्म में अनुपम खेर विद्युत जामवाल के साथ मुख्य किरदार में नजर आने वाले हैं। इस एक्शन ड्रामा फिल्म की काहनी साल, 1971 में हुए भारत-पाकिस्तान युद्ध के इर्द-गिर्द घूमती हुई दिखाई देंगी। सस्पेंस से भरपूर ये फिल्म एक सच्ची घटना पर आधारित है। फिल्म में दिखाया जाएगा कि किस तरह भारतीय खुफिया अधिकारियों ने पूरे पाकिस्तानी प्रतिष्ठान को हिला कर रख दिया था। इसके अलावा अभिनेता सूरज बड़जात्या के निर्देशन में बन रही फिल्म ऊंचाई में नजर आने वाले हैं।

मौनी रॉय का बोल्ड से लेकर संस्कारी अंदाज देख फैंस ने कहा नागिन है सबको काट लेगी

नई दिल्ली। मौनी रॉय आज किसी पहचान की मोहताज नहीं हैं। सीरियल क्योंकि 'सास भी कभी बहू से' अपने करियर की शुरुआत करने

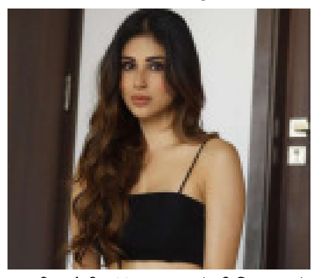

वालीं मौनी रॉय आज टेलीविजन से लेकर बॉलीवुड तक अपने अभिनय का लोहा मनवा रही हैं। नागिन एक्ट्रेस मौनी रॉय सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव हैं और वह अक्सर अपने कातिलाना लुक से फैंस का दिल जीत लेती हैं। हाल ही में मौनी रॉय ने सोशल मीडिया पर फोटोज की एक पूरी सीरिज शेयर की, जिसे देखने के बाद फैंस भी उनकी खूबसूरती की तारीफ करते नहीं थक रहे हैं। मौनी रॉय ने अपने इंस्टाग्राम पर एक के बाद एक दिलकश तस्वीरें शेयर की। पहली तस्वीर में जहां मौनी आंखों पर चश्मा लगाए और लैपटॉप पर काम करते हुए काफी मासूम लगीं तो वही दूसरी तस्वीर में मौनी रॉय बिकिनी पहने हुए समुद्र किनारे सूरज के सामने आंखें बंद कर बैठी हुई नजर आईं। मौनी रॉय की यह तस्वीर बेहद बोल्ड है। इसके बाद मौनी रॉय ने ब्लैक रंग के क्रॉप टॉप और ट्राउजर में कैमरे को एकटक निहारते हुए नजर आ रही हैं। इसके अलावा मौनी ने शॉर्ट ड्रेस में, नागिन लुक में लहंगे और साड़ी में कई अलग-अलग तस्वीरें पोस्ट की, जिसमें मौनी रॉय का बेब से लेकर देसी अंदाज तक लोगों को खूब पसंद आ रहा है।

राष्ट्रभाषा विवाद में कूदे जावेद जाफरी

नई दिल्ली। बॉलीवुड एक्टर अजय देवगन और कनन्ड़ अभिनेता किच्चा सुदीप के बीच पिछले हफ्ते राष्ट्रभाषा को लेकर ट्विटर पर जंग छिड़ गई। हुआ ये कि किच्चा सुदीप ने हिन्दी को राष्ट्रभाषा मानने से इनकार किया और अजय देवगन ने हिन्दी को राष्ट्रभाषा बताया। इसके बाद इस विवाद में और भी सेलेब्स कूद पड़े। कुल मिलाकर ये आंधी थमने का नाम नहीं ले रही क्योंकि अब इस विवाद की आग में एक्टर जावेद जाफरी ने भी आहुति दे दी है। एक्टर के मुताबिक उन्हें भी अजय की तरह पहले लगता था कि हिन्दी भारत की राष्ट्रभाषा है।' इंडिया टुडे को दिए इंटरव्यू में जावेद जाफरी ने कहा, 'संवैधानिक रूप से कोई एक भाषा नहीं है। मैं आधिकारिक भारतीय भाषाओं को देख रहा था और संविधान किसी भी भाषा को राष्ट्रभाषा का दर्जा नहीं देता। इससे पहले मुझे भी लगता था कि हिन्दी राष्ट्रभाषा है। लेकिन मैंने देखा कि संविधान किसी भी भाषा को राष्ट्रभाषा का दर्जा नहीं प्राप्त है।'

उन्होंने अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए कहा, 'देखिए, बात अनेकता में एकता की है। यही इस देश की खूबसूरती थी और यही है। आपके पास राष्ट्रीय पक्षी या राष्ट्रीय फूल है। हर चीज का अनुसरण करना है और मुझे लगता है कि किसी भी दूसरे देश में ऐसा नहीं है। धर्म बहुत हैं, लेकिन राष्ट्र धर्म नहीं है, कोई राष्ट्रभाषा नहीं है। बता दें कि इस राष्ट्रभाषा विवाद में बॉलीवुड, टॉलीवुड और यहां तक कि राजनेता भी कूद पड़े हैं। कोई अजय देवगन को सपोर्ट कर रहा है तो किसी को किच्चा सुदीप सच्चे नजर आ रहे हैं। कंगना रनोट, सोनू निगम, सोनू सूद, मनोज बाजपेयी जैसे सितारे इसपर अपना मत पहले ही जाहिर कर चुके हैं। ऐसे में ये विवाद हाल फिलहाल तो थमता नजर नहीं आ रहा है। वर्क फ्रंट की बात करें तो जावेद जाफरी हाल ही में सैफ अली खान और अर्जुन कपूर के साथ भूत पुलिस में नजर आए थे।

कियारा आडवाणी संग ब्रेकअप के बीच इस बंगाली एक्ट्रेस संग रोमांस करते नजर आए सिद्धार्थ मल्होत्रा, वीडियो देख हैरान हुए फैंस

नई दिल्ली। बॉलीवुड फिल्म इंडस्ट्री में कब किसका ब्रेकअप हो जाए और कब किसके बीच प्यार कुछ पता नहीं चलता। वहीं बीते कुछ वक्त से बॉलीवुड एक्टर सिद्धार्थ ?मल्होत्रा और कियारा आडवाणी के बीच ब्रेकअप की खबरें काफी चर्चा में रही हैं। इस खबर ने दोनों के फैंस को काफी निराश किया। हलांकि हाल ही में कियारा और सिद्धार्थ एक बार फिर से साथ दिखे थे। लेकिन इसी बीच सिद्धार्थ का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। इस वीडियो में वह कियारा की जगह किसी और एक्ट्रेस संग रोमांस करते दिख रहे हैं। यहां देखें वीडियो सिद्धार्थ मल्होत्रा के वायरल हो रहे वीडियो में आप देख सकते हैं कि वो एक खूबसूरत एक्ट्रेस संग रोमांस करते दिख रहे हैं। ये कोई और नहीं बल्कि फेमस टीवी और बंगाली एक्ट्रेस ट्रिना साहा है। सिद्धार्थ, ट्रिना के साथ अपनी फिल्म 'स्टूडेंट ऑफ द इय्यर' के रोमांटिक सॉन्ग 'इश्क वाला लव' को रिक्रिएट करते नजर आ रहे हैं। ये गाना सिद्धार्थ और आलिया पर फिल्माया गया था। इस दौरान दोनों काफी कोजी होते दिख रहे हैं।इस रोमांटिक वीडियो को एक्ट्रेस ट्रीना साहा ने अपने इंस्टग्राम अकाउंट पर शेयर किया था। दोनों का ये वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। इस वीडियो में दोनों की रोमांटिक केमेस्ट्री फैंस को काफी पसंद आ रही है। इसे शेयर करते हुए ट्रीना ने कैप्शन में लिखा, 'इश्क वाला लवष्ठ सिद्धार्थ मल्होत्रा।' वीडियो में आप देख सकते हैं कि ट्रीना अपने बंगाली लुक में दिख रही हैं। तो वहीं सिद्धार्थ व्हाइट टीशर्ट और व्हाइट जींस के साथ पिंक कलर की प्रिंटेड शेर्ट में नजर आ रहे हैं। सिद्धार्थ मल्होत्रा के वर्कफ्रेंट की बात करें तो वह जल्द रोहित शेट्टी की पहली बेव सीरीज 'इंडियन पुलिस फोर्स' से डिजिटल डेब्यू कर रहे हैं। इसमें वह एक पुलिस ऑफिसर का किरदार निभा रहे हैं। इसके अलावा वह 'मिशन मजनू', 'थैंक गॉड', 'योद्धा' और 'भारतीय वायु सेना' में भी नजर आने वाले हैं।

अपनी फिल्मों से देश को एकजुट करने की कोशिश करते हैं आयुष्मान खुरान 'अनेक' को लेकर कही ये बात

नई दिल्ली। बॉलीवुड अभिनेता आयुष्मान खुराना अपनी फिल्म 'अनेक' को लेकर लंबे वक्त से चर्चाओं में हैं। अनेक में आयुष्मान खुराना का सबसे अलग अंदाज देखने को मिल रहा है। इस फिल्म में वो एक अंडरकवर एजेंट की भूमिका में नज आने वाले हैं। अब उन्होंने फिल्म में अपने किरदार और फिल्म को चुनने के बारे में बात करते हुए खुलासा किया है कि, इस फिल्म में वो एक ऐसे व्यक्ति का किरदार निभा रहे हैं। जो देश को एकजुट करने की कोशिश करता है ईटाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार उन्होंने कहा, समावेशी विषय, विघनकारी स्क्रिप्ट और भूमिकाओं के माध्यम से देश को एकजुट करने की कोशिश की है, जो वर्तमान स्थिति पर सवाल उठाती है। वहीं, उन्होंने कहा कि, फिल्म में उन्हें ऐसे व्यक्ति के रूप में देखा जा सकता है। जो समाज में परिवर्तन लाने की एक नई बहस को शुरू करने में अहम योगदान देता है और अपने काम को सही तरीके से करता है। जोशुआ किरदार के बारे में समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार कहा, ये पहली बार है जब दर्शक मुझे इस अवतार में देखेंगे। मैंने पहले भी एक बार पुलिस वाले की भूमिका निभाई है, लेकिन ये पहली बार है जब वो मुझे अंडरकवर एजेंट के रूप में देखेंगे। अनेक में जोशुआ काफी स्मार्ट और इंटेलिजेंट है और लोगों के आस-पास रहकर अपना रास्ता बनाता है। ना केवल शारीरिक रूप से बल्कि अपनी मानसिक दक्षता से अलगावाद से लड़ता है। हाल ही में फिल्म का ट्रेलर रिलीज किया गया था, जिसमें आयुष्मान भारत के नॉर्थ ईस्ट संबंधित क्राइम और राजनीति के साथ-साथ उस क्षेत्र से आने वाले लोगों की परेशानी को भी

दिखाया गया है। इसके साथ ही फिल्म ये संदेश देने की भी कोशिश करती हैं कि भाषा के आधार पर लोग कैसे बंटे हुए हैं। 'अनेक' के ट्रेलर को इंस्टाग्राम पर शेयर करते हुए आयुष्मान खुराना ने लिखा, 'भाषा अनेक, संस्कृति अनेक, वेश अनेक.. लेकिन देश का जज्बा सिर्फ एक - जीतेगा कौन? हिंदुस्तान! बता दें, अनुभव सिन्हा के निर्देशन में बनी अब ये फिल्म 27 मई, 2022 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

बॉयफ्रेंड केएल राहुल नहीं बल्कि इनके साथ शिफ्ट होने वाली हैं अथिया शेट्टी, शादी की खबरों पर भी तोड़ी चुप्पा

नई दिल्ली। बॉलीवुड एक्ट्रेस अथिया शेट्टी और इंडियन क्रिकेट टीम के वाइस कैप्टन केएल राहुल के इश्क और शादी के चर्चे आज कल आम हैं। हाल ही में खबरें आईं कि कपल

ने बांद्रा के कार्टर रोड स्थित एक बिल्डिंग में एक 4 बीएचके अपार्टमेंट रेंट पर लिया है और जल्द दोनों इस आलिशान अपार्टमेंट में शिफ्ट होने वाले हैं। अपने नए में शिफ्ट होने की खबरों पर हाल ही में एक्ट्रेस ने चुप्पी तोड़, सच्चाई उजागर की। अथिया शेट्टी ने साफ कहा कि वह केएल राहुल के साथ नए घर में शिफ्ट नहीं हो रही हैं। अथिया शेट्टी ने रणबीर कपूर और आलिया भट्ट के पड़ोस में नया घर लिया है। शिफ्टिंग को लेकर कहा जा रहा था कि वह जल्द अपने नए घर में बॉयफ्रेंड केएल राहुल के साथ शिफ्ट होंगी। अब एक्ट्रेस ने खुद शिफ्टिंग का सच सबके सामने रखा है। ईटाइम्स से बात करते हैं अथिया शेट्टी ने साफ-साफ कहा, 'मैं किसी और के साथ नहीं, बल्कि अपने मम्मी-पापा के साथ नए घर में शिफ्ट होने जा रही हूं। मैं अपने परिवार के साथ अपने बिल्कुल नए घर में रहेंगे'। फिलहाल अथिया अपने मम्मी-पापा और भाई अहान के साथ दक्षिण मुंबई में अपने अल्टामाउंट रोड स्थित घर पर रहती हैं। शादी की अफवाहों के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, 'मैं इनमें से किसी भी सवाल का जवाब नहीं दे रही हूं। मैं इन सबसे अब थक गई हूं, अब मैं केवल उन पर हंसती हूं और क्या करें लोगों को वो सोचने दें जो वो सोचना चाहते हैं।' अथिया और केएल राहुल की अफेयर की खबरें लंबे समय से आ रही थीं। दोनों ने इन खबरों पर मुहर लगाई जब वे पिछले साल अपने भाई अहान शेट्टी की फिल्म तड़प के प्रीमियर में शामिल हुए। वर्कफ्रंट की बात करें तो अथिया को आखिरी बार 2019 की फिल्म मोतीचूर चकनाचूर में नवाजुद्दीन सिद्दीकी के साथ देखा गया था।

कंगना रनोट ने फिनाले से कुछ घंटे पहले इस कंटेस्टेंट को किया शो से बाहर, आज उठेगा विनर के नाम से पर्दा

नई दिल्ली। कंगना रनोट के अत्याचारी खेल का फिनाले जल्द ही होने वाला है। पर इससे पहले ही शो में कई चौंकाने वाले ट्विस्ट देखने को मिले। हाल ही में इस जेल में कुछ ऐसा हुआ जिसे देखकर दर्शक भी शॉक्ड रह गए। फिनाले से ठीक पहले एक कंटेस्टेंट को शो से बाहर का रास्ता दिखा दिया गया है। इस सेलेब्स को

ट्रॉफी का प्रबल दावेदार माना जा रहा था, ऐसे में ऐन वक्त पर उसके बाहर हो जाने से जेलवासी भी हैरान हैं। हुआ ये कि 'लॉक अप' से सायशा शिंदे को बाहर का रास्ता दिखा दिया गया है। फिनाले से महज कुछ घंटे पहले ही शो से आउट हो जाना उनके लिए भी किसी झटके से कम नहीं था। बता दें कि सायशा शिंदे के साथ ऐसा पहली बार नहीं हुआ है, इससे पहले भी उन्होंने कंगना रनोट से किसी बात को लेकर बहस कर ली थी। कंगना ने सायशा से माफी मांगने को कहा, तो उन्होंने साफ मना कर दिया। हालांकि बाद में उन्होंने माफी भी मांगी और शो में वापस भी आईं। लेकिन अब जब शो अपने आखिरी पड़ाव पर है, उस समय उन्हें कंगना की जेल से ऐसे बाहर निकल जाना काफी खल रहा है। कंगना रनोट के इस रियलिटी शो 'लॉक अप' का फिनाले आज यानी 7 मई को हो रहा है। शो की शुरुआत 27 फरवरी को हुई थी और इसे ऑल्ट बालाजी और एमएक्स प्लेयर प्लेटफॉर्म पर 24 7 लाइव-स्ट्रीम किया जाता है। सायशा के एलिमिनेशन के साथ प्रिंस नरूला, मुनव्वर फारुकी, शिवम शर्मा, अंजलि अरोड़ा, आजमा फलाह और पायल रोहतगी अब शो के बचे हैं। इन सबके बीच ट्रॉफी जीतने के लिए कांटे की टक्कर देखने को मिल रही है। आज हो रहे फिनाले में कई परफॉर्मेंस भी देखने को मिल सकती हैं। जेलर करण कुंद्रा के साथ उनकी गर्लफ्रेंड और बिग बॉस विनर तेजस्वी प्रकाश भी वॉर्डेन की भूमिका में नजर आएंगी।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक डा. दीपक अरोरा द्वारा
श्री आधुनिक प्रिन्टर्स एण्ड पैकेजर्स प्रा.लि.
1-मिर्जापुर रोड नैनी प्रयागराज उ.प्र. 211008 से मुद्रित एवं एम2ए/25एडीए कालोनी नैनी प्रयागराज 211008 (उ.प्र.) से प्रकाशित
सम्पादकः-डा. दीपक अरोरा
मो0न0 09415608783
RNI No. UPHIN/2012/41154
डाक पंजीयन नं. 99/2021-23
website:www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगे।

बोर्ड पास छात्र-छात्राएं चिंता छोड़े बनाएं अपना भविष्य...

नैनी/इलाहाबाद। इलाहाबाद यूपी एवं सीबीएसई बोर्ड से हाई स्कूल इंटरमीडिएट परीक्षाओं में सफल छात्र-छात्राओं के पास अपना भविष्य बनाने का सुनहरा मौका हैं। ऐसे अभ्यर्थी को भविष्य बनाने का मौका नैनी इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग इंस्टिट्यूट दे रहा है। इसके जरिए बिना अतिरिक्त समय गवाएं आसानी से अपना भविष्य बना सकते हैं। यह चमत्कार होगा व्यावसायिक शिक्षा से। तीनों बोर्ड के परिणाम घोषित हो चुके हैं। इन बोर्ड परीक्षाओं में उत्तीर्ण प्रदेश के तकरीबन छब्बीस लाख विद्यार्थियों के सामने उच्च शिक्षा के साथ अच्छे करियर की भी चिंता है। ऐसे विद्यार्थियों के लिए इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट आईटीआई में चलने वाले कोर्सेज फॉर स्पीड के रूप में सामने आए हैं। धीरे-धीरे यह रोजगार की गारंटी बनते जा रहे हैं इनकी पत्रदाई के बाद सरकारी और निजी संस्थानों में नौकरी के अलावा स्वरोजगार अवसर के साधन है। इसके अलावा आईटीआई में एक लाख से अधिक युवाओं की मांग है इसके विपरीत हर साल मात्र तीस हजार प्रशिक्षित युवा मिल रहे हैं। इसके अलावा इन दिनों हिमाचल रोड ट्रांसपोर्ट समेत कई विभागों में सैकड़ों पदों के लिए आईटीआई पास अभ्यर्थियों से आवेदन मांगे गए हैं। आईटीआई पास अभ्यर्थियों के लिए रेलवे में ढेरों संभावनाएं हैं ऐसे में विशेषज्ञों की सलाह है कि परंपरागत कोर्स के साथ युवा आईटीआई की ओर ध्यान देकर बेहतर कैरियर प्राप्त कर सकते हैं। आर्थिक रूप से कमजोर तथा पढ़ाई में बहुत अच्छा नहीं करने वाले विद्यार्थियों के लिए भी यह एक बेहतर विकल्प है। औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र के प्रवक्ता **वरुण स्वराज** से हुई खास बातचीत में उन्होंने इसके बारे में विस्तार से जानकारी दी।

पूछे गए सवाल

प्रश्न- नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र क्या है? इसके बारे में बताएं।

उत्तर- नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र जो नैनी आईटीआई के नाम से लोकप्रिय है एवं तर्कणीय तौर पर अपने प्रकार का एक मात्र संस्थान है जो उद्योग सहयोग हेतु भारत सरकार शासनादेश संख्या नंबर डीजीईटी-6/24/78/2008- टी.सी. द्वारा श्रम एवं रोजगार मंत्रालय, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्योग मंत्रालय भारत सरकार द्वारा स्थापित संस्था नियमानुसार विभिन्न प्रदेश राष्ट्रीय निकायों द्वारा मान्यता प्राप्त है। एनसीवीटी-डीजीटी-नई दिल्ली, एनएसआइसी- नई दिल्ली, एनआईओएस - नई दिल्ली।

प्रश्न- नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र में अध्ययन से क्या लाभ है?

उत्तर- वर्तमान परिदृश्य में पाठ्यक्रम आईटीआई द्वारा समय पर परीक्षाएं एवं समय पर परीक्षा परिणाम का अपग्रेडेशन। श्रेष्ठ परीक्षा परिणाम बेहतर प्लेसमेंट सांस्कृतिक एवं अन्य गतिविधियां का सूर गठित आयोजन विद्यार्थियों का संपूर्ण विकास मूल्य एवं गुणवत्ता आधारित शिक्षा, व्यवस्थित एवं सुनियोजित एकेडमिक कैलेंडर, डेडीकेटेड टू एजुकेशन मिशन को पूरा करने के उद्देश्य से संस्थान 9 वर्षों से प्रयासरत है। केंद्र से आज तक 5000 से अधिक प्रशिक्षणार्थियों को सफलतापूर्वक प्रशिक्षित किया जा चुका है एवं केंद्र द्वारा प्रशिक्षित छात्र छात्राएं इस समय सफलता प्राप्त कर चुके हैं। सफलता पूर्वक प्रशिक्षण पूर्ण करने वाले प्रशिक्षणार्थियों को भारत सरकार द्वारा प्रमाण पत्र दिए जाते हैं जो देश विदेश में सभी जगह मान्य है।

प्रश्न- नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र में कौन से पाठ्यक्रम संचालित किए जाते हैं?

उत्तर- कोपा (कम्प्यूटर आपरेटर एण्ड प्रोग्रोमिंग आसिस्टेंट), फीटर, बेसिक कंप्यूटिंग, डाटा एंट्री ऑपरेशन, फायर प्रीवेंशन एंड इंडस्ट्रियल सेफ्टी, सिक्योरिटी सर्विस, कंप्यूटर हार्डवेयर एंड मेंटेनेंस इन कंप्यूटर एप्लीकेशन, सीसीए (सर्टिफिकेट इन कम्प्यूटर एप्लीकेशन), इलेक्ट्रिकल टेकिनशियन, रेफ्रिजरेशन एंड एयर कंडीशनिंग, योगा असिस्टेंट, वेल्डिंग टेक्नोलॉजी, सीएनसी प्रोग्रामिंग एंड ऑपरेशन, इलेक्ट्रिशियन, कंप्यूटर टीचर ट्रेनिंग, इत्यादि।

प्रश्न- आपके औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र एवं अन्य प्रशिक्षण केंद्रों में क्या अंतर है?

उत्तर- नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र अंतर्राष्ट्रीय मानक आई.एस.ओ प्रमाणित है एवं श्रम रोजगार मंत्रालय भारत सरकार द्वारा इसकी स्टार (सितार) ग्रेडिंग की गई है एवं एम.आई.एस.डिफेंस मिनिस्ट्री भारत सरकार द्वारा अधिकृत प्रशिक्षण केंद्र भी नियुक्त किया गया है। अत्यधिक जानकारी के लिए आप फोन भी कर सकते हैं हमारे फोन नंबर इस प्रकार है- 0532-2695959, 9415608710, 9415608783, 9415608790, 7459860480, 7380468640, 6394370734।

आरके अग्रहरि अनुदेशक राजकीय आईटीआई नैनी, नैनी आईटीसी की प्रवेश विवर्णिका का विमोचन करते हुए।

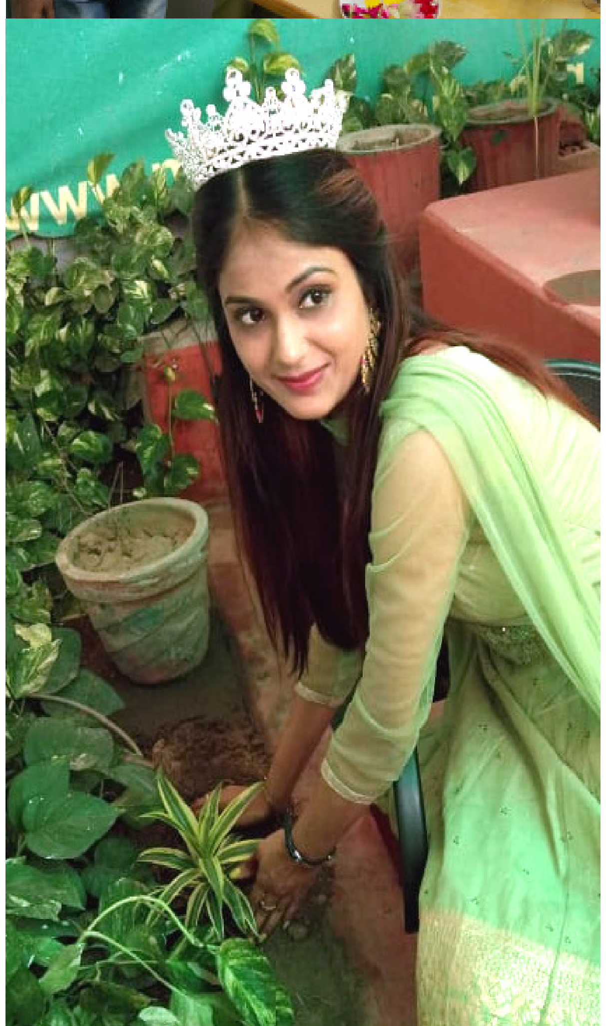

आकांक्षा वर्मा टीवी एक्ट्रेस नैनी आईटीसी का भ्रमण करते हुए।

स्मृति सिंह मिसेज एशिया पेसिफिक नैनी आईटीसी के छात्रों को साथ।

बोर्ड पास छात्र-छात्राएं चिंता छोड़े बनाएं अपना भविष्य

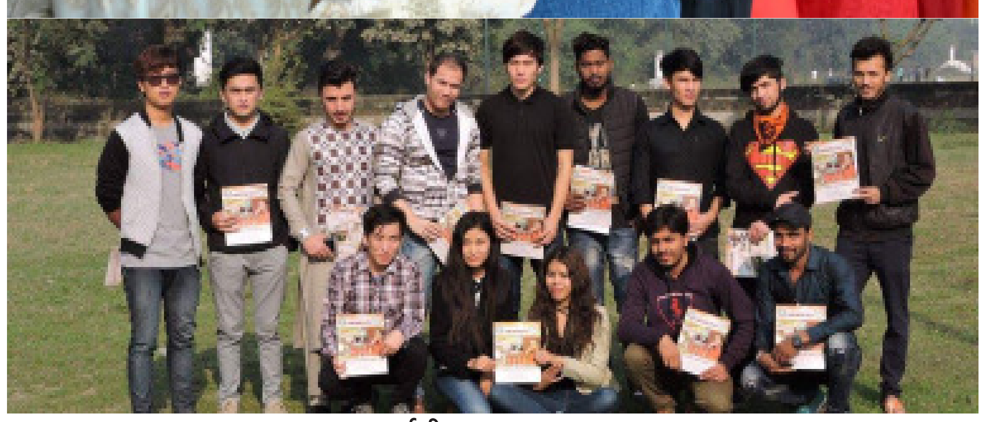

अन्तर्राष्ट्रीय छात्र समूह

एसके गुप्ता प्रधानाचार्य राजकीय आईटीआई नैनी, नैनी आईटीसी के अनुदेशकों से बात करते हुए।

आरके दुबे प्रधानाचार्य राजकीय आईटीआई भदोही नैनी आईटीसी की वेबसाइट का विमोचन करते हुए।

मो. कौशर अनुदेशक नैनी आईटीसी द्वारा राजकीय आईटीआई के समस्त अनुदेशकों नैनी आईटीसी के छात्रों द्वारा बनाये गये मास्क वितरित करते हुए।

नैनी आईटीसी के छात्रों द्वारा बनाया गया मॉडल।

अर्चना सरोज अनुदेशक कोपा ट्रेड राजकीय आईटीआई खागा नैनी आईटीसी के छात्रों को पढ़ाते हुए।

कार्यालय प्रधानाचार्य नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र
(भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त)

सीधे प्रवेश सूचना

नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र मे प्रस्तावित व्यवसायो मे अगस्त 2021मे प्रारम्भ होने वाले सत्र मे प्रवेश हेतु इंजीनियरिंग एवं नॉन इंजीनियरिंग प्रशिक्षण कोर्स कोपा, फिटर, बेसिक कम्प्यूटिंग, डाटा एन्ट्री ऑपरेशंस, फायर प्रीवेन्शन एण्ड इण्डस्ट्रीयल सेफ्टी, सिक्योरिटी सर्विस, कम्प्यूटर हार्डवेयर असेंबली एण्ड मेनटेनेन्स, सर्टिफिकेट इनक म्प्यूटर एप्लीकेसन (सी०सी०ए०), इलेक्ट्रिकल टेक्निशियन, रेफ्रिजरेशन एण्ड एयर कण्डिशनिंग,योगा असिस्टेंट, वेल्डिंग टेक्नोलॉजी, सी०एन०सी० प्रोग्रामिंग एण्ड ऑपरेशन, इलेक्ट्रीशियन, कम्प्यूटर टीचर ट्रेनिंग कोर्स के लिए न्यूनतम शैक्षिक योग्यता हाईस्कूल उत्तीर्ण है।

ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया :- इस प्रक्रिया के लिए हमारी वेबसाईट www.nainiiti.com पर जाकर Student's Zone → Online Form → Choose Course → Apply Now पर अपने व्यवसाय कोर्स का चयन कर अपना प्रवेश सुनिश्चित करें।

ऑफलाइन आवेदन प्रक्रिया :- इस प्रक्रिया में प्रशिक्षार्थी अपनी शैक्षिक योग्यता प्रमाण पत्र, आधार कार्ड एवं 4 पासपोर्ट साइज फोटोग्राफ के साथ प्रवेश कार्यालय में सम्पर्क करे।

नोट-: प्रवेश प्राप्त करने की अन्तिम तिथि 30 अप्रैल 2021 है।

अधिक जानकारी प्राप्त करने के लिए
visit us at : www.nainiiti.com

प्रवेश कार्यालय :- तुलसीयानी प्लाजा तीसरी मंजिल, एम.जी. मार्ग, सिविल लाइन्स, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश।

फोन करें :- 0532-2695959, 9415608710, 6394370734, 7355448437, 6386474074, 6306080178, 9026359274